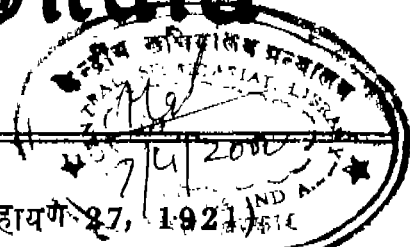




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 18, 1999 (अग्रहायणे 27, 1921)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1999 (AGRAHAYANA 27, 1921)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[संविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

मुम्बई, दिनांक नवम्बर 1999

भारत सरकार के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल, 1954 की अधिसूचना सं० एफ० (8) 70/बी 5 और भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी, 1990 के असाधारण राजपत्र सं० 67 के अन्तर्गत यथा संशोधित लोक ऋण अधिनियम 1944 की धारा 28 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के नियम 18 के अनुसरण अक्टूबर, 1999 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गई आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार मौजूद है कि प्रतिभूतियां खो गयी हैं और आवेदकों का वाधान्यायोचित है। नीचे लिखे गए संबंधित दावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, मुम्बई को संसूचित करें।

सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियां शामिल की गई हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गई है।

सूची "क"

प्रतिभूतियों की सं०	मूल्य	जिस व्यक्ति के नाम जारी किया	बकाया ब्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दायेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि तथा संख्या
1	2	3	4	5	6
स्वर्ण बांड 1998 (मुंबई सर्कल)					
बीबाय/002142	501 ग्राम स्वर्ण	सुश्री संध्या संजय पहाड़े	अवधि समाप्ति पर	सुश्री संध्या संजय पहाड़े	सामला सं० 20-04-2143 मुख्य महा-प्रबंधक के दिनांक 5-10-99 के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 260 दि० 06-10-99
बीबाय/002143	502 ग्राम स्वर्ण	सुश्री बदामबाई फूलचंद पहाड़े	-वही-	सुश्री बदामबाई फूलचंद पहाड़े	सामला सं० 20-04-2144 महा-प्रबंधक के दिनांक 5-10-99 के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 260 दिनांक 06-10-99
बीबाय/000745	500 ग्राम स्वर्ण	श्री विजय फूलचंद पहाड़े	-वही-	श्री विजय फूलचंद पहाड़े	सामला सं० 20-04-2145 महा-प्रबंधक के दिनांक 5-10-99 के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 260 दि० 06-10-99
बीबाय/000746	553 ग्राम स्वर्ण	श्री विजय फूलचंद	-वही-	श्री विजय फूलचंद पहाड़े	--वही--

सूची "ख"

प्रतिभूतियों की सं०	मूल्य	जिस व्यक्ति के नाम जारी किया	बकाया ब्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दायेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि तथा संख्या
1	2	3	4	5	6
एबी-004328	र० 8,55,000	हेमाली काम्तीलाल मगनलाल माली (भायनोर) और दमयन्तीबेन काम्तीलाल माली	सभी 11 इस्ट-रेस्ट बार'ट का इश्यु रजिस्टर में मार्क आफ बाकी	दमयन्तीबेन काम्तीलाल माली	के० का० पत्र नंबर संख्या 100 दिनांक 2-9-1999 एलएन एस०/329

श्रीमती एन० ए० आहाले,
कृते मुख्य महाप्रबंधक,

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

मुंबई, दिनांक 27 नवम्बर 1999

सं० क्र 13/1999--इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्रीमती नोना मल्होत्रा के स्थान पर श्री रवि रामबाबू, 31, पंकोम चैम्बर्स, 6-3-1090/1/ए, राजभवन रोड सोमाजीगुडा, हैदराबाद-500082, को स्टेट बैंक आफ पटियाला के निवेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 1 दिसम्बर, 1999 से 30 नवम्बर, 2002 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करना है।

जी० जी० वैध,
अध्यक्ष

विजया बैंक : सामान्य विनियम 1998

बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन व अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, विजया बैंक का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के बाद और केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के साथ, नीचे उल्लिखित विनियम बनाता है, अर्थात्,

अध्याय - I**प्रस्तावना****1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ**

- (i) इन विनियमों को "विजया बैंक सामान्य विनियम, 1980" कहा जाए.
- (ii) ये विनियम, सरकारी गजट में उनकी प्रकाशन-तारीख से लागू होंगे.

2. परिभाषा - इन विनियमों में, जब तक कि उसके विषय अथवा संदर्भ अथवा अभिप्राय क विरुद्ध कोई बात न हो -

- (ए) "अधिनियम" से अभिप्राय है, बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन व अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40);
- (बी) "बैंक" से अभिप्राय है, अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित विजया बैंक;
- (सी) "मंडल" से अभिप्राय है, अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत गठित निदेशक मंडल;
- (डो) "अध्यक्ष" से अभिप्राय है, मंडल का अध्यक्ष;
- (ई) "समिति" से अभिप्राय है, मंडल द्वारा गठित एक समिति;
- (एफ) "कार्यपालक निदेशक" से अभिप्राय है, प्रबंध निदेशक न होते हुए पूर्णकालिक निदेशक;
- (जी) "महा प्रबंधक" से अभिप्राय है, बैंक का महा प्रबंधक;
- (एच) "प्रबंधक समिति" से अभिप्राय है, योजना के खंड 13 के अंतर्गत गठित एक समिति;
- (ऐ) "प्रबंध निदेशक" से अभिप्राय है, बैंक का प्रबंध निदेशक;
- (जे) "रजिस्टर" से अभिप्राय है, बैंक की एक अथवा उससे अधिक बहियों में रखा गया, शेयरधारकों का रजिस्टर और इसमें शामिल है, अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा के अंतर्गत कंप्यूटर के फ्लॉपी-डिस्कटों में रखे गए शेयरधारकों का रजिस्टर;

(क) "रजिस्ट्रार" से अभिप्राय है, नीचे उल्लिखित प्रयोजनों के लिए बैंक द्वारा नियुक्त व्यक्ति -

- (I) किसी पूँजी निगम के संबंध में निदेशकर्ताओं से आवेदन-पत्र के संग्रहण के लिए,
- (ii) निवेशकर्ताओं से प्राप्त आवेदन-पत्रों और धनराशि अथवा प्रतिभूतियों के विक्रेताओं को प्रदत्त धनराशि का ठीक अभिलेख रखने के लिए,
- (iii) नीचे उल्लिखित काम निपटाने में बैंक को सहयोग देने के लिए जैसे;
 - (क) शेयर बाजार के साथ परामर्श कर प्रतिभूतियों के आबंटन के आधार का निर्धारण करना,
 - (ख) प्रतिभूतियों के आबंटन के लिए पात्र व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप देना,
 - (ग) पूँजी निर्गम के संबंध में आबंटन पत्रों, धन वापसी आदेश अथवा प्रमाणपत्रों और अन्य सबूत दस्तावेजों का संसाधन और प्रेषण करना और

(iv) ऐसा कोई दूसरा कार्य करने के लिए, जो बैंक द्वारा समय-समय पर सौंपा जाए,

(एल) "योजना" से अभिप्राय है, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1980;

(एम) "शेयर" से अभिप्राय है, बैंक की शेयर पूँजी में अंश;

(एन) "शेयर अंतरण एजेंट" में शामिल हैं -

- (i) ऐसा कोई भी व्यक्ति, जो बैंक की ओर से, बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के धारकों के अभिलेखों का अनुरक्षण करता है और उसकी प्रतिभूतियों के अंतरण और शोधन से संबंधित सारे मामलों की बाबत व्यवहार करता है, अथवा
- (ii) बैंक का एक ऐसा विभाग अथवा प्रभाग (चाहे उसे किसी भी नाम से जाना जाता हो) जो उप-खंड (i) में उल्लिखित कार्यकलाप निष्पादित करता है,

(ओ) अध्याय III में प्रयुक्त और निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित परंतु इन विनियमों में परिभाषित न किए गए शब्दों और अभिव्यक्तियों का अर्थ वही होगा जो उक्त अधिनियम में उनके लिए क्रमशः निश्चित किए गए हैं.

(पी) इन विनियमों में प्रयुक्त और परिभाषित न की गई परंतु अधिनियम अथवा योजना में प्रयुक्त अन्य अभिव्यक्तियों के अर्थ वही होंगे जो अधिनियम अथवा योजना में उनके लिए क्रमशः निश्चित किए गए हैं.

अध्याय - II

शेयर और शेयर रजिस्ट्रार

3. शेयरों का स्वरूप

विजया बैंक के शेयर, चल संपत्ति होंगे जिनका इन विनियमों के अंतर्गत किए गए प्रावधानों के अनुरूप अंतरण किया जा सकेगा.

4. शेयर पूंजी के प्रकार

(i) अधिमान शेयर पूंजी से अभिप्राय, विजया बैंक की शेयर पूंजी के उस भाग से है जो नीचे उल्लिखित दोनों शर्तें पूरी करता है :-

(क) जहां तक लाभांशों का संबंध है, उसका यह अधिमान्य अधिकार है कि एक निश्चित रकम अथवा निश्चित दर से परिकलित रकम अदा की जाए, जो या तो आय-कर से मुक्त हो या आय-कर के अधीन हो और

(ख) जहां तक पूंजी का संबंध है, परिसमापन के उपरांत पूंजी की चुकौती करते समय, उसका यह अधिमान्य अधिकार है अथवा होगा कि प्रदत्त अथवा प्रदत्त समझी जानेवाली पूंजी की रकम चुकाई जाए, चाहे नीचे उल्लिखित रकम में से किसी एक अथवा दोनों का भुगतान करने का अधिमान्य अधिकार हो या न हो, अर्थात्,

(अ) परिसमापन अथवा पूंजी की चुकौती-तारीख तक खंड (क) में निर्दिष्ट रकम के संबंध में अदत्त रही कोई धनराशि और

(आ) केंद्र सरकार की पूर्ण सहमति के साथ मंडल द्वारा निर्दिष्ट कोई निश्चित प्रीमियम अथवा किसी निश्चित पैमाने पर प्रीमियम.

(ii) " इक्विटी शेयर पूंजी " से अभिप्राय है, ऐसी सनस्त शेयर पूंजी, जो अधिमान शेयर पूंजी न हो.

(iii) " अधिमान शेयर और इक्विटी शेयर " अभिव्यक्तियों को तदनुसार माना जाएगा.

5. रजिस्ट्रार में दर्ज किए जानेवाले विवरण

अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (एफ) के अनुसार एक शेयर रजिस्ट्रार रखा जाएगा, उसका अनुरक्षण किया जाएगा और उसे अद्यतन बनाया जाएगा.

- (ii) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (एफ) में निर्दिष्ट विवरण के अतिरिक्त, ऐसे अन्य विवरण, जो मंडल द्वारा निर्दिष्ट किए जाएं, रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे।
- (iii) किसी शेयर के संयुक्त धारकों के मामले में, उप-विनियम (i) की अपेक्षानुसार उनके नाम और अन्य विवरण का वर्गीकरण, संयुक्त धारकों में से प्रथम संयुक्त धारक के नाम के अधीन किया जाएगा।
- (iv) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (डी) के परंतुक के अधीन, भारत के बाहर निवास करनेवाले शेयरधारक द्वारा बैंक को भारत में उसके पते के बारे में जानकारी प्रस्तुत की जाए और अगर ऐसा कोई पता हो तो उसे रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा और अधिनियम और इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए उसे उसका पंजीकृत पता माना जाएगा।
- (v) किसी न्यास की, चाहे अभिव्यक्त, निहित अथवा आन्वयिक हो, कोई भी नोटिस, बैंक द्वारा, न रजिस्टर में दर्ज की जाएगी न ही स्वीकार की जा सकेगी।

6. शेयरों और रजिस्ट्रारों पर नियंत्रण

अधिनियम के प्रावधानों और इन विनियमों और उन निदेशों के अधीन जो मंडल द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएं, रजिस्टर, विजया बैंक के प्रधान कार्यालय में रखा जाएगा और अनुरक्षित किया जाएगा और मंडल के नियंत्रण के अधीन होगा तथा किसी शेयर के संबंध में मंडल का यह निर्णय अंतिम होगा कि शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने के लिए कोई व्यक्ति हकदार है या नहीं।

7. ऐसे पक्षकार जिनका पंजीकरण नहीं किया जा सकेगा

- (i) इन विनियमों में अन्यथा किए गए प्रावधानों को छोड़कर, वे सभी व्यक्ति जो संविदा करने के लिए सक्षम नहीं हैं, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने के हकदार नहीं होंगे और इस संबंध में मंडल का निर्णय, निश्चायक और अंतिम होगा।
- (ii) फर्मों के मामले में, शेयरों का पंजीकरण अलग-अलग साझेदारों के नाम किया जाए और इसलिए कोई भी फर्म, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने का हकदार नहीं होगा।

8. कंप्यूटर प्रणाली आदि में शेयर रजिस्टर का अनुरक्षण

- (i) विनियम 5 में उल्लिखित धारा के साथ पठित अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (एफ) के अधीन शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने के लिए अपेक्षित विवरण, अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (जी) के अंतर्गत, प्रधान कार्यालय में रखे जानेवाले कंप्यूटरों में डिस्कटों, फ्लॉपियों, कार्ट्रिजों में अथवा अन्यथा (जिसे इसके आगे "मीडिया" कहा गया है)

मैग्नेटिक/ऑप्टिकल/मैग्नेटो-ऑप्टिकल मीडिया में संगृहीत आंकड़ों के रूप में रखे जाएंगे और ऐसे स्थान में उसका बैक-अप रखा जाएगा, जिसके बारे में निर्णय समय-समय पर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक अथवा अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा (जिसे इसके आगे "नामोद्दिष्ट अधिकारी" कहा गया है) इस निमित्त नामोद्दिष्ट कम से कम महा प्रबंधक की श्रेणी के किसी दूसरे अधिकारी द्वारा लिया जाए.

- (ii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 की धारा 11 के साथ पठित अधिनियम की धारा 3(बी) में दर्ज किए जाने के लिए अपेक्षित विवरण, उसमें निर्धारित ढंग और रीति से, इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे जाएंगे.

9. कंप्यूटर प्रणाली की सुरक्षा के लिए एहतियात

- (i) विनियम 8(i) में निर्दिष्ट ऐसी प्रणाली में, जिसमें आंकड़ें संगृहीत किए जाते हैं, उपलब्ध सूचना, किसी पूँजी निर्गम के रजिस्ट्रार और/अथवा शेयर अंतरण एजेंट सहित उन सभी व्यक्तियों तक सीमित की जाएगी, जो इस निमित्त अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा नामोद्दिष्ट अधिकारी द्वारा प्राधिकृत किए जाएं और अगर कोई पास वर्ड हो तो उसे और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली को उक्त व्यक्तियों की अभिरक्षा में गुप्त रखा जाएगा.
- (ii) प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा एक्सेस किए जाने के बारे में कंप्यूटर प्रणाली द्वारा लॉग में अभिलिखित किया जाएगा और ऐसे लॉग, इस निमित्त अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा नामोद्दिष्ट अधिकारी द्वारा नामोद्दिष्ट अधिकारियों/व्यक्तियों के पास परिरक्षित किए जाएंगे.
- (iii) बैक-अप की प्रतिलिपियां, शेयरधारकों के रजिस्टर में किए गए परिवर्तनों को समाविष्ट करते हुए, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा नामोद्दिष्ट अधिकारी द्वारा समय-समय पर यथा निर्दिष्ट अंतराल में रिमूवेबल मीडिया में ली जाएगी. इनमें से कम से कम एक प्रतिलिपि, उस परिसर को छोड़कर जिसमें संसाधन किया जाता है, किसी दूसरे स्थान में रखी जाएगी. यह प्रतिलिपि, ताला लगाने की व्यवस्था के साथ फायर प्रूफ बातावरण और अपेक्षित तापमान में रखी जाएगी. दोनों स्थानों में बैक-अप के लिए एक्सेस, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा नामोद्दिष्ट अधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्तियों तक सीमित किया जाएगा. इस तरह से प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा एक्सेस के बारे में निर्दिष्ट स्थान में रखे गए रजिस्टर में अभिलेखन किया जाएगा.
- (iv) प्राधिकृत व्यक्तियों का यह कर्तव्य होगा कि वे, उचित सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए बैक-अप में उपलब्ध आंकड़ों का कंप्यूटर प्रणाली में उपलब्ध आंकड़ों के साथ तुलना करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बैक-अप सही है. इस परिचालन का परिणाम, इस प्रयोजन के लिए रखे गए रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा.

- (v) अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के लिए यह यथेष्ट होगा कि वह, प्रौद्योगिकी में उन्नति पर उचित ध्यान देते हुए और/अथवा परिस्थिति की अनिवार्यता को देखते हुए अथवा किसी दूसरे संबंधित लिहाज से, किसी विशिष्ट अथवा सामान्य आदेश द्वारा, कंप्यूटर प्रणाली में शेयरधारकों के रजिस्टर का अनुरक्षण करने के लिए बरते जानेवाले एहतियातों से संबंधित अनुदेशों में, अनुबंधों में जोड़ अथवा आशोधन करें।

10. संयुक्त धारकों के अधिकारों का प्रयोग

अगर कोई शेयर, दो या उससे अधिक व्यक्तियों के नाम हो तो, शेयरों के अंतरण को छोड़कर, मताधिकार, लाभांश प्राप्त करने, नोटिस जारी करने और "विजया बैंक" के साथ जुड़े हुए सभी अथवा किसी दूसरे मामलों के संबंध में, रजिस्टर में पहले नामित व्यक्ति के बारे में यह मान लिया जाएगा कि वह उसका एकमात्र धारक है।

11. रजिस्टर का निरीक्षण

- (i) विनियम 12 के अंतर्गत बंद करने के सिवाय, किसी भी शेयरधारक के निरीक्षण के लिए, रजिस्टर, निःशुल्क, ऐसे स्थान में खुला रखा जाएगा जहां उसे कारोबार समय के दौरान रखा जाता है, जब कि यह ऐसे उचित प्रतिबंध के अधीन होगा जो कि मंडल द्वारा लगाए जाएं ताकि निरीक्षण के लिए प्रत्येक कार्य दिवस कम से कम दो घंटे दिए जा सकें।
- (ii) कोई भी शेयरधारक, रजिस्टर में उपलब्ध किसी भी प्रविष्टि अथवा कंप्यूटर प्रिंट का निःशुल्क उद्धरण ले सकता है अथवा अगर उसे रजिस्टर अथवा उसके किसी भाग की प्रतिलिपि की जरूरत हो तो, कॉपी किए जानेवाले हर 100 शब्दों अथवा उसके आंशिक भाग के लिए रु. 5/- की दर से पूर्ण भुगतान करने पर उसकी आपूर्ति की जाएगी।
- (iii) उप-विनियम (ii) में किसी बात के होते हुए भी, सरकार के विधिवत् रूप से प्राधिकृत अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह, रजिस्टर में किसी भी प्रविष्टि की प्रतिलिपि निकाले अथवा रजिस्टर अथवा उसके किसी भाग की प्रतिलिपि प्रस्तुत करवाए।

12. रजिस्टर बंद करना

भारत में प्रचलित कम से कम दो समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए कम से कम सात दिन की पूर्ण नोटिस देने के बाद, बैंक, किसी भी अवधि के लिए अथवा प्रत्येक वर्ष में अधिकतम कुल पैंतालीस दिन तक, परंतु किसी एक समय अधिकतम तीस दिन तक, जो उसकी राय में आवश्यक होगा, शेयरधारकों का रजिस्टर बंद कर सकता है।

13. शेयर प्रमाणपत्र

- (i) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र पर, शेयर प्रमाणपत्र संख्या, एक विशेष संख्या, उन शेयरों की संख्या जिनके संबंध में उसे जारी किया गया हो और उस शेयरधारक का नाम जिसके नाम उसे जारी किया गया हो, अंकित किए जाएंगे और वह उस प्रारूप में होगा जिसे मंडल द्वारा यथा निर्दिष्ट किया जाए.
- (ii) मंडल के संकल्प का अनुसरण करते हुए, हर एक शेयर प्रमाणपत्र, बैंक की निगम मुद्रा के साथ जारी किया जाएगा और उस पर दो निदेशकों और इस प्रयोजन के लिए मंडल द्वारा नियुक्त किसी दूसरे अधिकारी के हस्ताक्षर होंगे.

परंतु यह कि निदेशकों के हस्ताक्षरों का मुद्रण, उत्कीर्णन, अश्ममुद्रण अथवा किसी दूसरी ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा अंकन किया जाए जो मंडल निर्दिष्ट करे.

- (iii) इस तरह से मुद्रित, उत्कीर्णित, अश्ममुद्रित अथवा अन्यथा अंकित हस्ताक्षर उतना ही विधिमान्य होगा जितना हस्ताक्षरकर्ता द्वारा स्वयं हस्तलिखित हस्ताक्षर.
- (iv) कोई भी शेयर प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक इस तरह से उस पर हस्ताक्षर न किए गए हों. इस तरह से हस्ताक्षरित शेयर प्रमाणपत्र विधिमान्य होगा और बाध्यकारी होगा भले ही, उसे जारी करने से पहले, उस पर जिस व्यक्ति का हस्ताक्षर हो, वह बैंक की तरफ से शेयर प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए अब प्राधिकृत व्यक्ति न रहा हो.
- (v) अगर इस तरह से तैयार किए गए शेयर प्रमाणपत्र पर, उक्त उप-खंड (ii) में बताए गए अनुसार, उस प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर हो, जो प्रमाणपत्र जारी करते समय मर चुका हो, तो बैंक, ऐसी पद्धति से, जो वह सबसे अधिक उपयुक्त समझे, प्रमाणपत्र पर दर्शाए गए उस व्यक्ति के हस्ताक्षर रह कर उस पर किसी दूसरे प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर करा सकता है. इस तरह से जारी किया गया प्रमाणपत्र विधिमान्य होगा.

14. शेयर प्रमाणपत्र जारी करना

- (i) किसी शेयरधारक के नाम शेयर प्रमाणपत्र जारी करते समय, मंडल के लिए यह घोषित होगा कि यह, किसी एक अवसर पर उसके नाम पंजीकृत हर एक सौ शेयरों के लिए या उसके गुणजों में एक प्रमाणपत्र के आधार पर, प्रमाणपत्र जारी करे और उसके अतिरिक्त शेयरों के लिए जो एक सौ से कम हों, एक अतिरिक्त शेयर प्रमाणपत्र जारी करे.
- (ii) अगर पंजीकृत किए जानेवाले शेयरों की संख्या, एक सौ से कम हो तो, सभी शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा.

- (iii) कई व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से धारित किसी शेयर अथवा शेयरों के संबंध में, बैंक, एक से अधिक प्रमाणपत्र जारी करने के लिए बाध्य नहीं होगा और किसी शेयर के लिए, अनेक संयुक्त धारकों में से किसी एक धारक को प्रमाणपत्र की सुपुर्दगी, उन सभी धारकों को पर्याप्त सुपुर्दगी के बराबर होगी।

15. शेयर प्रमाणपत्रों का नवीकरण

- (i) अगर कोई शेयर प्रमाणपत्र, कटा-फटा हो अथवा विकृत हो गया हो तो, मंडल अथवा उसके द्वारा नामोद्दिष्ट समिति, ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, उसे रद्द करने और उसके बदले नया प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश दे सकती है।
- (ii) अगर किसी शेयर प्रमाणपत्र के बारे में यह अभिकथन किया गया हो कि वह खो गया है अथवा नष्ट हो गया है तो, मंडल अथवा उसके द्वारा नामोद्दिष्ट समिति, जानिन के साथ या बगैर, ऐसी क्षतिपूर्ति पर, जो मंडल अथवा समिति ठीक समझे और दो समाधार पत्रों में प्रकाशित किए जाने और विजया बैंक को उसकी लागत, प्रभार और खर्च का भुगतान करने के बाद, ऐसे खोए हुए अथवा नष्ट हुए प्रमाणपत्र के हकदार व्यक्ति को उसके बदले डुप्लिकेट प्रमाणपत्र जारी किया जाए।

16. शेयरों का समेकन और उप-विभाजन

शेयरधारक(कों) द्वारा किए गए लिखित आवेदन पर, मंडल अथवा उसके द्वारा नामोद्दिष्ट समिति, उसके पास समेकन/उप-विभाजन के लिए प्रस्तुत, जो भी हो, शेयरों का समेकन अथवा उप-विभाजन कर सकती है और बैंक को उसकी लागत, प्रभार और खर्च और मामले के और उससे संबंधित प्रासंगिक खर्च का भुगतान करने पर उसके बदले नया/नए प्रमाणपत्र जारी सकती है।

17. शेयरों का अंतरण

- (i) बैंक के शेयरों का हर एक अंतरण, इसके साथ संलग्न फार्म "ए" में अथवा किसी ऐसे दूसरे फार्म में, जिसके लिए समय-समय पर बैंक द्वारा अनुमोदन दिया जाए, अंतरण प्रपत्र द्वारा किया जाएगा और संबंधित शेयर प्रमाणपत्र के साथ अंतरणकर्ता और अंतरिती, द्वारा अथवा की ओर से विधिवत् रूप से उस पर स्टांप लगाया, दिनांकित और निष्पादित किया जाएगा।
- (ii) शेयर प्रमाणपत्र के साथ अंतरण-प्रपत्र, बैंक को उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा और जब तक उसके संबंध में शेयर रजिस्टर में अंतरिती का नाम न दर्ज किया जाए, अंतरणकर्ता के बारे में यह मान लिया जाएगा कि वह, ऐसे शेयरों का धारक है।

(iii) बैंक द्वारा, अंतरण का पंजीकरण करने के अनुरोध और शेयर प्रमाणपत्र के साथ अंतरण-प्रमाणपत्र प्राप्त करने के उपरान्त, मंडल अथवा मंडल द्वारा नामोद्दिष्ट समिति द्वारा, शेयर प्रमाणपत्र के साथ उक्त अंतरण-प्रपत्र, रजिस्ट्रार और/अथवा शेयर अंतरण एजेंटों के पास, यह सत्यापन कराने के लिए कि तकनीकी अपेक्षाओं का पूर्णरूपेण पालन किया गया है, अंग्रेषित किया जाएगा। रजिस्ट्रार और/शेयर अंतरण एजेंट, अगर कोई शेयर प्रमाणपत्र हो तो उसके साथ अंतरण-प्रपत्र, पुनः प्रस्तुत करने के लिए अंतरिती के पास तब तक नहीं लौटाएंगे जब तक -

(क) पंजीकरण के लिए विधिवत् रूप से स्टांप लगाया गया और ठीक तरह से निष्पादित अंतरण प्रमाणपत्र बैंक में प्रस्तुत न किया गया हो और उसके साथ, संबंधित प्रमाणपत्र और ऐसे दूसरे सबूत संलग्न न किये जाएं, जो ऐसा अंतरण करने की दृष्टि से अंतरणकर्ता का हक दर्शाने के लिए मंडल द्वारा अपेक्षित हो।

(ख) रजिस्ट्रार इस बात से संतुष्ट न हो कि अंतरिती, अंतरण-प्रपत्र द्वारा आवृत्त शेयरों के संबंध में बैंक के शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने के लिए अर्ह है।

(iv) मंडल अथवा मंडल द्वारा नामोद्दिष्ट समिति, जब तक वह आगे के विनियम 19 के अंतर्गत अंतरण का पंजीकरण करने से इनकार न कर दें, पंजीकृत किया जानेवाला अंतरण कराएगी।

18. अंतरण निलंबित करने का अधिकार

मंडल अथवा मंडल द्वारा नामोद्दिष्ट समिति, उस अवधि के दौरान जब रजिस्टर बंद हो, किसी भी अंतरण का पंजीकरण नहीं करेगी।

19. शेयरों के अंतरण का पंजीकरण नकारने का मंडल का अधिकार

(i) मंडल, नीचे उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक आधारों पर, न कि किसी दूसरे आधार पर, अंतरिती के नाम शेयरों का अंतरण करने से इनकार कर सकता है :-

(क) अगर शेयरों का अंतरण, अधिनियम के प्रावधानों अथवा उसके अंतर्गत बनाए गए विनियमों अथवा किसी दूसरे कानून का उल्लंघन करते हुए शेयरों का अंतरण किया गया हो अथवा ऐसे अंतरण के पंजीकरण से संबंधित कानून के अधीन किसी दूसरी अपेक्षा का पालन न किया गया हो;

(ख) अगर मंडल की राय में, शेयरों का अंतरण, बैंक के हितों अथवा जनहित के प्रतिकूल हो;

- (ग) अगर किसी अदालत, अधिकरण अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी कानून के अंतर्गत किसी अन्य प्राधिकरण ने आदेश द्वारा शेयरों के अंतरण पर पाबंदी लगाई हो;
- (घ) अगर भारत के बाहर निवास करनेवाला कोई व्यक्ति अथवा कंपनी अथवा भारत में प्रवृत्त न रहे किसी कानून के अंतर्गत निगमित कोई कंपनी अथवा ऐसी कंपनी की कोई शाखा, चाहे भारत के बाहर नियासी हो या नहीं, अंतरण करने की इजाजत दिए जाने पर, उसके फलस्वरूप बैंक के शेयर धारित करें अथवा खरीदे और कुल मिलाकर ऐसा निवेश, प्रदत्त पूंजी के 20% (बीस) से अधिक हो अथवा सरकारी गजट में अधिसूचना के जरिए केंद्र सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार हो।

परंतु यह कि मंडल द्वारा इस निमित्त नामोद्दिष्ट समिति, उम्र उप-विनियम (i) (ग) में उल्लिखित, नकारने के अधिकारों का प्रयोग कर सकती है।

- (ii) मंडल, बैंक के शेयरों का अंतरण-प्रपत्र, ऐसे अंतरण का पंजीकरण कराने के प्रयोजन से उनके पास प्रस्तुत करने के बाद, यह राय बनाएगा कि उप-विनियम (i) में उल्लिखित किसी आधार पर ऐसा पंजीकरण करने से इनकार किया जाए या नहीं -
- (क) अगर उसने यह राय बना ली हो कि ऐसा पंजीकरण करने से इनकार न किया जाए तो, ऐसा पंजीकरण करे;
- (ख) अगर उसने यह राय बना ली हो कि उप-विनियम (i) में उल्लिखित किसी आधार पर ऐसा पंजीकरण करने से इनकार किया जाए तो अंतरण फार्म की प्राप्ति से 60 दिनों के अंदर लिखित रूप से नोटिस द्वारा अंतरणकर्ता और अंतरिती को सूचित करे।

20. मृत्यु, दिवालेपन की दशा में शेयरों का प्रेषण

- (i) किसी शेयर के संबंध में, मृत शेयरधारक के निष्पादक अथवा प्रशासक अथवा संलग्न विल अथवा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के भाग X के अंतर्गत जारी किए गए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के साथ अथवा उसके बगैर प्रोबेट पत्र अथवा प्रशासन पत्रों के धारक अथवा किसी कानूनी अभ्यायेदन के धारक अथवा ऐसा व्यक्ति, जिसके पक्ष में मृत एकमात्र धारक द्वारा उसके जीवनकाल के दौरान विधिमान्य अंतरण-प्रपत्र निष्पादित किया गया था, एकमात्र व्यक्ति होगा जिसे विजया बैंक द्वारा पहचाना जाए कि उसे ऐसे शेयर पर कोई हक है।
- (ii) दो या उससे अधिक शेयरधारकों के नाम पंजीकृत शेयरों के मामले में, उत्तरजीवी अथवा उत्तरजीवियों और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु होने पर उसके निष्पादक अथवा

प्रशासक अथवा ऐसा कोई व्यक्ति जो, शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के हित के संबंध में संलग्न विल अथवा उत्तराधिकार प्रमाणपत्र अथवा किसी दूसरे कानूनी अभ्यावेदन के साथ अथवा उसके बगैर प्रोबेट पत्रों अथवा प्रशासन के पत्रों का धारक हो अथवा ऐसा व्यक्ति, जिसके पक्ष में ऐसे व्यक्ति और ऐसे अंतिम उत्तरजीवी द्वारा उसके जीवनकाल के दौरान विधिमान्य अंतरण प्रपत्र जारी किया गया था, एकमात्र व्यक्ति होगा जिसे विजया बैंक द्वारा पहचाना जाए कि उसे ऐसे शेयर पर कोई हक है।

- (iii) जब तक विजया बैंक, किसी सक्षम क्षेत्राधिकार से, प्रोबेट अथवा प्रशासन पत्र अथवा उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, जो भी हो, प्राप्त न कर ले, वह इन निष्पादकों अथवा प्रशासकों को पहचानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

परंतु यह कि अगर किसी मामले में मंडल, अपने स्वनिर्णय से यह ठीक समझे तो, मंडल के लिए यह यथेष्ट होगा कि वह, क्षतिपूर्ति के संबंध में अथवा अन्यथा, उन नियमों पर जो कि वह ठीक समझे, प्रोबेट पत्र अथवा प्रशासन पत्र अथवा उत्तराधिकार प्रमाणपत्र अथवा ऐसे अन्य कानूनी अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को त्याग दे।

- (iv) अगर शेयरधारक की मृत्यु के परिणामस्वरूप, कोई व्यक्ति किसी शेयर का हकदार बन जाए और शेयरधारक के दिवालेपन, शोधन अक्षमता अथवा परिसमापन के परिणामस्वरूप, कोई व्यक्ति शेयर का हकदार बन जाए तो, उसका सबूत पेश करने पर, उसे अधिकार होगा कि -

(क) वह, ऐसे शेयर के संबंध में शेयरधारक के रूप में अपना नाम पंजीकृत करवाए।

(ख) वह, शेयर का अंतरण उसी तरह से करे जैसे वह व्यक्ति करता जिससे उसने हक हासिल किया हो।

21. ऐसे शेयरधारक जो पंजीकरण के लिए अनर्ह हो जाते हैं

शेयरधारक के रूप में, चाहे अकेले ही अथवा किसी दूसरे व्यक्ति अथवा दूसरे व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से पंजीकृत किसी भी व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह, किसी शेयर के संबंध में पंजीकृत किए जाने के लिए अनर्ह होते ही निदेशक मंडल को उसकी सूचना दे।

22. शेयरों की मांग

मंडल, समय-समय पर शेयरधारकों से उनके द्वारा धारित उन शेयरों के प्रति, जिनको आबंटन की शर्तों के अनुसार निश्चित समय पर अदा नहीं करना पड़ता है, अदत्त रही समस्त धनराशि की ऐसी मांग कर सकता है जो वह ठीक समझे और प्रत्येक शेयरधारक द्वारा, उससे इस तरह से की गई प्रत्येक मांग की रकम का भुगतान उस व्यक्ति को और उस समय और उस स्थान

पर करना होगा जो मंडल द्वारा नियत किया जाए। मांग को रकम का भुगतान किता न किया जा सकता है।

23. संकल्प द्वारा तारीख की मांग

किसी मांग के बारे में यह मान लिया जाएगा कि उसे उस समय किया गया है जिस समय ऐसी मांग करने का प्राधिकार देते हुए मंडल का संकल्प पारित किया गया हो और रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों द्वारा उसका भुगतान उस तारीख को अथवा मंडल के स्वनिर्णय से निश्चित उत्तरवर्ती तारीख को, कराया जाए।

24. मांग की नोटिस

भुगतान का समय निर्दिष्ट करते हुए हर मांग के लिए कम से कम 30 दिनों की नोटिस दी जाएगी बशर्ते कि ऐसी मांग के भुगतान के लिए दिये गये समय से पहले, मंडल, लिखित रूप से शेयरधारकों को नोटिस देकर उसका प्रतिसंहरण कर सकता है।

25. मांग का भुगतान करने के लिए समय बढ़ाना

मंडल, समय-समय पर और अपने स्वविवेकानुसार, शेयरधारकों के निवास स्थान की दूरी का लिहाज करते हुए अथवा किसी अन्य ठोस कारण से सब शेयरधारकों अथवा उनमें से किसी के लिए किसी मांग का भुगतान करने के लिए निश्चित समय बढ़ा सकता है। लेकिन कोई भी शेयरधारक, अधिकार के तौर पर ऐसे विस्तार का हक्दार नहीं होगा।

26. संयुक्त धारकों की देयताएं

किसी शेयर के संयुक्त धारकों को पृथक् रूप से और संयुक्त रूप से सभी मांगों का भुगतान करना पड़ेगा।

27. मांग करने पर निश्चित समय अथवा किस्तों में रकम अदा करना

अगर किसी शेयर के निर्गम के नियमों के अनुसार अथवा अन्यथा किसी निश्चित समय पर अथवा निश्चित समय पर किस्तों में कोई रकम अदा करना हो तो, ऐसी हर एक रकम अथवा किस्त का भुगतान ऐसे किया जाएगा मानों मंडल ने विधिदत्त रूप से मांग की हो और उचित नोटिस दी गई हो और मांग के संबंध में इसमें अंतर्निहित सारे प्रावधान, तदनुसार ऐसी रकम अथवा किस्त से संबंधित होंगी।

28. मांग अथवा किस्त पर व्याज कब अदा किया जाए

अगर किसी मांग अथवा किस्त के संबंध में देय रकम का भुगतान, उसके लिए नियत दिन अथवा उससे पहले न किया जाए तो, तत्समय धारक अथवा उस शेयर के आबंटिनी द्वारा,

जिसके संबंध में मांग की गई होगी अथवा किस्त देय हुई होगी, भुगतान के लिए नियत दिन से वास्तविक भुगतान के समय तक ऐसी दर से जो मंडल द्वारा, समय-समय पर निश्चित की जाए, ब्याज अदा किया जाना होगा। लेकिन मंडल, अपने स्वविवेकानुसार, पूर्णतः अथवा अंशतः ऐसे ब्याज के भुगतान का अधित्यजन कर सकता है।

29. शेयरधारकों द्वारा मांग का भुगतान न किया जाना

जब तक शेयरधारक ने, उसके द्वारा धारित हर एक शेयर के संबंध में तत्समय देय सभी मांगों का, ऐसे ब्याज और खर्च के साथ जो लगाए अथवा प्रभारित किए जाएं, अकेले ही अथवा दूसरे व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से भुगतान न किया हो वह, कोई लाभांश प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा, न ही वह शेयरधारक के अधिकारों का प्रयोग कर सकेगा।

30. मांग अथवा किस्त का भुगतान न करने पर नोटिस

अगर कोई शेयरधारक, किसी शेयर के संबंध में, मूलधनराशि अथवा ब्याज के रूप में देय किसी मांग अथवा किस्त अथवा किसी रकम का पूर्णतः अथवा अंशतः भुगतान, उसके लिए नियत दिन अथवा उससे पहले न करे तो, विजया बैंक, तदनंतर किसी भी समय उस अवधि के दौरान जब मांग अथवा किस्त अथवा उसका कोई अंश अथवा कोई रकम अदा रहे अथवा उसके संबंध में न्याय निर्णय अथवा डिक्री पूर्णतः अथवा अंशतः असंतुष्ट हो, ऐसे शेयरधारक अथवा उस व्यक्ति के नाम (अगर कोई हो तो) जो प्रेषण के जरिए शेयर का हकदार बने, नोटिस देकर उसे यह कह सकता है कि वह, अदा नहीं कर रही ऐसी मांग अथवा किस्त अथवा उसका कोई अंश अथवा अन्य रकम, उस ब्याज के साथ जो उपचित हुआ हो और ऐसे सारे खर्च (कानूनी अथवा अन्यथा) जो विजया बैंक ने, इस तरह से भुगतान न करने के कारण, अदा किए हों अथवा उठाए हों, अदा करे।

31. समपहरण की नोटिस

समपहरण में, नोटिस की तारीख से कम से कम चौदह दिन बाद होते हुए, उस दिन का और उस स्थान अथवा उन स्थानों का उल्लेख होगा, जहां ऐसी मांग अथवा किस्त अथवा ऊपर बताए गए अनुसार किसी अंश अथवा अन्य रकम और ब्याज तथा खर्च का भुगतान करना होगा। नोटिस में यह भी उल्लेख किया जाएगा कि उसके निश्चित दिन अथवा उससे पहले और नियत स्थान में भुगतान न करने पर, जिस शेयर के संबंध में मांग की गई हो अथवा किस्त का भुगतान देय हो, उसका समपहरण किया जा सकेगा।

32. चूक होने पर समपहृत किए जानेवाले शेयर

अगर ऊपर बताए गए अनुसार किसी नोटिस की अपेक्षाओं की पूर्ति न हो तो, जिन शेयरों के संबंध में, समस्त मांगों अथवा किस्तों, ब्याज और खर्च अथवा उसके संबंध में देय रकम का भुगतान न करने के कारण तदनंतर किसी समय नोटिस दी गई हो, उनका उस आशय के मंडल

के संकल्प द्वारा समपहरण किया जाएगा. ऐसे समपहरण में शामिल समपहृत शेयरों के संबंध में घोषित, परंतु समपहरण से पहले वास्तव में अदत्त लाभांश समाविष्ट होगा.

33. रजिस्टर में समपहरण की प्रविष्टि

जब विनियम 32 के अंतर्गत किसी शेयर का समपहरण हो तब रजिस्टर में तारीख के साथ समपहरण की प्रविष्टि डाली जाएगी.

34. समपहृत शेयर, विजया बैंक की संपत्ति होगी और उसे बेचा जा सकेगा

समपहृत किसी शेयर के बारे में मान लिया जाएगा कि यह विजया बैंक की संपत्ति है और उसे, उन नियमों पर और उस तरीके से, जिसके बारे में मंडल द्वारा निर्णय लिया जाए, किसी भी व्यक्ति को बेचा, पुनःआबंटित अथवा अन्यथा निपटाया जा सकेगा.

35. समपहरण को निष्प्रभावित करने का अधिकार

इससे पहले कि विनियम 32 के अंतर्गत समपहृत किसी शेयर को बेचा जाए, पुनःआबंटित किया जाए अथवा अन्यथा निपटाया जाए, मंडल, किसी भी समय, उन शर्तों पर जो वह ठीक समझे, उसका समपहरण निष्प्रभावित कर सकता है.

36. शेयरधारकों द्वारा समपहरण के समय देय रकम और ब्याज का भुगतान

ऐसा कोई भी शेयरधारक, जिसके शेयरों का समपहरण किया गया हो, समपहरण के बावजूद, समपहरण के समय, उस पर ऐसी दर से जो मंडल द्वारा निर्दिष्ट किया जाए और उसका पूर्णतः अथवा अंशतः भुगतान करने के लिए मंडल द्वारा प्रवर्तित किया जाए, भुगतान होने तक, ब्याज के साथ, ऐसे शेयरों के कारण अथवा उनके संबंध में देय समस्त मांगों, फिस्तों, ब्याज, स्वर्च और अन्य रकम का, भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा और उसे तत्काल विजया बैंक को भुगतान करना पड़ेगा.

37. आंशिक भुगतान के जरिए समपहरण रोक नहीं जा सकेगा

किसी शेयरों के संबंध में देय मांगों अथवा अन्य रकम के लिए बैंक के पक्ष में न कोई न्याय निर्णय, न ही कोई डिक्री, न ही उसके अंतर्गत कोई भुगतान अथवा तुष्टि, न ही विजया बैंक द्वारा किसी ऐसी रकम के अंश की प्राप्ति, जो किसी शेयरों के संबंध में, या तो मूलधनराशि या ब्याज के रूप में समय-समय पर किसी शेयरधारक से देय हो, न ही किसी रकम के भुगतान के संबंध में विजया बैंक द्वारा दिया गया कोई अनुग्रह, इन विनियमों के अंतर्गत ऐसे शेयरों का समपहरण रोक सकेगा.

38. शेयरों का समपहरण, बैंक के खिलाफ समस्त दावे निर्वापित करेगा

समपहरण के समय, शेयरों का समपहरण, शेयर के संबंध में बैंक के खिलाफ सारे हितों और समस्त दावों और मांगों को तथा इन विलेखों में अभिव्यक्त रूप से अधिकृत अधिकारों को छोड़कर, शेयर के प्रति प्रासंगिक दूसरे सभी अधिकारों को निर्वापित करेगा.

39. समपहरण के उपरांत बिक्री, पुनःनिर्गम, पुनःआबंटन अथवा निपटान किए जाने पर मूल शेयर अकृत और शून्य होंगे

पूर्ववर्ती विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत कोई बिक्री, पुनःआबंटन अथवा अन्य रूप से निपटान किए जाने पर, संबंधित शेयरों के संबंध में मूल रूप से जारी किया गया/ किए गए प्रमाणपत्र (जब तक कि चुककर्ता सदस्य ने बैंक द्वारा उसकी मांग किए जाने पर उसका पहले ही अभ्यर्पण न किया हो) रद्द होगा/होंगे और अकृत एवं शून्य होगा/होंगे और उक्त शेयरों के संबंध में उसके हकदार व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को नया प्रमाणपत्र अथवा नए प्रमाणपत्र जारी करने का मंडल का हक प्रभावहीन नहीं होगा.

40. समपहरण संबंधी प्रावधानों का लागू होना

समपहरण से संबंधित इन विनियमों के प्रावधान, इस रकम का, जो शेयर का निर्गम होने पर निश्चित समय पर, चाहे शेयरों के अंकित मूल्य के निमित्त हो या प्रीमियम के रूप में, इस तरह देय हो जो उसे विधियुक्त रूप से मांग किए जाने पर अदा करना पड़ता, भुगतान न करने की दशा में लागू होंगे.

41. शेयरों पर धारणाधिकार

(i) बैंक का, नीचे उल्लिखित पर प्रथम और तयोपरि धारणाधिकार होगा-

(क) किसी निर्दिष्ट शेयर के संबंध में मांगी गई अथवा निश्चित समय पर देय समस्त धनराशि के लिए (चाहे वर्तमान रूप से देय हो या नहीं) हर एक शेयर पर (जो पूर्णतः प्रदत्त शेयर न हो);

(ख) किसी अकेले व्यक्ति अथवा उसकी संपदा द्वारा बैंक को वर्तमान रूप से देय समस्त धनराशि के लिए उस अकेले व्यक्ति के नाम पंजीकृत किए गए सारे शेयरों पर (जो पूर्णतः प्रदत्त शेयर न हो);

(ग) प्रत्येक व्यक्ति के नाम पंजीकृत सभी शेयरों पर (चाहे अकेले ही अथवा दूसरों के साथ संयुक्त रूप से) और अकेले ही अथवा दूसरे व्यक्ति अथवा बैंक के साथ संयुक्त रूप से उसके ऋणों, देयताओं और वचनबंध के लिए, चाहे उसके भुगतान, पूर्ति अथवा उन्मोचन के लिए अवधि का वास्तव में निर्धारण

किया गया हो या नहीं, उसकी बिक्री की प्राप्ति पर और बैंक द्वारा उसके धारणाधिकार पर किसी शेयर में साम्यक हित को पहचाना नहीं जाएगा।

यह कि निदेशक मंडल, किसी भी समय किसी शेयर के संबंध में यह घोषणा कर सकता है कि उसे इस खंड के प्रावधानों से पूर्णतः अथवा अंशतः मुक्त किया गया है।

- (ii) अगर किसी शेयर पर बैंक का कोई धारणाधिकार हो तो वह उस पर देय समस्त लाभांश पर लागू होगा।

४२. शेयरों की बिक्री द्वारा धारणाधिकार लागू करना

- (i) बैंक, उन शेयरों को, जिन पर कंपनी का धारणाधिकार हो, उस तरीके से जो मंडल ठीक समझे, बेच सकता है -

- (क) अगर वह रकम, जिस पर धारणाधिकार मौजूद हो, वर्तमान रूप से देय हो;
(ख) अगर, शेयर के तत्समय पंजीकृत धारक या उसकी मृत्यु अथवा दिवालेपन के कारण उसके हकदार व्यक्ति को उस रकम के अंश का, जिसके संबंध में धारणाधिकार मौजूद हो और जो इस समय देय हो, उत्त्लेख करते हुए और उसके भुगतान की मांग करते हुए लिखित रूप से नोटिस देने के बाद चौदह दिन समाप्त हुए हों।

- (ii) ऐसी बिक्री लागू करने के लिए, मंडल, खरीदे गए शेयरों का उसके खरीदार के नाम अंतरित करने के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृत कर सकता है।

४३. शेयरों की बिक्री प्राप्ति का विनियोजन

बिक्री लागू की कटौती करने के बाद विनियम ४२ के अंतर्गत शेयरों की किसी बिक्री की नियत प्राप्ति का उस ऋण या देयता की तुष्टि के प्रति, जिसके संबंध में धारणाधिकार मौजूद हो, उस हद तक, जो वर्तमान रूप से देय हो, विनियोजन किया जाएगा और अगर कोई रकम बचे तो उसे शेयरधारकों अथवा उस व्यक्ति को, जो बेच गए शेयरों के प्रेषण द्वारा हकदार हो, दिया जाएगा।

४४. समपहरण का प्रमाणपत्र

विजया बैंक के किसी निदेशक अथवा इस संबंध में विधिवत् रूप से प्राधिकृत किसी दूसरे अधिकारी के हाथ से लिखा गया, इस आशय का प्रमाणपत्र कि शेयर के संबंध में मांग की गई थी और शेयर का समपहरण, मंडल के संकल्प द्वारा किया गया था, इन शेयरों के हकदार सभी व्यक्तियों के संबंध में उसमें उल्लिखित तथ्यों का निर्णायक प्रमाण होगा।

45. सम्पन्न शेयर के खरीदार और आबंटिती का हक

विजया बैंक, किसी बिक्री, पुनःआबंटन अथवा अन्य प्रकार से निपटान के संबंध में शेयर के लिए अगर कोई प्रतिफल दिया गया हो तो उसे प्राप्त कर सकता है और उस व्यक्ति को, जिसे ऐसे शेयर बेचे गए हों, पुनःआबंटित किए गए हों अथवा निपटाए गए हों, शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है और अगर कोई प्रतिफल हो तो उसका विनियोजन सुनिश्चित करने के लिए बद्ध नहीं होगा न ही, शेयर के सम्पन्नकरण, बिक्री, पुनःआबंटन अथवा अन्य निपटान के संदर्भ में कार्यवाही में किसी अनियमितता अथवा अधिमान्यता से शेयर पर उसका हक प्रभावित करेगा और बिक्री द्वारा व्यक्ति किसी व्यक्ति का उपचार केवल नुकसानी से और अनन्य रूप से विजया बैंक के खिलाफ होगा।

46. शेयरधारकों को नोटिस अथवा दस्तावेज देना

(i) बैंक, किसी शेयरधारक के नाम, या तो वैयक्तिक रूप से अथवा उसके पंजीकृत पते पर साधारण डाक से अथवा अगर भारत में उसका कोई पंजीकृत पता न हो तो उसे नोटिस देने की दृष्टि से उसके द्वारा बैंक को उपलब्ध कराए गए भारत के अंदर किसी पते पर, नोटिस अथवा दस्तावेज भेज सकता है।

(ii) जहाँ दस्तावेज अथवा नोटिस डाक से भेजी गई हो, वहाँ ऐसे दस्तावेज अथवा नोटिस को तामील किया गया तब माना जाएगा जब दस्तावेज अथवा नोटिस सहित पत्र, ठीक पते पर, पूर्ण भुगतान करते हुए और डाक से भेजा गया हो।

यह कि जहाँ शेयरधारक ने, पहले ही बैंक को सूचित किया हो कि उसे दस्तावेज, डाक प्रमाणपत्र अथवा पावती सहित अथवा रहित पंजीकृत डाक से भेजा जाए और उसका स्वर्ध भरने के लिए उसने बैंक में पर्याप्त राशि जमा की हो, वहाँ दस्तावेज अथवा नोटिस को तब तक तामील किया गया नहीं माना जाएगा जब तक उसे शेयरधारक द्वारा सूचित किए गए ढंग से तामील न किया गया हो। और बैठक की नोटिस के मामले में, उससे संबंधित पत्र, डाक से भेजे गए अड़तालीस घंटे बाद तथा अन्य किसी मामले में, उसे तामील तब माना जाएगा जब उस पत्र को सामान्य डाक से सुगुंर किया गया हो।

(iii) भारत में प्रचलित किसी समाचार पत्र में विज्ञापित नोटिस अथवा दस्तावेज को बैंक के उन शेयरधारकों पर, जिनका भारत में कोई पंजीकृत पता न हो और जिन्होंने उन्हें नोटिस देने के लिए भारत के अंदर कोई पता बैंक को उपलब्ध नहीं कराया हो, उस दिन तामील किया गया माना जाएगा जब वह विज्ञापन प्रकाशित हो।

(iv) शेयर के संबंध में रजिस्टर में पहले नामित संयुक्त धारक के नाम तामील करते हुए शेयरधारक के संयुक्त धारक के नाम बैंक द्वारा नोटिस अथवा दस्तावेज भेजा जा सकता है। और इस तरह दी गई नोटिस, उक्त शेयरों के सभी धारकों के लिए पर्याप्त नोटिस होगी।

- (v) अयकरधारक की मृत्यु होने अथवा उसके दिवालेपन के परिणामस्वरूप शेयर के हकदार व्यक्तियों को बैंक द्वारा नोटिस अथवा दस्तावेज, उनके नाम अथवा नृत व्यक्ति के अधिकार प्रतिनिधियों अथवा दियालिया के समनुदेशितियों अथवा उसी प्रकार के वर्णन वाली किसी व्यक्ति के नाम संबोधित पूर्वदत्त पत्र डाक से, हकदारी का दावा करनेवाले व्यक्तियों द्वारा इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराए गए भारत में, अगर कोई पता होता तो उस पते पर भेजा जाए अथवा जब तक कि ऐसा पता उपलब्ध न कराया जाए दस्तावेज को उस ढंग से तामील किया जाए मानो मृत्यु अथवा दिवालेपन न होने पर उसे तामील किया गया होता।
- (vi) विजया बैंक द्वारा दी जानेवाली नोटिस पर हस्ताक्षर हाथ से किए जाए या मुद्रित हो जाए।
-

अध्याय III

निक्षेपागार में धारित बैंक की प्रतिभूतियां

47 निक्षेपागार और बैंक के बीच करार

बैंक, अपने द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों के संबंध में एक या उससे अधिक निक्षेपागारों के साथ उनकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए करारनामे पर हस्ताक्षर कर सकता है.

48. सहभागी और निक्षेपागार के बीच करार

- (i) कोई भी सहभागी, निक्षेपागार के साथ उसके एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए करार कर सकता है. जिस निक्षेपागार के साथ करार किया जाएगा वह वही होगा जिसकी सेवाओं का उपभोग करने के लिए विनियम 47 के अंतर्गत बैंक ने सहमति दी हो
- (ii) बैंक का कोई भी शेयरधारक, सहभागी के जरिए निक्षेपागार के साथ, बैंक द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों के संबंध में उसकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उस फार्म में, जो ऐसे निक्षेपागार द्वारा निर्दिष्ट किया जाए, करारनामे पर हस्ताक्षर कर सकता है.

49. प्रतिभूति के प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण

- (i) ऐसे शेयरधारक अथवा बैंक की प्रतिभूति के धारक द्वारा, जिसने उक्त विनियम 48 के अंतर्गत करारनामे पर हस्ताक्षर किए हों, उस प्रतिभूति का प्रमाणपत्र, जिसके संबंध में यह बैंक के लिए निक्षेपागार की सेवाओं का उपभोग करने की मांग करना चाहे, अभ्यर्पित करना होगा.
- (ii) उक्त उप-विनियम (i) के अंतर्गत प्रतिभूति का प्रमाणपत्र प्राप्त होने के उपरांत, बैंक द्वारा, प्रतिभूति का प्रमाणपत्र रद्द किया जाएगा और बदले में अपने अभिलेखों में उस प्रतिभूति के संबंध में पंजीकृत मालिक के रूप में निक्षेपागार का नाम दर्ज किया जाएगा और तदनुसार निक्षेपागार को सूचित किया जाएगा.
- (iii) उक्त उप-विनियम (ii) के अंतर्गत जानकारी मिलने के बाद निक्षेपागार, अपने अभिलेखों में हितकारी मालिक के रूप में उक्त उप-विनियम (i) में निर्दिष्ट व्यक्ति का नाम दर्ज करेगा.

50. निक्षेपागार में रखी गई प्रतिभूतियों के अंतरण का पंजीकरण

हर एक निक्षेपागार को, बैंक से अंतरण करने की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त के नाम प्रतिभूतियों के अंतरण का पंजीकरण करना होगा।

51. प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने अथवा निक्षेपागार में रखी गई प्रतिभूति को धारित करने का विकल्प

- (i) बैंक द्वारा प्रस्तुत प्रतिभूतियों में अभिदान करनेवाले हर एक व्यक्ति को विकल्प होगा कि वह, प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करे अथवा निक्षेपागार में रखी गई प्रतिभूति को धारित करे।
- (ii) जब कोई व्यक्ति, निक्षेपागार में रखी गई प्रतिभूति को धारित करना चाहे तब, बैंक द्वारा ऐसे निक्षेपागार को प्रतिभूतियों के आबंटन के ब्यौरे सूचित किए जाएंगे और ऐसी जानकारी मिलने के बाद, निक्षेपागार द्वारा, अपने रजिस्टर में, उस प्रतिभूति के हितकारी मालिक के रूप में आबंटिती का नाम दर्ज किया जाएगा।

52. निक्षेपागार में प्रतिभूतियां समरूप में होंगे

निक्षेपागार द्वारा धारित सारी प्रतिभूतियों को अमूर्त अवस्था में बदलकर समरूप में रखा जाएगा।

53. हितकारी मालिक के अधिकार

हितकारी मालिक, समस्त अधिकारों और लाभ का हकदार होगा और उसे, निक्षेपागार में रखी गई उसकी प्रतिभूतियों के संबंध में समस्त देयताओं के अधीन किया जाएगा।

54. हितकारी मालिक का रजिस्टर

- (i) हर एक निक्षेपागार द्वारा हितकारी मालिकों का एक रजिस्टर और सूची, ऐसे प्रारूप में रखने होंगे, जो निक्षेपागार द्वारा धारित बैंक की प्रतिभूतियों के संबंध में निक्षेपागार अधिनियम, 1996 अथवा एसईबीआई द्वारा निर्धारित हो।
- (ii) निक्षेपागार द्वारा, ऐसे अंतराल में जो बैंक द्वारा निर्धारित किया जाए, उसके द्वारा अनुरक्षित हितकारी मालिकों के रजिस्टर और सूची की अद्यतन प्रतिलिपि बैंक को प्रस्तुत करनी होगी।

55. किसी प्रतिभूति के संबंध में नापसंद करने का विकल्प

- (i) अगर कोई हितकारी मालिक, किसी प्रतिभूति के संबंध में निक्षेपागार से बाहर होना चाहे, उसे तदनुसार निक्षेपागार को सूचित करना होगा.
- (ii) उक्त उप-विनियम (i) के अंतर्गत ऐसी सूचना मिलने के बाद, निक्षेपागार द्वारा अपने अभिलेखों में उचित प्रविष्टियां पारित करनी होंगी और बैंक को सूचित करना होगा.
- (iii) निक्षेपागार से सूचना मिले 30(तीस) दिनों के अंदर और उन शर्तों की पूर्ति होने और ऐसे शुल्क का भुगतान करने पर जो एसईबीआई निक्षेपागार और सहभागी विनियम 1996 और/अथवा निक्षेपागार अधिनियम, 1996 में निर्दिष्ट किया जाए, बैंक द्वारा, हितकारी मालिक अथवा अंतरिती के नाम, जो भी हो, प्रतिभूति का प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा.

अध्याय IV

शेयरधारकों की बैठकें

56. वार्षिक साधारण बैठक बुलाने के लिए नोटिस

- (i) अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा विजया बैंक के किसी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित, शेयरधारकों की वार्षिक साधारण बैठक बुलाने की नोटिस, बैठक से कम से कम ठीक इक्कीस दिन पहले, भारत में प्रचलित कम से कम दो दैनिक सनाचार पत्रों में प्रकाशित की जाएगी.
- (ii) ऐसी हर एक नोटिस में, बैठक के समय, दिनांक और स्थान का और उस बैठक में किए जानेवाले कारोबार के संयवहार का भी उल्लेख किया जाएगा.
- (iii) ऐसी बैठक का समय और दिनांक, मंडल द्वारा यथा निर्दिष्ट होगा. बैठक, विजया बैंक के प्रधान कार्यालय स्थल में संपन्न होगी.

57. असाधारण साधारण बैठक

- (i) अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में बैंक के निदेशकों में से कोई एक निदेशक, अगर मंडल का ऐसा निदेश हो तो या तो केंद्र सरकार से या सभी शेयरधारकों के सनस्त मताधिकारों में से कुल मिलाकर कम से कम दस प्रतिशत अधिकार रखते हुए अन्य शेयरधारकों से ऐसी बैठक बुलाने की मांग की गई हो तो, शेयरधारकों की असाधारण बैठक बुला सकते हैं.
- (ii) उप-विनियम (i) में निर्दिष्ट मांग में, उस उद्देश्य का उल्लेख किया जाएगा जिसके लिए असाधारण साधारण बैठक बुलाने की जरूरत हो, परंतु उसमें उसी तरह के अनेक दस्तावेज हो सकते हैं जिन पर प्रत्येक रूप से एक या उससे अधिक मांगकर्ताओं ने अपने हस्ताक्षर किए हों.
- (iii) जहां दो या उससे अधिक व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से शेयर धारित किए हों, यहां उनमें से किसी एक अथवा कुछ व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित मांग अथवा बैठक बुलाने की नोटिस का, इस विनियम के प्रयोजन के लिए, वही बल और प्रभाव होगा मानो उस पर सब ने हस्ताक्षर किए हों.
- (iv) असाधारण साधारण बैठक के समय, दिनांक और स्थान के बारे में निर्णय मंडल द्वारा लिया जाएगा :

यह कि केंद्र सरकार अथवा अन्य श्रेयधारक की मांग के अनुसार बुलाई गई बैठक, मांग प्राप्त हुए 45 दिनों के अंदर बुलाई जाएगी।

- (v) अगर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक, जो भी हो, उप-विनियम (i) की अपेक्षानुसार, उप-विनियम (iv) के परंतुक में अनुबद्ध अवधि के अंदर बैठक न बुलाए तो, ऐसी बैठक, मांग की गई तारीख से तीन महीने के अंदर मांगकर्ताओं द्वारा ही बुलाई जा सकती है।

यह कि इस उप-विनियम में किसी बात के बारे में यह नहीं मान लिया जाएगा कि वह, उक्त तीन महीने की अवधि समाप्त होने से पहले विधिवत् रूप से बुलाई गई बैठक को उस अवधि की समाप्ति के बाद किसी दूसरे दिन तक स्थगित करने से रोकेंगी।

- (vi) जहां तक हो सके, मांगकर्ताओं द्वारा उप-विनियम (v) के अंतर्गत बैठक उसी तरह से बुलाई जाएगी जैसे मंडल द्वारा अन्य साधारण बैठकें बुलाई जाती हैं।

58. साधारण बैठक का कोरम

- (i) श्रेयधारकों की किसी बैठक में कारोबार का संव्यवहार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे कारोबार के प्रारंभ में व्यक्तिगत रूप से ऐसी बैठक में मताधिकार चलाने के हकदार कम से कम पांच श्रेयधारकों का कोरम मौजूद न हो।
- (ii) अगर केंद्र सरकार से भिन्न श्रेयधारकों की मांग पर बुलाई गई बैठक के मामले में, बैठक करने के लिए नियत समय के बाद आधे घंटे के अंदर कोरम मौजूद न हो तो, बैठक समाप्त हो जाएगी।
- (iii) किसी दूसरे मामले में, अगर बैठक करने के लिए नियत समय के बाद आधे घंटे के अंदर कोरम उपलब्ध न हो तो, बैठक, अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी समय और स्थान पर अथवा ऐसे किसी दूसरे दिन और ऐसे समय और स्थान पर, जो अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जाए, स्थगित होगी। अगर स्थगित हुई बैठक में, बैठक करने के लिए नियत समय से आधे घंटे के अंदर कोरम मौजूद न हो तो, ऐसी स्थगित बैठक में व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रॉक्सी द्वारा मौजूद श्रेयधारक अथवा विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि, कोरम होंगे और उसमें उस कारोबार का संव्यवहार कर सकते हैं जिसके लिए बैठक बुलाई गई हो।

यह कि वार्षिक साधारण बैठक, उस तारीख के बाद स्थगित नहीं की जाएगी जिस तारीख के अंदर अधिनियम की धारा 10(ए) (1) के अनुसार ऐसी वार्षिक साधारण बैठक संपन्न होगी और अगर अगले सप्ताह में उसी दिन स्थगित बैठक का ऐसा प्रेमांश हो तो, वार्षिक साधारण बैठक नहीं बुलाई जाएगी, परंतु अगर कोरम मौजूद हो तो बैठक के लिए नियत समय से एक घंटे के अंदर अथवा उस समय से एक घंटा समाप्त

होने के तुरंत बाद बैठक के कारोबार का संव्यवहार प्रारंभ किया जाएगा और जो शेयरधारक उस समय व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रॉक्सी द्वारा अथवा विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मौजूद हो, वे कोरम बनेंगे।

59. साधारण बैठक में अध्यक्ष

- (i) अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में निदेशकों में से कोई एक ऐसा निदेशक जिसे साधारण रूप से अथवा किसी निर्दिष्ट बैठक के सिलसिले में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा अथवा उनकी अनुपस्थिति में, इस निमित्त कार्यपालक निदेशक द्वारा प्राधिकृत किया जाए, बैठक के अध्यक्ष होंगे और अगर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य निदेशक बैठक में मौजूद न हो तो, बैठक में मौजूद किसी दूसरे निदेशक को बैठक के अध्यक्ष के रूप में चुना जा सकता है।
- (ii) साधारण बैठक के अध्यक्ष, साधारण बैठकों में प्रक्रिया को विनियमित करेंगे और विशेषकर उनको यह अधिकार होगा कि वे, यह निर्णय लें कि शेयरधारकों को किस क्रम में बैठक को संबोधित करने का मौका दिया जाए, भाषण के लिए समय सीमा निश्चित करें और उसे उस समय बंद करें जब उनकी राय में किसी मामले पर पर्याप्त रूप से बहस हो चुकी है और बैठक को स्थगित करें।

60. साधारण बैठक में भाग लेने के हकदार व्यक्ति

- (i) उप-विनियम (ii) के अधीन विजया बैंक के सभी निदेशकों और सभी शेयरधारकों को साधारण बैठक में भाग लेने का हक होगा।
- (ii) साधारण बैठक में भाग लेनेवाले शेयरधारक (जो केंद्र सरकार न हो) या निदेशक से अपेक्षा की जाती है कि उसका मताधिकार पहचानने और निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए, वह, अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट प्रारूप में, जिसमें नीचे उल्लिखित से संबंधित ब्यौरे दिए गए हों, एक फार्म पर हस्ताक्षर कर उसे बैंक के सुपुर्द करें -

(क) उसका पूरा नाम और पंजीकृत पता;

(ख) उसके शेयरों की सुभिन्न संख्या;

(ग) क्या उसे मत देने का अधिकार है और व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रॉक्सी द्वारा अथवा विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उसके कितने मत देने का अधिकार है।

61. साधारण बैठक में मतदान

- (i) किसी साधारण बैठक में, किसी संकल्प को, जब तक मतदान की मांग न की जाए, हाथ दिखाकर निर्णीत किया जाएगा.
- (ii) अधिनियम में यथा अन्यथा उपबंधित के सिवाय, साधारण बैठक में प्रस्तुत हर एक मामला, बहुमत से निर्णीत किया जाएगा.
- (iii) जब तक, उप-विनियम (i) के अंतर्गत मतदान की मांग न की जाए, बैठक के अध्यक्ष द्वारा यह घोषणा कि किसी संकल्प को हाथ दिखाकर, या तो सर्वसम्मति से या बहुमत से स्वीकार किया गया है अथवा नहीं किया गया है और कार्यवाही के कार्यवृत्त सहित बहियों में उस आशय की प्रविष्टि, ऐसे संकल्प के पक्ष में अथवा विरुद्ध, मतों की संख्या अथवा उसके अनुपात के सबूत के बिना, तथ्य का निर्णायक प्रमाण होगी.
- (iv) किसी संकल्प के संबंध में हाथ दिखाकर मतदान के परिणाम की घोषणा करने से पहले अथवा उसके उपरान्त, बैठक के अध्यक्ष द्वारा अपने स्वयं प्रस्ताव से मतदान कराने का आदेश दिया जा सकता है और व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रॉक्सी द्वारा मौजूद और विजया बैंक में ऐसे शेयर, जो संकल्प के संबंध में ऐसा मताधिकार प्रदान करते हों जो संकल्प के संबंध में कुल मताधिकार के एक पांचवें भाग से कम न हों, रखने वाले किसी शेयरधारक अथवा शेयरधारकों द्वारा इस निमित्त मांग किए जाने पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा मतदान कराने का आदेश दिया जाएगा.
- (v) मांग करनेवाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा मतदान की मांग किसी भी समय वापस ली जा सकती है.
- (vi) स्थगन अथवा बैठक के अध्यक्ष के चुनाव के प्रश्न पर मतदान की मांग को तत्क्षण स्वीकार किया जाएगा.
- (vii) किसी दूसरे सवाल पर मांग के अनुसार मतदान, बैठक के अध्यक्ष के यथा निर्देशानुसार उस समय किया जाएगा जो मांग किए गए समय से, अड़तालीस घंटे बाद न हो.
- (viii) मताधिकार चलानेवाले किसी व्यक्ति की अर्हता के बारे में और साथ ही, मतदान के मामले में, किसी व्यक्ति द्वारा मतदान करने की क्षमता के संबंध में मतों की संख्या के बारे में बैठक के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा.

62. साधारण बैठक के कार्यवृत्त

- (i) विजया बैंक द्वारा समस्त कार्यवाही के कार्यवृत्त, इस प्रयोजन के लिए रखी गई बहियों में अनुरक्षित किये जाएंगे.
 - (ii) अगर किसी कार्यवृत्त पर, उस बैठक के, जिसमें कार्यवाहियां चलाई गईं, अध्यक्ष द्वारा अथवा अगले उत्तरवर्ती बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना तात्पर्यित हो तो, वह कार्यवाहियों का प्रमाण होगा.
 - (iii) जब तक प्रतिकूल सिद्ध न हो, यह मान लिया जाएगा कि जिन कार्यवाहियों के संबंध में कार्यवृत्त तैयार किए गए थे उनसे संबंधित हर एक साधारण बैठक, विधिवत् रूप से बुलाई गई थी और संपन्न हुई थी और उसमें की गई समस्त कार्यवाहियां विधिवत् रूप से की गईं.
-

अध्याय V

निदेशकों का चुनाव

63. साधारण बैठक में चुने जानेवाले निदेशक

- (i) अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के खंड (i) के अंतर्गत विजया बैंक की साधारण बैठक में, निदेशक का चुनाव, केंद्र सरकार से भिन्न, रजिस्टर में दर्ज किए गए शेयरधारकों द्वारा, उनमें से किसी में किया जाएगा.
- (ii) जहां निदेशक का चुनाव किसी साधारण बैठक में होना हो, यहां उसकी नोटिस, बैठक बुलाने की नोटिस में शामिल किया जाएगा. ऐसे हर एक नोटिस में, चुने जानेवाले निदेशकों की संख्या और उन रिक्तियों के बारे में जिनके संबंध में चुनाव किया जाएगा, निर्दिष्ट किए जाएंगे.

64. शेयरधारकों की सूची

- (i) इन विनियमों के विनियम 63 के उप-विनियम (i) के अंतर्गत निदेशक के चुनाव के प्रयोजन के लिए, रजिस्टर में दर्ज किए उन शेयरधारकों की सूची तैयार की जाएगी, जिनके द्वारा निदेशक का चुनाव किया जाना हो.
- (ii) सूची में, समाविष्ट किए जाएंगे; शेयरधारकों के नाम, उनके पंजीकृत पते, संख्या और शेयरों की पंजीकृत तारीख सहित उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या और उस बैठक के लिए, जिसमें चुनाव होगा, निश्चित तारीख को, उन मतों की संख्या जिनके वे हकदार हों और बैठक के लिए निश्चित तारीख से कम से कम तीन सप्ताह पहले मंडल अथवा प्रबंध समिति द्वारा निश्चित की जानेवाली कीमत पर, प्रधान कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर खरीदने के लिए सूची की प्रतिलिपियां उपलब्ध होंगी.

65. चुनाव के लिए अभ्यर्थियों का नामांकन

- (i) निदेशक के रूप में चुनाव के लिए किसी अभ्यर्थी का नामांकन तभी विधिमान्य होगा जब,
 - (क) वह विजया बैंक में 100 शेयर रखनेवाला शेयरधारक हो;
 - (ख) उसे, नामांकन की प्राप्ति के लिए नियत अंतिम तारीख को, अधिनियम अथवा योजना के अंतर्गत निदेशक के रूप में अनर्ह घोषित न किया गया हो;

- (ग) उसने मांग का भुगतान करने के लिए निश्चित अंतिम तारीख को या उससे पहले, चाहे अकेले ही या दूसरों के साथ संयुक्त रूप से धारित बैंक के शेयरों के संबंध में सभी मांगों का भुगतान कर दिया हो.
- (घ) नामांकन, लिखित रूप में हो और उस पर अधिनियम के अंतर्गत निर्देशकों का चुनाव करने के लिए हकदार कम से कम एक सौ शेयरधारकों अथवा विधिवत् रूप से गठित उनके अटर्नी के हस्ताक्षर हों, परंतु यह कि किसी शेयरधारक द्वारा, जो एक कंपनी हो, नामांकन, उक्त कंपनी के निर्देशकों के संकल्प द्वारा किया जा सकता है और जहां इस तरह से नामांकन किया गया हो, वहां उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा जिसने संकल्प पारित किया गया, सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित संकल्प की एक प्रतिलिपि, विजया बैंक के प्रधान कार्यालय को भेजी जाएगी और उस प्रतिलिपि को ऐसी कंपनी की तरफ से नामांकन मान लिया जाएगा.
- (ङ) नामांकन के साथ अथवा नामांकन में, किसी न्यायाधीश, नैजिस्ट्रेट, आभ्यासन संबंधी रजिस्ट्रार अथवा उप-रजिस्ट्रार अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी अथवा भारतीय रिजर्व बैंक अथवा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित ऐसा घोषणा-पत्र हो कि वह, नामांकन स्वीकार करता है और चुनाव में खड़े होने के लिए तैयार है और उसे, या तो अधिनियम के अंतर्गत या योजना या इन विनियमों के अंतर्गत निर्देशक बनने के लिए अनर्ह घोषित नहीं किया गया है.
- (ii) नामांकन तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक उसे, हर तरह से संपूर्ण सभी संबद्ध दस्तावेजों के साथ प्राप्त न किया गया हो और बैंक के लिए निश्चित तारीख से कम से कम चौदह दिन पहले किसी कार्य दिवस विजया बैंक के प्रधान कार्यालय में प्राप्त न किया गया हो.

66. नामांकनों की संवीक्षा

- (i) नामांकन की प्राप्ति के लिए निश्चित तारीख के बाद पहले कार्य दिवस, नामांकनों की संवीक्षा की जाएगी और अगर कोई नामांकन विधिमान्य न पाया जाए तो, उसके कारण अभिलिखित करते हुए उसे नामंजूर किया जाएगा. अगर चुनाव के जरिए भरी जानेवाली किसी निर्दिष्ट रिक्ति के लिए एक ही विधिमान्य नामांकन मिला हो तो, इस तरह से नामांकित अभ्यर्थी को तत्काल निर्वाचित मान लिया जाएगा और उसके चुनाव के बारे में उसका नाम और पता प्रकाशित किया जाएगा. ऐसी अवस्था में, इस प्रयोजन के लिए बुलाई गई बैठक में कोई चुनाव नहीं होगा और अगर उक्त चुनाव कराने के उद्देश्य से ही बैठक बुलाई गई हो तो, उसे रद्द किया जाएगा.

- (ii) अगर चुनाव हो और विधिमान्य नामांकन, चुने जानेवाले निर्देशकों की संख्या से अधिक हो तो, मतदान में बहुमत प्राप्त करनेवाले अभ्यर्थी को निर्वाचित माना जाएगा.
- (iii) मौजूदा रिक्ति की पूर्ति करने के लिए चुने गये निर्देशक के बारे में यह मान लिया जाएगा कि उसने, निर्वाचित किये गए दिनांक अथवा निर्वाचित मान लिये गये दिनांक के अगले दिन से पद ग्रहण किया है.

67. चुनाव संबंधी विवाद

- (i) अगर निर्वाचित माने जानेवाले अथवा घोषित किए जानेवाले व्यक्ति की अर्हता अथवा अनर्हता के बारे में अथवा निर्देशक के चुनाव की विधिमान्यता के बारे में कोई संदेह अथवा विवाद उत्पन्न हो तो, हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, जो अभ्यर्थी अथवा ऐसे चुनाव में मतदान का हकदार, शेयरधारक हो, ऐसे चुनाव के परिणाम की घोषणा की गई तारीख से सात दिनों के अंदर, विजया बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निर्देशक को लिखित रूप में उसकी सूचना दे सकता है और उक्त सूचना में उन आधारों के संपूर्ण ब्यौरे देने होंगे जिनके बलबूते पर उसने चुनाव की विधिमान्यता पर संदेह प्रकट किया हो अथवा विवाद करना चाहा हो.
- (ii) उप-विनियम (i) के अंतर्गत सूचना मिलने के बाद, अध्यक्ष व प्रबंध निर्देशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में विजया बैंक के कार्यपालक निर्देशक द्वारा तत्काल ऐसे संदेह अथवा विवाद, अध्यक्ष व प्रबंध निर्देशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक और अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के खंड (बी) और (सी) के अंतर्गत नामित कोई दो निर्देशक सहित एक समिति के समक्ष निर्णय के लिए निर्दिष्ट किया जाएगा
- (iii) उप-विनियम (ii) में निर्दिष्ट समिति द्वारा ऐसी पूछताछ की जाएगी जो वह आवश्यक समझे और अगर उसे यह पता चले कि चुनाव, एक विधिमान्य चुनाव रहा, तो वह चुनाव के घोषित परिणाम की पुष्टि करेगी अथवा उसे यह पता चले कि चुनाव, एक विधिमान्य चुनाव न रहा तो, पूछताछ प्रारंभ की गई तारीख से 30 दिनों के अंदर, नए चुनाव कराने सहित ऐसे आदेश और ऐसे निर्देश देगी जो समिति को उन परिस्थितियों में न्यायोचित प्रतीत हो.
- (iv) इस विनियम का अनुसरण करते हुए ऐसी समिति का आदेश और निर्देश निर्णायक होगा.

अध्याय VI

शेयरधारकों के मताधिकार

68. मताधिकार का निर्धारण

- (i) अधिनियम की धारा 3(2ई) में दिए गए प्रावधानों के अधीन, साधारण बैठक की तारीख से पहले रजिस्टर की सनापति तारीख को शेयरधारक के रूप में पंजीकृत प्रत्येक शेयरधारक के पास, ऐसी बैठक में हाथ दिखाकर मतदान करने के लिए एक वोट होगा और मतदान के मामले में, उनके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक-एक वोट होगा.
- (ii) अधिनियम की धारा 3(2ई) में दिए गए प्रावधानों के अधीन, ऊपर बताए गए अनुसार मताधिकार चलाने के लिए हकदार ऐसे हर एक शेयरधारक के पास, जो कंपनी न हो, व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रॉक्सी द्वारा मौजूद होने पर अथवा जो कंपनी हो, उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अथवा प्रॉक्सी द्वारा उपस्थित होने पर, हाथ दिखाकर मतदान करने के लिए एक वोट होगा और मतदान के मामले में, उप-विनियम (i) में यहां ऊपर बताए गए अनुसार उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक-एक वोट होगा.

स्पष्टीकरण - इस अध्याय में "कंपनी" से अभिप्राय है कोई कंपनी निकाय.

- (iii) साधारण बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए हकदार बैंक के शेयरधारकों को हक होगा कि वे, अपने स्थान पर भाग लेने और मतदान करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति (चाहे शेयरधारक हो या नहीं) को नियुक्त करें, परंतु इस तरह से नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का हक नहीं होगा.

69. विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान

- (i) ऐसा शेयरधारक, जो केंद्र सरकार अथवा कंपनी हो, संक्षेप द्वारा, जो भी हो, अपने किसी अधिकारी को अथवा किसी दूसरे व्यक्ति को, शेयरधारकों की किसी साधारण बैठक में उसके प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है और इस तरह से प्राधिकृत व्यक्ति (जिसे इन विनियमों में "विधिवत् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति" कहा गया है), को केंद्र सरकार अथवा उस कंपनी की तरफ से जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है, उन्हीं अधिकारों का उसी तरह से प्रयोग करने का हक होगा मानो वह विजया बैंक का एकल शेयरधारक हो. इस तरह का प्राधिकार, वैकल्पिक रूप से दो व्यक्तियों के पक्ष में दिया जा सकता है और ऐसे मामले में, इन में से कोई एक व्यक्ति, केंद्र सरकार/कंपनी के विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकता है.

- (ii) कोई व्यक्ति, कंपनी के विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में विजया बैंक के शेयरधारकों की बैठक में तब तक भाग नहीं ले सकेगा अथवा मतदान नहीं कर सकेगा जब तक विधिवत् रूप से प्रतिनिधि के रूप में उसे नियुक्त करते हुए संकल्प की, उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा जिसमें उसे पारित किया गया हो, सत्य प्रतिलिपि के रूप में यथा प्रमाणित प्रतिलिपि विजया बैंक के प्रधान कार्यालय में, बैठक के लिए निश्चित तारीख से चार दिन पहले जमा न की गई हो।

70. प्रॉक्सियां

- (i) प्रॉक्सी का कोई प्रपत्र तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक एकल शेयरधारक के मामले में, उस पर उसने अथवा लिखित रूप में विधिवत् रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी ने अपने हस्ताक्षर न किए हों अथवा संयुक्त धारकों के मामले में, रजिस्टर में पहले नामित शेयरधारक ने अथवा लिखित रूप में विधिवत् रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी ने अपने हस्ताक्षर न किए हों अथवा कंपनी निकाय के मामले में, उस पर, उसके अधिकारी ने अथवा लिखित रूप में विधिवत् रूप से प्राधिकृत उसके अटर्नी ने अपने हस्ताक्षर न किए हों।

परंतु यह कि प्रॉक्सी के प्रपत्र पर, अगर किसी कारण से कोई शेयरधारक अपना नाम लिखने में असमर्थ हो और उस पर उसका निशान लगाया गया हो तो, उस शेयरधारक द्वारा, पर्याप्त रूप से हस्ताक्षर करने होंगे और किसी न्यायाधीश, मैजिस्ट्रेट, आश्वासन संबंधी रजिस्ट्रार अथवा उप-रजिस्ट्रार अथवा अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा विजया बैंक के अधिकारी द्वारा प्रमाणीकरण करना होगा।

- (ii) कोई प्रॉक्सी तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक उस पर विधिवत् रूप से स्टांप न लगाया गया हो और उसे, विजया बैंक के प्रधान कार्यालय में, जिस मुख्तारनामे अथवा अन्य प्राधिकार (अगर कोई हो तो) के अधीन उस पर हस्ताक्षर किए गए हों उसके साथ अथवा नोटरी पब्लिक अथवा मैजिस्ट्रेट द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित मुख्तारनामे अथवा अन्य प्राधिकार की प्रतिलिपि के साथ बैठक के लिए निश्चित तारीख से चार दिन पहले जमा न की गई हो बशर्ते कि मुख्तारनामा अथवा अन्य प्राधिकार इससे पहले विजया बैंक में जमा और पंजीकृत न किया गया हो।
- (iii) प्रॉक्सी का कोई प्रपत्र तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक यह फार्म "बी" में न हो।

विजया बैंक

फार्म ए

शेयर अंतरण फार्म

(विनियम 17 का उप-विनियम (i) देखें)

नीचे उल्लिखित **प्रतिफल के लिए**, " **अंतरणकर्ता** " एतद्वारा " **अंतरिती/अंतरितियों** " के नाम, उन शर्तों पर जिनके अधीन अंतरणकर्ता(ओं) ने अब उक्त शेयर धारित किए हैं, नीचे निर्दिष्ट शेयरों का अंतरण करता है/करते हैं और अंतरिती, एतद्वारा, उक्त शर्तों पर ऊपर उल्लिखित शेयर स्वीकार और धारित करने के लिए सहमत है/हैं।

कंपनी का पूरा नाम:

अगर कोई अवहार किया गया हो तो उस

मान्यता प्राप्त शेयर बाजार का नाम :

हस्ताक्षर शेयरों का स्थान

अंकों में संख्या	शब्दों में संख्या	प्रतिफल(अंकों में)	प्रतिफल(शब्दों में)
सुभिन्न संख्याएं	से		
	तक		

तदनुरूपी प्रमाणपत्र संख्याएं.

अंतरणकर्ता(ओं) {विक्रेताओं} पंजीकृत बड़ी पत्रा सं. हस्ताक्षर
के ब्यौरे

पूरे नाम

1.-----	2.-----
2.-----	3.-----
3.-----	4.-----
4.-----	5.-----

प्रमाणीकरण

मैं, एतद्द्वारा इसमें उल्लिखित अंतरणकर्ता(ओं) के हस्ताक्षर का प्रमाणीकरण करता हूँ।

हस्ताक्षर

नाम :

पता/मुहर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी का नाम व पता

पिन

अंतरणकर्ता(ओं) का/के पूरे नाम

(खरीदार/रों के ख़ाते)

हस्ताक्षर

1. _____

1. _____

2. _____

2. _____

3. _____

3. _____

व्यवसाय

पता

पिता/पति का नाम

1.

2.

3.

नाम के क्रमानुसार ही अंतरणकर्ता(ओं)
का मीजूदा बही पन्ना संख्या, अगर
कोई हो तो

लगाए गए स्टॉप का मूल्य रु.

आज की तारीख ----- एक हजार नी सी-----
स्थान-----

कार्यालय के उपयोगार्थ

जांचकर्ता -----
हस्ताक्षर के मिलानकर्ता-----
अंतरण रजिस्टर प्रविष्ट सं.-----
अनुमोदन दिनांक-----

प्रति रखा संख्या

कंपनी की कुल संख्या

अंतरिती(यों) के

1. _____

नमूना हस्ताक्षर

2. _____

प्रमाणीकरण के लिए अनुदेश

जहां अपेक्षित हो, वहां प्रमाणीकरण (अंगूठे का निशान, चिह्न, हस्ताक्षर में अंतर आदि), मैजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक अथवा विशिष्ट कार्यपालक मैजिस्ट्रेट अथवा किसी सरकारी कार्यालय में इसी प्रकार का पद संभालनेवाले और अपने कार्यालय की मुहर का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी अथवा जिस मान्यता प्राप्त शेयर बाजार के जरिए शेयर प्रवर्तित किए गए हो, उसके सदस्य अथवा अंतरणकर्ता के बैंक के प्रबंधक द्वारा किया जाए।

नोट: नामों की रबड़ मुहर, अधिमानतः सीधी रेखा में अवश्य लगाई जानी चाहिए। तैयिक क्रम बनाए रखा जाए। अगर सुपुर्दगी, समाशोधन सदस्य बैंक द्वारा की गई हो तो दलाल की समाशोधन संख्या का उल्लेख किया जाए।

सुपुर्द करनेवाले दलाल
अथवा समाशोधन
सदस्य का नाम

दिनांक

मुख्यालय/पोस्ट/मृत्यु प्रमाणपत्र

प्रशासन पत्र

कंपनी के साथ पंजीकृत
सं.

दिनांक :

{ दलाल, बैंक, कंपनी अथवा शेयर बाजार, समाशोधन गृह के
हस्ताक्षर (न कि आद्यक्षर) }

प्रस्तुतकर्ता :

पूरा पता :

शेयर प्रमाणपत्र इनका लौटाया जाए

(वह नाम और पता भरें, जहाँ प्रमाणपत्र लौटाने हो)

नाम और पता :

शेयर अंतरण स्टाम्प

विजया बैंक

फार्म बी

(विनियम 70 का उप-विनियम (iii) देखें)

बही पत्रा सं.
(शायरधारक द्वारा भरना होगा)

मैं/हम, निवास -----

राज्य ----- जिला -----, विजया बैंक के शायरधारक के

नाते, एतद्द्वारा श्री ----- निवास -----

----- राज्य -----

ज़िला ----- को अथवा इनके न होने पर श्री -----

निवास ----- राज्य -----

----- जिला ----- को, जो दिनांक ----- 19-----

को और किसी स्थगित दिनांक को होनेवाली विजया बैंक के शायरधारकों की बैठक में मेरे/हमारे लिए और मेरी/हमारी ओर से मतदान करने के लिए मेरे/हमारे प्राप्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ/करते हैं.

आज के दिन ----- 19-----

को हस्ताक्षर किए गए.

नाम : -----

पता : -----

राजस्व
स्टॉप

भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई

यूटी/डीबीडीएम/आर- 214 /एसपीडी-114/99-2000

नवंबर, 1999

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाए गए यूटीआई-जी-सेक के पेशकश वस्तावेज, जिसे दिनांक 11.05.1999 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एस घटजी

एस घटजी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन



**भारतीय यूनिट ट्रस्ट
यूटीआई जी-सेक फंड
पेशकश (ऑफर) दस्तावेज**

आरंभिक पेशकश 23 अगस्त से 04 सितंबर, 1999 तक खुली है।
योजना 05 अक्तूबर, 1999 से बिक्री एवं पुनर्खरीद के लिए फिर से खुलेगी।

यूटीआई जी-सेक फंड भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा बनाया गया है। यह पेशकश दस्तावेज योजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करता है जो भावी निवेशक निवेश करने से पहले जानना चाहेंगे। पेशकश दस्तावेज भविष्य के संदर्भ हेतु रख लिया जाना चाहिए।

योजना के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 यथा संशोधित, के अनुसार तैयार किए गए हैं एवं सेबी में जमा कराए गए हैं। जन साधारण के अभिधान हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अननुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पेशकश दस्तावेज की शुद्धता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित किया है।

योजना के उद्देश्य

कॉल मनी, खजाना बिल, विभिन्न अवधियों में परिपक्व होने वाले रिपोस आदि सहित केन्द्रीय एवं राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में निवेश के जरिए पूंजी वृद्धि के रूप में जोखिम मुक्त आय उत्पन्न करना है।

विशिष्टताएं

- एक सतत खुला गिल्ट फंड जो केन्द्रीय व राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में निवेश हेतु पूरी तरह समर्पित है तथा जीरो क्रेडिट रिस्क पेश करता है। हालांकि, यह आरबीआई की परिभाषा के अनुसार मुद्रा बाजार निधि योजना नहीं है।
- योजना के दो विकल्प हैं : 1. आय विकल्प, जिसमें निवेशक कर-मुक्त आय प्राप्त करेंगे एवं 2. वृद्धि विकल्प, जिसमें उत्पादित आय योजना में वापस निवेश कर दी जाएगी एवं वृद्धि के रूप में एनएवी में दिखाई देगी। आय विकल्प के अंतर्गत एनएवी पर आय के पुनर्निवेश एवं वृद्धि विकल्प के अंतर्गत रोलओवर की सुविधा।
- एक यूनिट का अंकित मूल्य रु.100/- है और प्रारंभिक पेशकश अवधि के दौरान यूनिट की बिक्री सम-मूल्य पर की जाएगी। प्रारंभिक पेशकश अवधि के बाद बिक्री तथा पुनर्खरीद शुद्ध आस्ति मूल्य पर होगी। दोनों विकल्पों के अंतर्गत भावी आधार पर एनएवी दशमलव के बाद चार स्थानों तक प्रतिदिन घोषित किया जाएगा।
- न्यूनतम निवेश रु. 10,000/-। निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।
- रु.10,000 या उससे अधिक का प्रारंभिक निवेश करने के बाद रु.1000/- के न्यूनतम मासिक निवेश या उससे अधिक के साथ आवधिक निवेश प्लान (पीआईपी)।
- रोलओवर सुविधा अर्थात् निवेशक की इच्छा अनुसार सभी बकाया यूनिटधारिता या उसके भाग की पुनर्खरीद किसी भी दिन और सम्पूर्ण आय या उसके किसी भाग का निवेश या मूल का निवेश अगले कार्य दिवस को।
- ट्रस्ट योजना के संबंध में होने वाले व्यय में अति सक्षमता बनाए रखना चाहता है। आरंभिक निर्गम व्ययों को 5 वर्षों में परिशोधित किया जाएगा। डीआरएफ में अंशदान एवं स्टाफ वेलफेयर फंड सहित सभी आवर्ती व्यय योजना में प्रभारित किए जाएंगे जो औसत दैनिक एनएवी के 1% की सीमा के अधीन रहेंगे। 1% से अधिक का कोई व्यय ट्रस्ट के डीआरएफ द्वारा वहन किया जाएगा।
- आयकर अधिनियम की धारा 10 (33) के अंतर्गत निवेशकों के सभी वर्गों को योजना के अंतर्गत प्राप्त आय कर मुक्त होगी। योजना में किए गए निवेश के संबंध में ट्रस्ट द्वारा स्रोत पर कर की कटौती नहीं की जाएगी चाहे निवेशक को प्राप्त होने वाली आय कितनी भी क्यों न हो।

- पूंजी वृद्धि से होने वाले पूंजीगत अधिलाभ पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 48 और 112 के अन्तर्गत कर लाभ।
- पात्र निवेश, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईए और 54ईबी के अन्तर्गत पूंजीगत अधिलाभ कर छूट के योग्य होगा, बशर्ते आवेदन की स्वीकृति तिथि से अवरुद्ध अवधि क्रमशः तीन/सात वर्ष हो।
- योजना में किए गए निवेश का मूल्य धनकर की उगाही से पूर्णतया मुक्त है।
- समर्पित गिल्ट फंड योजना के अंतर्गत यूटीआई जी-सेक फंड भारतीय रिजर्व बैंक से नकदी की सहायता के लिए पात्र है। यूटीआई जी-सेक फंड आरबीआई के साथ पृथक् रूप से एसजीएल एवं चालू खाता खोलने का भी पात्र होगा।

II. नियत तत्परता प्रमाणपत्र

यूटीआई जी-सेक फंड हेतु सेबी को प्रस्तुत किया गया नियत तत्परता प्रमाणपत्र

इस बात की पुष्टि की जाती है कि :

- I. पेशकश दस्तावेज का मसौदा भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 एवं समय-समय पर सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देशों एवं निर्देशों के अनुसार है ;
- II. इस योजना के प्रारंभ किए जाने से संबंधित सभी विधिक आवश्यकताएं एवं साथ ही इस संबंध में सरकार या अन्य किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश, अनुदेश आदि का विधिवत् अनुपालन किया गया है।
- III. पेशकश दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरण सत्य, उचित एवं प्रस्तावित योजना में निवेश के लिए निवेशकों को सोच समझकर निर्णय लेने में सहायता देने के लिए पर्याप्त है ;
- IV. पेशकश दस्तावेज में उल्लिखित सभी बिंदुओं सेबी के साथ पंजीकृत हैं और आज की तिथि के अनुसार ऐसा पंजीकरण वैध है।

दिनांक : 11.06.99

स्थान : मुंबई

हस्ताक्षर

ह/-

नाम: बी एस पंडित
अनुपालन अधिकारी

मुहर के साथ

III. परिभाषाएं

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो -

- (क) "स्वीकृति तिथि" का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संदर्भ में वह तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है।
- (ख) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963; (1963 का 52) से है।
- (ग) "आवेदक" का अर्थ योजना में भाग लेने के योग्य व्यक्ति से है और जो नाबालिग न हो।
- (घ) "पात्र संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 में यथापरिभाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।
- (ङ.) "फर्म", "भागीदार" और "भागीदारी" के अर्थ भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में दिए गए अर्थ हैं, परंतु अभिव्यक्ति भागीदार में कोई ऐसा व्यक्ति भी सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिग हो और जिसे भागीदारी के लाभ प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया हो।
- (च) "गिल्ड्स/सरकारी प्रतिभूतियाँ" का अर्थ केंद्रीय सरकार और/या राज्य सरकारों द्वारा जारी एवं सृजित की गई प्रतिभूतियाँ हैं।
- (छ) "आरंभिक पेशकश अवधि" 23 अगस्त, 1999 से 04 सितंबर, 1999 होगी जिसके दौरान यूनिट सम-मूल्य पर बेची जाएंगी।
- (ज) योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में "सदस्य" के रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ और इसमें शामिल उस आवेदक से है, जिसे इस योजना में यूनिट आवंटित किए गए हों।
- (झ) "अनिवासी भारतीय (एनआरआई)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रियता/मूल के अनिवासियों से है। जैसा कि मूलतः अधिनियमित भारत सरकार अधिनियम, 1935 में परिभाषित है, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" माना जाएगा यदि वह या उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, पिछली किसी भी पीढ़ी का क्यों न हो, चाहे पितृपक्ष या मातृपक्ष से हो, भारत में जन्मा हो/जन्मी हो।
- (ञ) "जारी समझे जानेवाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ बेचे गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ट) "विदेशी निगमित निकाय" (ओसीबी) के अंतर्गत विदेशी कंपनियाँ, भागीदारी फर्म, समितियाँ और अन्य निगमित निकाय, जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के बाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रियता अथवा मूल के व्यक्तियों का हो तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60% लाभप्रद हित अप्रतिसंहरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों द्वारा धारित हो, शामिल हैं।
- (ठ) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।
- (ड) "आरबीआई" का अर्थ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत निर्मित भारतीय रिजर्व बैंक है।

- (ढ) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी सेवाएं ट्रस्ट द्वारा योजना के अंतर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें।
- (ण) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 है।
- (त) "रेपो" का अर्थ सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और उसी के साथ एक करार के तहत बाद की तारीख में उनकी पुनर्खरीद है और इसमें विपरीत रेपो भी शामिल है।
- (थ) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अंतर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।
- (द) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति है।
- (ध) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में सौ रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है।
- (न) "यूनिट पूंजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनिट योजना के अंतर्गत निर्गत और शेष यूनिटों के अंकित मूल्य के योग से है।
- (प) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है।
- (फ) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में दिये गये हैं।
- (ब) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन शामिल हैं और सभी पुल्लिंग संदर्भों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विपर्यय शामिल हैं।

IV जोखिम के तत्त्व

- म्यूचुअल फंड एवं प्रतिभूतियों में निवेशों पर बाजार का जोखिम होता है। इस बात का कोई आश्वासन या गारंटी नहीं दी जा सकती कि योजना के उद्देश्यों को प्राप्त कर ही लिया जाएगा।
- जैसे प्रतिभूतियों में किए गए किसी भी निवेश में होता है योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों का एनएवी पूंजी बाजार को प्रभावित करने वाली शक्तियों एवं कारकों पर निर्भर करते हुए ऊपर या नीचे जा सकता है।
- पूर्व योजनाओं/प्लानों का कार्यानिष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक नहीं है।
- यूटीआई जी-सेक फंड केवल योजना का नाम है और यह किसी भी प्रकार से योजना की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है।

- डेरीवेटिक्ज : ब्याज दर की जोखिम से सुरक्षा की दृष्टि से डेरीवेटिक्ज उत्पादों जैसे ब्याज दर स्वीप्स, फ्लोर, कैप, कॉलर्स आदि जब यह भारतीय बाजार में पेश किए जाएंगे/अनुमति होगी तबसे, निधि इनका प्रयोग करेगी।

ऑप्शन्स एवं फ्यूचर्स जैसी डेरीवेटिक्ज प्रतिभूतियों में लेन-देन करना एक अत्यंत विशेषीकृत कार्य है एवं इसमें सामान्य निवेश के जोखिमों से कहीं अधिक जोखिम होता है। हालांकि निधि डेरीवेटिक्ज में लेन-देन केवल पोर्टफोलियो के बचाव के उद्देश्य से ही करेगी, लेकिन इस खंड में समग्र बाजार अन्य प्रतिभागियों के कारण बहुत ही अनिश्चित हो सकता है। डेरीवेटिक्ज में लेन-देन की सफलता निधि प्रबंधक के बाजार की भावी प्रवृत्ति का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता पर निर्भर करती है और यदि निधि प्रबंधक अपने पूर्वानुमान में गलत होता है तो निधि का कार्यनिष्पादन, इस निवेश रणनीति के प्रयोग किए बिना होने वाले कार्यनिष्पादन की तुलना में कम होगा।

योजना संबंधी विशिष्ट जोखिम :

- शून्य क्रेडिट जोखिम : कार्पोरेट इकाइयों द्वारा जारी किए गए बॉण्ड/डिबेंचर और अन्य मुद्रा बाजार लिखतों में दर्जा निर्धारण एजेंसियों द्वारा दर्जा घटाने एवं चूककर्ता जैसी खराब स्थिति का जोखिम होता है। केंद्रीय/राज्य सरकारों द्वारा जारी प्रतिभूतियों में ऐसे जोखिम की संभाव्यता शून्य से भी कम होती है। ब्याज एवं मूल राशि के भुगतान की स्थिति सर्वोत्तम और चूक की कोई संभावना नहीं होती है।

ब्याज - दर जोखिम : सरकारी प्रतिभूतियों में, जो कि नियत आय वाली प्रतिभूतियां हैं, अन्य नियत आय वाली प्रतिभूतियों के समान मूल्य-जोखिम होता है। सामान्यतः जब ब्याज दर में वृद्धि होती है, नियत आय वाली प्रतिभूतियों के मूल्य में कमी आती है और जब ब्याज दरें घट जाती हैं, मूल्य में वृद्धि होती है। ब्याज दर के स्तर का निर्धारण उस दर पर किया जाता है जिस पर सरकार आरबीआई के जरिए नई मुद्रा अर्जित करती है और जिस मूल्य स्तर पर बाजार में वर्तमान प्रतिभूतियों का सौदा हो रहा होता है। मूल्यों में उतार व चढ़ाव की सीमा वर्तमान कूपन दर, परिपक्वता हेतु बाकी बचे दिनों एवं ब्याज दर के स्तर में घट-बढ़ से तय होती है। सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य वित्तीय प्रणाली में तरलता एवं/या आरबीआई द्वारा खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) से भी प्रभावित होते हैं। रुपए के विनिमय दर पर दबाव भी प्रतिभूति मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। निधि के पोर्टफोलियो में सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य में ऐसी घट-बढ़ निधि के दोनों विकल्पों के अंतर्गत, जब कभी ऐसा परिवर्तन होता है, एनएवी को प्रभावित कर सकती है।

तरलता जोखिम : भारत सरकार की प्रतिभूतियों का बाजार इस प्रकार का है कि किसी खास दिन कुल सौदों की मात्रा का अधिकांश प्रतिशत कुछ एक प्रतिभूतियों तक ही सीमित हो सकता है। किन्हीं खास प्रतिभूतियों में दैनिक आधार पर किए गए सौदों की मात्रा में भिन्नता हो सकती है। परिणामस्वरूप, निधि को किसी खास प्रतिभूति में बहुत अधिक मात्रा में सौदा करने पर 'लागत प्रभाव' (इम्पैक्ट कॉस्ट) बहुत ज्यादा हो सकता है।

गिल्ट फंड की आकर्षकता : कार्पोरेट ऋण एवं गिल्ट द्वारा दिए गए प्रतिलाभ के बीच अंतर हाल ही में कम हुआ है। जोखिम प्रतिलाभ के विनिमय को देखते हुए गिल्ट्स एक आकर्षक निवेश के रूप में उभरी हैं। भविष्य निधियों, न्यासों एवं समितियों जैसी बहुत सी संस्थाओं को अपनी निधि के एक भाग, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना आवश्यक है एवं वे प्रतिलाभ से सामान्यतः सुरक्षा एवं तरलता को प्राथमिकता देती हैं। इन संस्थाओं को गिल्ट खंड में सरकारी प्रतिभूतियां प्राप्त करने में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि न्यूनतम सौदे की मात्रा सामान्यतः रु. 5 करोड़ होती है। उन्हें उचित मूल्य भी प्राप्त नहीं हो सकता है, साथ ही उन्हें बेचने में भी परेशानी होगी। इन संस्थाओं को सामान्यतः प्रतिभूतियां खोजनी पड़ती हैं या उन्हें तब तक इंतजार करना पड़ता है जब तक वे अपनी आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित निवेश न प्राप्त कर लें। गिल्ट फंड अधिक पेशेवर तरीके से प्रबंधित होते हैं। अतः सतत खुला गिल्ट फंडों का जो दैनिक रूप से एनएवी आधारित हो, प्रभावशाली ढंग से भविष्य निधि की राशि का निवेश करने हेतु प्रयोग किया जा सकता है। गिल्ट फंड से अपेक्षित है कि वह सरकारी प्रतिभूतियों में सक्रिय लेन-देन द्वारा उच्च

प्रतिलाभ अर्जित करेगा, जबकि निष्क्रय खरीद एवं धारण रीति से सरकारी प्रतिभूति की दर के बराबर प्रतिलाभ प्राप्त होता है। अतः समर्पित जी-सेक फंड के जरिए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना एक बेहतर विकल्प है।

V. यूनितें एवं पेशकश

1. यह योजना यूटीआई जी-सेक फंड कही जाएगी।
2. यह योजना एक सतत खुली समर्पित गिल्ट निधि होगी।
3. यूनितें आरंभ में 23 अगस्त, 1999 से 4 सितंबर, 1999 तक 13 दिनों के लिए रु. 100/- प्रति यूनिट के सम-मूल्य पर बेची जाएंगी। ट्रस्ट, प्रारंभिक पेशकश अवधि बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है, लेकिन प्रारंभिक पेशकश अवधि 45 दिनों से अधिक दिन बिक्री हेतु खुली नहीं रहेगी। परन्तु, यूनिट ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने पर, स्टॉक एक्सचेंजों में व्यवसाय बाधित होने पर या अन्य सामाजिक-आर्थिक कारणों से अखबारों में 3 दिनों का नोटिस देने के बाद या ऐसी पद्धति से जैसा ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाए, योजना के अंतर्गत यूनितों की बिक्री स्थगित कर सकते हैं।
4. इस योजना के अंतर्गत जारी किए गए प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य सौ रुपए होगा।
5. यूनितों के लिए आवेदन :

यूनितों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों द्वारा भी किये जा सकते हैं।

I) निवासी

- (i) गैर-सरकारी भविष्य निधियां, अधिवर्षिता निधियां एवं ग्रैच्यूटी निधियां और अन्य भविष्य निधियां, पेंशन निधियां, अधिवर्षिता निधियां एवं ग्रैच्यूटी निधियां, जब भी इन्हें निवेश करने की अनुमति होगी।
- (ii) योजना में यथापरिभाषित पात्र संस्था, जिसमें अप्रतिसंहरणीय और लिखित रूप में लिखत द्वारा सृजित निजी न्यास शामिल है।
- (iii) समिति जैसा योजना के अंतर्गत परिभाषित है, इसमें पंजीकृत सहकारी समिति भी शामिल है।
- (iv) सेना/नौसेना/वायु सेना/अर्धसैनिक निधियां।
- (v) कंपनी अधिनियम 1956 के अर्थ के अन्तर्गत कंपनी सहित अन्य निगमित निकाय।
- (vi) बैंक (सहकारी बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सहित)।
- (vii) वित्तीय संस्थाएं एवं गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां।
- (viii) सेबी में पंजीकृत म्यूचुअल फंड।

- (ix) व्यक्ति एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त आधार पर। संयुक्त आवेदन के मामले में ट्रस्ट सिर्फ पहले नाम वाले व्यक्ति को ही सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए सदस्य के रूप में मान्यता देगा।
- (x) नाबालिग निवासी की ओर से माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य विधिक अभिभावक। बालिग और नाबालिग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकते हैं।
- (xi) हिन्दू अविभक्त परिवार।
- (xii) भागीदारी फर्म*।
- (xiii) विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान संस्थाएं।

II) अनिवासी पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय आधार पर :

- (i) अनिवासी वयस्क व्यक्ति या तो एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त।
- (ii) नाबालिग अनिवासी की ओर से पिता/माता/सौतेले माता-पिता/विधिक अभिभावक।
- (iii) अनिवासी हिंदू अविभक्त परिवार।
- (iv) अनिवासी कंपनी/विदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वामित्व कम से कम 60% तक हो।

III) विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई), जो सेबी में पंजीकृत हों।

IV) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षी एजेंसियां।

* भागीदारी फर्म द्वारा आवेदन, फर्म के अधिकतम तीन सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिए तथा ट्रस्ट सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए प्रथम नामित सदस्य को ही सदस्य के रूप में मान्यता देगा।

6. न्यूनतम निवेश राशि

आवेदन न्यूनतम रु.10,000/- के लिए किए जाएंगे। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। यदि निवेश रु.100/- के गुणकों में न हो तो यूनितों का आबंटन भिन्नांक में दशमलव के बाद तीन अंकों तक किया जाएगा। एक फोलियो में बाद का निवेश रु.1,000/- का होगा। निवेशक को सलाह दी जाती है कि यदि उसका आयकर पीएन/जीआईआर संख्या है तो वह उसे तथा संबंधित आयकर सर्किल के पते का उल्लेख करे।

7. आवाधिक निवेश प्लान (पीआईपी)

निवेशक जो रु.10,000/- या उससे अधिक की राशि का एक मुश्त आरंभिक निवेश करने के बाद मासिक आधार पर एक नियत राशि (न्यूनतम रु.1000/-) का निवेश करना चाहते हैं, इस प्लान का लाभ उठा सकते हैं। निम्नलिखित उदाहरण के माध्यम से पीआईपी को समझाया गया है :

निवेश तिथि	निवेशित राशि (रु.)	बिक्री मूल्य (रु.)	आबंटित यूनिटों की संख्या
3 जनवरी	10,000	100.8000	99.206
3 फरवरी	10,000	101.6000	98.425
3 मार्च	10,000	102.4000	97.656
3 अप्रैल	10,000	102.0000	98.039
3 मई	10,000	102.8000	97.276

यथा 03 मई निवेशक के लिए औसत बिक्री मूल्य रु.101.9156 है।

8. निर्गम की लक्ष्य राशि :

योजना के अंतर्गत आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान रु.1 करोड़ संग्रह करने का लक्ष्य है।

यदि अभियान की राशि रु.1 करोड़ से कम होती है तो आरंभिक पेशकश के बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर ट्रस्ट योजना के अंतर्गत संग्रहीत समग्र राशि खाते में देय चेक/वापसी आवेदों के जरिए वापस कर देगा।

राशि को उपरोक्त समय-सीमा के अंतर्गत वापस न कर पाने की स्थिति में ट्रस्ट आरंभिक पेशकश अवधि की समाप्ति के 43वें दिन से वापसी आवेदों की वास्तविक तारीख तक आवेदकों को 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज प्रदान करेगा।

9. लेखा विवरणी

ट्रस्ट सदस्यों को निवेश की पावती देने हेतु उसको एक लेखा विवरणी जारी करेगा। ट्रस्ट सदस्यों को ऐसी लेखा विवरणी प्रारंभिक पेशकश अवधि खत्म होने की तारीख से 15 कार्यदिवसों के भीतर या प्रारंभिक पेशकश बंद होने के बाद योजना के बिक्री के लिए दुबारा खुलने पर आवेदन प्राप्त होने की तिथि से 15 कार्यदिवसों के भीतर भेजेगा।

अनिवासी भारतीय लेखा विवरणी प्रेषण के लिए निम्नलिखित में से कोई एक विधि चुन सकते हैं :

(i) आवेदक के भारत स्थित/विदेश स्थित पते पर।

या

(ii) आवेदक के भारत स्थित संबंधी के पते पर।

हर बार अतिरिक्त खरीद अथवा पुनर्खरीद करने पर प्रत्येक सदस्य को एक अद्यतन लेखा विवरणी मिलेगी।

लेखा विवरणी के खराब, क्षतिग्रस्त होने, खो जाने आदि की स्थिति में :

ऐसी स्थितियों में एक सामान्य आवेदन के आधार पर लेखा विवरणी जारी कर दी जाएगी।

10. यूनिटों का अंतरण/गिरवीकरण/समनुदेशन :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिट अंतरण/गिरवी रखने/समनुदेशन योग्य नहीं हैं।

11. योजना की समाप्ति :

i) योजना की अवधि असीमित है। हालांकि ट्रस्ट, निम्नलिखित परिस्थितियों में इसे समाप्त कर सकता है और इसके समापन हेतु आवश्यक कदम उठा सकता है :

(क) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना की समाप्ति आवश्यक हो, या

(ख) 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करें, या

(ग) सदस्यों के हित में सेबी ऐसा करने के लिए निर्देश दे।

(ii) जहां उपर्युक्त उप खण्ड (i) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है, तो ट्रस्ट को योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेबी को और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होनेवाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और मुंबई के एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देनी होगी।

(iii) योजना की समाप्ति संबंधी विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से ट्रस्ट -

(क) योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक कार्यकलाप नहीं करेगा।

(ख) योजना के अंतर्गत यूनिटों को उत्पन्न और रद्द करना बंद करेगा।

(ग) योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान बंद करेगा।

(iv) न्यासी मंडल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक संकल्प पारित किया जाएगा और मतदान द्वारा न्यासियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

(v) (क) न्यासी मंडल या उप खंड (iv) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना की आस्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।

(ख) ऊपर दिए गए खण्ड (v)(क) के अनुसार की गई बिक्री की राशि को पहले दृष्टान्त में, योजना के अंतर्गत ऐसी देयताओं के उन्मोचन के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप से देय हों और ऐसी समाप्ति से संबंधित व्ययों को चुकाने के लिए उचित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें शेष राशि का भुगतान किया जाएगा।

- (VI) समाप्ति पूरी होने पर, ट्रस्ट सेबी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियाँ, जिनके कारण योजना समाप्त हुई, समाप्ति से पूर्व आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, समाप्ति के लिए किया गया व्यय, सदस्यों को वितरण के लिए उपलब्ध शुद्ध आस्तियों के विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाणपत्र भेजेगा।
- (vii) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूद, जब तक योजना समाप्त न हो जाए या समापन की कार्यवाही पूरी न हो जाए, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के प्रावधान, अर्धवार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।
- (viii) उपरोक्त खण्ड (vi) में संदर्भित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेबी संतुष्ट हो जाती है कि उस योजना को समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है तो योजना समाप्त हो जाएगी।
- (ix) ट्रस्ट प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी करने पर यथाशीघ्र प्रतिदान मूल्य का भुगतान करेगा।
- (X) अनिवासी निवेशकों के मामले में प्रतिदान राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर करते हुए निम्नानुसार विप्रेषित की जाएगी :

क. जब यूनिटों की खरीद विदेश से विप्रेषित विदेशी मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशि से की गई हो अथवा सदस्य के भारत में स्थित अनिवासी (बाह्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो प्राप्तियाँ, सदस्य को विदेशी मुद्रा में विप्रेषित की जा सकती हैं या उसके अनिवासी (बाह्य) या अनिवासी (सामान्य)(एनआरओ) खाते में जमा कराई जा सकती हैं।

ख. जब यूनिटों की खरीद सदस्य के भारतीय निवासी रहते हुए की गई हो या अनिवासी (सामान्य) खाते में धारित निधियों से की गई हो तो परिपक्वता चेक भारत में निवेशक के बैंकर या रिश्तेदार को प्रेषित किया जाएगा, जिसे सदस्य के एनआरओ खाते में जमा किया जाएगा।

VI. व्यय

क). आरंभिक पेशकश व्यय

(i) योजना के अंतर्गत एकत्र निधि का प्रारंभिक निर्गम व्यय 6% से अधिक नहीं होगा। योजना के प्रारंभिक निर्गम खर्चों का अनुमान निम्नानुसार है :

व्यय	%
मुद्रण और डाक	0.10
प्रचार और मार्केटिंग	1.45
प्रोसेसिंग प्रभार	0.20
एजेंटों को कमीशन	0.25
योग	2.00

प्रारंभिक निर्गम व्यय 5 वर्षों में परिशोधित किए जाएंगे।

इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक रुपये में से कम से कम 98 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।
सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के अनुसार कुल आरंभिक निर्गम व्ययों के रूप में कुल व्यय एकत्र निधि की 6% की सीमा के भीतर होंगे।

(ii) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई योजनाओं का प्रारंभिक निर्गम व्यय इस प्रकार है :

योजना	व्यय (एकत्रित निधि का %)
यूजीएस 10000	4.02
यूटीआई बॉण्ड फंड	1.47
एमआईपी-98 (II)	1.65
यूटीआई-लघु निवेशक फंड	17.58
मास्टर वैल्यू यूनिट प्लान	5.20
मास्टर इंडेक्स फंड	3.25
एमआईपी-98 (III)	2.30
एमआईपी-98 (IV)	2.67
आईआईएसएफयूएस-98 (II)	0.04
एमआईपी-98 (V)	2.59

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई योजनाओं के संबंध में ट्रस्ट द्वारा वहन किए गए व्यय (डीआरएफ को प्रभारित)
इस प्रकार हैं :

योजना	व्यय (एकत्रित निधि का %)
यूटीआई-लघु निवेशक फंड	11.58

(ख) आवर्ती व्यय
आवर्ती आधार पर योजना का निम्नलिखित व्यय होगा। अनुमानित आवर्ती व्यय निम्नानुसार हैं :

व्यय	%
अभिरक्षण शुल्क	0.10
विकास प्रारक्षित निधि	0.25
कर्मचारी कल्याण निधि	0.10
मार्केटिंग एवं प्रचार	0.15
प्रशासनिक एवं प्रोसेसिंग प्रभार	0.20
एजेंटों को कमीशन	0.20
कुल	1.00

उपरोक्त व्यय अनुमानित हैं और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन हैं।

यदि योजना के वार्षिक आवर्ती व्यय दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य से 1% अधिक हो जाते हैं तो अधिक राशि ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा वहन की जाएगी।

ग) विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.25% प्र.व. ट्रस्ट के डीआरएफ में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। डीआरएफ अंशदान ऊपर बताए अनुसार आवर्ती व्यय का अंश होगा।

ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट के छवि निर्माण संबंधी ऐसे प्रयासों जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा मानव संसाधन विकास संबंधी प्रयासों जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो और जो ट्रस्ट के भविष्य के कार्यकलापों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किन्हीं भी योजनाओं में दिए गए आश्वासित प्रतिलाभ की दर में कमी होने पर, उनकी पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

घ) कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में रखा जाएगा और यह ऊपर बताए अनुसार आवर्ती व्यय का अंश होगा। ट्रस्ट ने कर्मचारी कल्याण न्यास की स्थापना अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सा सहायता, स्वास्थ्य सहायता अथवा इमी प्रकार के अन्य प्रयोजन शामिल हैं।

यूटीआई निवेश प्रबंधन और सलाहकार शुल्क नहीं लेता है, जैसा कि सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 में प्रावधान किया गया है। हालांकि, यूटीआई यह सुनिश्चित करेगा कि प्रारंभिक निर्गम व्यय और वार्षिक आवर्ती व्यय सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के विनियम 52 में विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर रहें।

VII. यूनिटों की बिक्री

यह योजना आरंभ में 23 अगस्त 1999 से 4 सितंबर 1999 (जिसमें दोनों दिन शामिल हैं) तक खुली रहेगी। आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान यूनिटों का विक्रय मूल्य सममूल्य (अर्थात् रु. 100/- प्रति यूनिट) पर होगी।

योजना के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट द्वारा बेचे जाने वाली यूनिटों का मूल्य जिसे इसके बाद 'बिक्री मूल्य' कहा जाएगा। योजना प्रारंभिक पेशकश अवधि के बंद होने की तारीख से 30 दिन के बाद अर्थात् 5 अक्तूबर, 1999 से बिक्री के लिए फिर से खुलेगी। प्रारंभिक पेशकश अवधि के बाद फिर से खुलने पर प्रत्येक विकल्प के लिए यूनिटों का बिक्री मूल्य ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस को घोषित की जाने वाली एनएवी (भावी) पर आधारित दैनिक आधार पर तय की जाएगी।

बिक्री पुनः आरंभ होने पर, फ्रेन्चाइज कार्यालय (टी) में पेश किए गए आवेदनों के लिए लागू एनएवी शाखा कार्यालय में प्राप्त आवेदन की तिथि की या आवेदन पेश करने के बाद 5वें दिन की (टी + 5), जो भी पहले हो एनएवी होगी।

किसी विशिष्ट दिन को यूटीआई शाखा/कार्यालय में दोपहर 2.00 बजे तक प्राप्त एवं स्वीकार किए गए आवेदनों के संबंध में लागू एनएवी उसी दिन की एनएवी होगी, जिसकी घोषणा अगले दिन की जाएगी। दोपहर 2.00 बजे के बाद प्राप्त एवं स्वीकार किए गए सभी आवेदन, अगले कार्य दिवस के एनएवी द्वारा नियंत्रित होंगे।

ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री के लिए संविदा स्वीकृति तिथि पर निर्णीत मानी जाएगी। बिक्री संविदा के इस प्रकार निर्णीत हो जाने पर, ट्रस्ट इसके बाद जितनी जल्दी संभव हो, आवेदक को इस आशय का खाता विवरण जारी करेगा, जिसमें योजना में उसके निवेश का विवरण होगा। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्थान, फर्म या निगमित निकाय को जारी किया गया खाता विवरण पात्र संस्था/फर्म/निगमित निकाय के नाम बनाया जाएगा। ट्रस्ट इस प्रकार भेजे गए खाता विवरण के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत जगह पहुंच जाने या प्राप्त न होने के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

इस प्रारंभिक पेशकश अवधि के बंद होने की तारीख से 15 कार्यदिवसों के भीतर और प्रारंभिक पेशकश अवधि के समाप्त होने के बाद योजना जब फिर से खुलेगी तो यूटीआई शाखा कार्यालय में आवेदन प्राप्ति की तारीख से 15 कार्यदिवसों के भीतर एक फोलियो में खाता विवरण भेजेगा।

किसी फोलियो या आवधिक निवेश योजना (पीआईपी) के अन्तर्गत यूनिटों की अतिरिक्त खरीद एनएवी (भावी) पर होगी और निवेशक को उसके फोलियो में यूनिटों की नवीनतम स्थिति बताते हुए खाता विवरण भेजा जाएगा।

2. भुगतान विधि

- (i) आवेदन यूटीआई शाखा कार्यालयों/फ्रेंचाइज कार्यालय और सीआर संग्रहण केंद्रों (केवल आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान) में जमा कराए जा सकते हैं। किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ चेक या ड्राफ्ट (बैंक ड्राफ्ट कमीशन निवेशक द्वारा वहन किया जाएगा) द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के शाखा कार्यालय/फ्रेंचाइज कार्यालय में जमा किए जाएं, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहरित किए जाएं, जिस शहर में स्थित शाखा कार्यालय/फ्रेंचाइज कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।
- ii) यदि भुगतान चेक/ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ट्रस्ट के शाखा कार्यालय द्वारा आवेदन की प्राप्ति की तिथि होगी, बशर्ते चेक की वसूली हो।

यदि योजना के अंतर्गत आवेदन राशि, न्यूनतम निवेश से कम है तो सम्पूर्ण राशि, ऐसी रीति से जैसा ट्रस्ट उचित समझे, आवेदक के खर्च पर वापस कर दी जाएगी।

(iii) प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की विधि

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर पुनर्खरीद राशि और वितरित आय, यदि कोई हो, पर प्रत्यावर्तन का अधिकार तब तक रहेगा, जब तक अनिवासी भारतीय निवेशक भारत से बाहर रहता रहे। इन स्थितियों में निवेश निम्नलिखित विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है।

(क) विदेशी बैंक/विनिमय गृह द्वारा यूटीआई के पक्ष में रुपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्ककर्ता बैंकों पर आहरित हो।

(ख) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम रखे गए एनआरआई खाते पर आहरित चेक द्वारा।

(ग) एफसीएनआर जमाओं की राशि से जारी किए गए चेक/ड्राफ्ट द्वारा।

(घ) यूटीआई के पक्ष में विदेशी मुद्रा में जारी ड्राफ्ट द्वारा। चूंकि यूनिटों में ऐसा निवेश भारतीय रुपए में किया जाता है, इसलिए सभी विदेशी मुद्रा के ड्राफ्टों को परिवर्तन के समय प्रचलित विनिमय दर पर भारतीय रुपए में परिवर्तित किया जाता है। यदि कोई कमी हो, तो उसे एनआरआई निवेशक द्वारा विप्रेषित किया जाएगा।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह सलाह दी जाती है कि एनआरआई/ओसीबी निवेशक उपर्युक्त (क) और (ख) में उल्लिखित लिखतों के द्वारा अदायगी करें।

इसके अलावा, नेपाल और भूटान की मुद्राओं में अदायगी स्वीकार नहीं की जाती है।

iv) प्रत्यावर्तन लाभों के बिना निवेश विधि

जहां एनआरओ खाते में धारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है, तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और उन पर हुई पूंजी वृद्धि (यदि कोई हो) भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के लिए योग्य नहीं होगी। इसी प्रकार जब निवेशक भारत का निवासी था और उसने रुपए में भुगतान के जरिए यूनिटें खरीदी थीं, बाद में उसके अनिवासी बन जाने पर यूनिटों की बिक्री से प्राप्त राशि प्रत्यावर्तन की पात्र नहीं होगी।

तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत्र (ए.डी. एम.ए.शृंखला) सं. 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरान्त उस पर अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होगी। जबकि इन मामलों में यूटीआई-एनआरओ खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा, निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर आय का प्रेषण प्राप्त करना चाहते हों तो अपने बैंक/कर सलाहकार से संपर्क करें।

3. पात्र संस्थाओं, नाबालिगों आदि द्वारा आवेदन और पंजीकरण :

- (i) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियां (सहकारी समितियों सहित) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।
- (ii) कोई भी वयस्क, जो किसी नाबालिग का माता-पिता हो, सौतेला माता-पिता हो या विधिक अभिभावक हो, अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और क्रय-विक्रय कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से नाबालिग की उम्र और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने तथा क्रय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत्र ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। आवेदन में ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (iii) पात्र संस्थाओं, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें यूनिट में निवेश करने की आवेदक की क्षमता से संबंधित सभी दस्तावेज, जैसे ट्रस्ट की घोषणा, संस्था के अंतर्नियम और बहिर्नियम, उप-विधियां आदि, प्रबंध निकाय द्वारा पारित संकल्प की प्रमाणित प्रति, यूनिटों में निवेश को प्राधिकृत करने वाला सांविधिक अनुमोदन और अपेक्षित मुख्तारनामे की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।
- (iv) फर्म को सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और सदस्यता सूचना फर्म के नाम से बनाई जाएगी।

4. आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार :

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक के अनुसार योजना के अंतर्गत यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके। ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिटें जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है :

- (i) यदि आवेदन रु. 10,000/- की न्यूनतम निवेश राशि से कम के लिए और बाद के निवेशों के लिए एक फोलियो में रु. 1000/- से कम के लिए प्राप्त हुआ हो,
- (ii) यदि आवेदन पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो और
- (iii) यदि आवेदक योजना में निवेश करने के लिए पात्र न हो। योजना के अंतर्गत आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।
- (iv) साथ ही प्रथम आवेदक के बैंक विवरण रहित आवेदन भी अस्वीकार किए जाने के योग्य होगा।

यदि आवेदन अपूर्ण पाया जाए तो वह अस्वीकृत कर दिए जाने के योग्य होगा और बिना किसी ब्याज या अन्य राशि के, चाहे जो भी हो, आवेदन राशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीघ्र वापस कर दी जाएगी। अपेक्षित परिचालनगत और प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी होने के बाद राशि वापस की जाएगी।

5. यूनिट जारी होने से पहले आवेदक को योजना से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करना होगा

नाबालिग की तरफ से योजना के अंतर्गत यूनिटों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षाएं, जैसे नाबालिग की ओर से प्राप्त आवेदन पत्र के मामले में जन्म प्रमाणपत्र, पूरी करनी होंगी।

भागीदारियों/सहकारी समितियों/निगमित निकायों/कंपनियों/भविष्य निधियों/अधिवर्षिता निधियों और ग्रैच्युटी निधियों जैसे निकायों की तरफ से यूनिटों के लिए आवेदन के साथ भागीदारी के भागीदारी विलेख की प्रमाणित प्रति/समिति के उप-नियम/निगमित निकायों को शासित करने वाले कानून/कंपनी के अंतर्नियम एवं बहिर्नियम योजना में निवेश करने हेतु संबंधित प्रबंध समिति के संकल्प की प्रमाणित प्रति के साथ प्रस्तुत करनी होंगी। यूनिटों की पुनर्खरीद के समय, पुनर्खरीद हेतु अधिकृत करने वाले संबंधित प्रबंध समिति के संकल्प की प्रमाणित प्रति एवं औपचारिकताओं के अनुपालन एवं पुनर्खरीद चेक स्वीकार करने के लिए निकाय के संबंधित अधिकारी/(अधिकारियों) का प्राधिकार प्रस्तुत करना होगा।

गलत घोषणा करके यूनिट रखने वाला व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तीकरण का भागी होगा और उसका नाम सदस्यों की पंजी से काट दिया जाएगा।

ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसे यूनिटों की पुनर्खरीद अंकित मूल्य या ऐसी पुनर्खरीद के लिए लागू एनएवी, जो भी कम हो, पर करे और इसमें से दण्ड के रूप में ऐसी राशि का 25% या ऐसी राशि जिसे ट्रस्ट निश्चित करे, काटे। इसके अतिरिक्त, यदि कोई आय वितरण गलती से अदा कर दिया गया हो तो उसकी वसूली पुनर्खरीद आय में से की जाएगी और शेष राशि संबंधित व्यक्ति को वापस की जाएगी।

पुनर्खरीद करने और आवेदक को पुनर्खरीद राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा।

6. सदस्यों द्वारा नामांकन

i) नामांकन सुविधा केवल अपनी ओर से आवेदन करने वाले व्यक्तियों अर्थात् एकल या संयुक्त रूप से दो तक के लिए उपलब्ध है। आवेदक एक व्यक्ति को नामित कर सकता है। अवयस्क तथा अनिवासी भारतीय भी नामित किए जा सकते हैं। अनिवासी भारतीय का नामांकन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गये दिशानिर्देशों के अधीन रहेगा। योजना के चालू रहने के दौरान आवेदक किसी भी समय नामांकन में परिवर्तन कर सकता है।

ii) सदस्य जो नाबालिग की ओर से विधिक अभिभावक या माता-पिता हैं तथा पात्र संस्था, समिति, निगमित निकाय, एचयूएफ, भागीदारी फर्म, पीएफ, अधिवर्षिता, ग्रैच्युटी निधि, एफआईआई आदि को नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।

अन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे।

iii) नामांकन की वैधानिक वैधता : भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 39ए के अंतर्गत सदस्य को सांविधिक नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। तदनुसार, जहां यूटीआई सामान्य विनियम, 1964 के अनुसार किसी यूनिट के संदर्भ में नामांकन किया गया है, सदस्य की मृत्यु के उपरांत सदस्य को देय राशि पर अधिकार उसी का होगा तथा किसी अधिकार, टाइटल, दावा तथा अन्य व्यक्ति की हित के शर्तों के अधीन या उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में ऐसे विनियमों में उल्लिखित एवं उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में किसी प्रभार या किसी बाधा की शर्त के अधीन नामिती को देय होगा।

उपरोक्त अनुसार ट्रस्ट द्वारा किया गया भुगतान कथित यूनिटों के संदर्भ में सभी देयताओं से ट्रस्ट के लिए पूर्ण उन्मोचन होगा।

VIII. यूनिटों की पुनर्खरीद

1. पुनर्खरीद

i) यूनिटों की पुनर्खरीद, प्रारंभिक पेशकश बंद होने के 30 दिनों के भीतर प्रारंभ होगी और बही बंदी की अवधि के अलावा, जो वर्ष में 15 दिन से अधिक नहीं होगी, पूरे वर्ष भर खुली रहेगी।

ii) ट्रस्ट के प्रत्येक कार्यदिवस के लिए पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जाएगी।

iii) योजना के पुनर्खरीद हेतु पुनः आरंभ होने पर, फ्रेन्चाइज कार्यालय (टी) में पुनर्खरीद आग्रह प्रस्तुत करने पर लागू पुनर्खरीद मूल्य, शाखा कार्यालय में प्राप्त आवेदन प्राप्ति की तिथि पर लागू मूल्य होगा या फ्रेन्चाइज कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने के 5 दिन बाद (टी+5) का मूल्य, जो भी पहले हो, होगा।

iv) पुनर्खरीद एनएवी (भावी) पर होगा। किसी विशिष्ट दिन को दोपहर 2.00 बजे तक पुनर्खरीद हेतु प्राप्त आवेदनों के मामले में लागू एनएवी उसी दिन का एनएवी होगी, जिसकी घोषणा अगले कार्यदिवस को की जाएगी। दोपहर

2.00 बजे के बाद प्राप्त सभी आवेदनों की पुनर्खरीद अगले कार्यदिवस को लागू एनएवी पर होगी। पुनर्खरीद सभी धारकों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित पुनर्खरीद पावती प्राप्त होने पर प्रभावी होगी। सामान्य परिस्थितियों में ट्रस्ट द्वारा यूनिटों के पुनर्खरीद का भुगतान, कटौतियों के बाद यदि कोई हो, जहाँ पर पुनर्खरीद आग्रह संसाधित किए जाते हैं उस केन्द्र पर विधिवत् उन्मोचित पुनर्खरीद पावती प्राप्त होने की तिथि से 3 कार्यदिवसों के भीतर (बशर्ते आवेदन सही हो) किया जाएगा।

- (V) आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी बशर्ते सदस्य अपने फोलियो में रु. 10000/- (अंकित मूल्य) का न्यूनतम शेष कायम रखे। आंशिक पुनर्खरीद के मामले में सदस्य को उसके खाते में यूनिटों की शेष संख्या दर्शाने वाला एक नई खाता विवरणी जारी की जाएगी।
- (vi) सदस्य/सदस्यों की मृत्यु और विधिक प्रतिनिधि द्वारा मृत सदस्य के खाते में जमा बकाया यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए आवेदन पत्र और खाता विवरणी अभ्यर्पित करने के बाद ट्रस्ट उसके दावे की पहचान के संबंध में निर्धारित मानदंडों का अनुपालन किए जाने पर, ट्रस्ट द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार यूनिटों की पुनर्खरीद करेगा एवं दावे के निपटारे की तिथि को बकाया धारिता के संदर्भ में पुनर्खरीद आय का भुगतान करेगा।
- (vii) निवेशक के विधिक प्रतिनिधि को, मृत सदस्य के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के स्थान पर उसे सदस्य के रूप में यूनिट धारण करने एवं सदस्य के रूप में बने रहने की अनुमति होगी। ऐसे मामले में न्यूनतम यूनिट धारण करने की शर्तें पूरी करने पर उसकी इच्छानुसार यूनिट धारण करने के संबंध में उसके नाम पर लेखा विवरणी जारी की जाएगी।
- (viii) किसी भी मामले में आवेदक को देय पुनर्खरीद राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा और विप्रेषण (ड्राफ्ट सहित) या ट्रस्ट द्वारा भेजे गए चेक या ड्राफ्ट की वसूली की लागत आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

ix) निवेशकों का बैंक ब्यौरा :

चेक के खो जाने/गलत स्थान पर पहुंचने के कारण उनके संभावित कपटपूर्ण नकदीकरण के विरुद्ध सावधानी के तौर पर आवेदकों से अनुरोध किया जाता है कि वे रिकार्ड के लिए आवेदन फार्म में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात् खाते का प्रकार एवं खाता संख्या, बैंक का नाम) दें। तब आय वितरण वारंट इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें भेजे जाएंगे। सदस्य कथित बैंक में अपने खाते में जमा (क्रेडिट) करने हेतु पुनर्खरीद चेक को प्रस्तुत कर सकते हैं।

इस संदर्भ में यह नोट किया जाए कि पुनर्खरीद चेक के कपटपूर्ण नकदीकरण से बचने के लिए सेबी ने निवेशकों के लिए अनिवार्य कर दिया है कि अपनी सुविधा के लिए आवेदन पत्र में उपयुक्त स्थान पर बैंक-ब्यौरा भरें। बैंक-ब्यौरे के बिना आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- X) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते हुए निम्नानुसार प्रेषित की जाएगी :

- (i) जब यूनिट विदेश से भेजी गई विदेशी मुद्रा/सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशियों से या सदस्य के भारत में रखे अनिवासी (बाह्य) खाते में रखी निधियों से जारी चेक/ड्राफ्ट द्वारा खरीदे गए हों तो सदस्य को राशियां विदेशी मुद्रा में (विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का वहन सदस्य को करना होगा) प्रेषित की जा सकती

हैं या सदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के अनिवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जा सकती हैं बशर्ते सदस्य विदेश में रह रहा हो। यदि सदस्य चाहे तो इन राशियों को उसके अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भी भेजा जा सकता है।

(ii) जब यूनिट सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में रखी निधियों से खरीदे गए हों या यूनिट तब खरीदे गए हों जब निवेशक भारत का निवासी था तो राशियां सदस्य के भारत स्थित बैंक को या सदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जाएंगी।

xi) रोलओवर सुविधा

वृद्धि विकल्प के अंतर्गत आने वाले निवेशकों को यह सुविधा उपलब्ध होगी। इस विकल्प के अंतर्गत निवेशक अपनी बकाया यूनिटधारिता की पुनर्खरीद कर सकता है और सम्पूर्ण प्राप्तियों या उसके किसी भाग को अगले दिन निवेश कर सकता है। इससे निवेशक पूंजीगत वृद्धि की स्वयं के खाते में कर-दक्ष रीति से आय/लाभ के रूप में पहचान कर सकेगा।

xii) यूनिटों की बिक्री एवं पुनर्खरीद पर बंधन :

योजना के प्रावधान में किसी बात के बावजूद ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा : -

(क) ऐसे दिन, जो कार्य-दिवस नहीं हों; और

(ख) ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित किसी भी उद्देश्य के लिए सदस्यों की पंजी बंद हो, ऐसी (ट्रस्ट द्वारा यथाधिसूचित) अवधि के दौरान।

स्पष्टीकरण : इस योजना के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का अर्थ वह दिन है, जो न तो (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही (ii) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

IX. आय वितरण

सदस्य को निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प में भाग लेने का अधिकार होगा :

1) आय विकल्प या

2) वृद्धि विकल्प

यह योजना में निवेश के समय किया जाएगा और एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा। यदि कोई विकल्प नहीं चुना जाता है तो उसे वृद्धि विकल्प के अंतर्गत समझा जाएगा और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। पूंजी एवं प्रतिलाभ का कोई आश्वासन नहीं है।

योजना एवं उसके अंतर्गत बने प्लान के प्रावधान दोनों विकल्पों के लिए लागू होंगे और जहां प्रावधानों में भिन्नता है, वहां संबंधित ब्यौरे तदनुसार दिए गए हैं।

1) आय विकल्प :

- i) प्रत्येक वर्ष, 30 जून को समाप्त वर्ष के लिए आय वितरण की घोषणा की जाएगी और आय वितरण वारंटों को आय वितरण घोषित किए जाने की तिथि से 30 दिनों के भीतर भेज दिया जाएगा।
- ii) ट्रस्ट अपने विवेक से, योजना के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा वर्ष में एक से अधिक बार उदाहरणार्थ मासिक/ तिमाही/छः माही आदि आधार पर कर सकता है।
- iii) 30 जून, 2000 को समाप्त वर्ष के लिए प्रथम आय वितरण की घोषणा की जाएगी और आय वितरण वारंटों को आय वितरण की घोषणा से 30 दिनों के भीतर भेज दिया जाएगा।
- iv) आय वारंट तीन महीनों के लिए वैध रहेगा। ट्रस्ट किसी भी वारंट के वैध-अवधि समाप्त होते या उसके पुराने होने के पहले सदस्य के पास न पहुंचने की स्थिति में ब्याज अदा करने हेतु बाध्य नहीं होगा।
- v) एनएवी पर आय के पुनर्निवेश की सुविधा उपलब्ध है। यदि निवेशक प्रारंभिक अवस्था में ही इस विकल्प को चुनने का इच्छुक हो तो वह आवेदन पत्र में इसे निर्दिष्ट कर सकता है। निवेशक अपनी फोलियो संख्या का उल्लेख कर एक साधारण पत्र ट्रस्ट/रजिस्ट्रार को लिखकर बाव की तारीख में भी प्लान में प्रवेश कर सकता है। वह ट्रस्ट/रजिस्ट्रार को पहले लिखित में बताकर किसी भी समय पुनर्निवेश विकल्प से बाहर आ सकता है।

2. वृद्धि विकल्प

इस विकल्प के अंतर्गत कोई भी आय घोषित व वितरित नहीं की जाएगी। निवेशक ट्रस्ट द्वारा आय वितरण के पात्र नहीं होंगे। सभी उपार्जित आय एवं प्राप्त लाभ का योजना में पुनः निवेश कर दिया जाएगा और प्रतिलाभ एनएवी में वृद्धि के जरिए दिखलाई देगा।

रोलओवर सुविधा

वृद्धि विकल्प के अंतर्गत आने वाले निवेशकों को यह सुविधा उपलब्ध होगी। इस विकल्प के अंतर्गत निवेशक अपनी बकाया यूनिटधारिता की पुनर्खरीद कर सकते हैं और सम्पूर्ण प्राप्तियों या उसके किसी भाग को अगले दिन निवेश कर सकते हैं। यह निवेशक को स्वयं के खाते में कर-दक्षता रीति से पूंजीगत लाभ के रूप में पूंजीगत वृद्धि की मान्यता देगा।

3. निवेशकों के बैंक विवरण :

इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा :

भारतीय रिज़र्व बैंक ने एक नई अवधारणा इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) आरंभ की है जिससे कागज के लिखतों को जारी करने तथा उनको संभालने की आवश्यकता का निराकरण किया जाए और इस प्रकार ग्राहक सेवा में सुधार करके उसे सुविधाजनक बनाया जा सके। वर्तमान में यह सुविधा कलकत्ता/चेन्नई/मुंबई/लखनऊ/नई दिल्ली के निवेशकों को संबंधित केन्द्रों पर स्थित अपने बैंक के खाते में जमा करने के लिए उपलब्ध है और जहां एकल लिखत की राशि रु.5,00,000/- तक है।

इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार निवेशक से अपेक्षित है कि वह ईसीएस हेतु अपना अभिवेदक आवेदन पत्र में दिए गए प्रारूप के अनुसार उसमें सभी विवरण पूरा करके प्रस्तुत करे। इससे ट्रस्ट को निवेशक के संबंधित बैंक खाते में आय की राशि अतिशीघ्र जमा करने में सहायता मिलेगी तथा आय वारंट के मुद्रण एवं प्रेषण संबंधी कार्य नहीं रहेंगे और वह निवेशकों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकेगा। बैंक शाखा सदस्य के खाते में क्रेडिट करेगा तथा पासबुक/खाता विवरण में क्रेडिट प्रविष्टि को "ईसीएस" से निर्विष्ट करेगा। जो आवेदक यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं वे आवेदन पत्र में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और नंबर, 9 अंकों वाली बैंक एवं शाखा एमआईसीआर संख्या इत्यादि भरें।

यद्यपि ईसीएस सुविधा के जरिए आय वितरण प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है।

यदि इस सुविधा पर मिली प्रतिक्रिया इसके संचालन हेतु पर्याप्त नहीं है या कोई अन्य कारण से इसका संचालन नहीं किया जा सके तो "ईसीएस" के अंतर्गत आय का भुगतान करने के बजाय ट्रस्ट उपरोक्तानुसार आय वारंट जारी करके आय की अदायगी कर सकता है।

आय वितरण वारंटों के खो जाने/गलत स्थान पर पहुंचने के कारण उनके संभावित कपटपूर्ण नकदीकरण के विरुद्ध सावधानी के तौर पर पांच महानगरों में रहनेवाले तथा कलकत्ता, चेन्नई, मुंबई, नई दिल्ली एवं लखनऊ से बाहर रहने वाले आवेदकों, जिन्होंने उपरोक्त सुविधा का लाभ नहीं उठाया है, से अनुरोध किया जाता है कि वे रिकार्ड के लिए आवेदन फार्म में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात् खाते का प्रकार एवं खाता संख्या, बैंक का नाम) दें। तब आय वितरण वारंट इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें भेजे जाएंगे। सदस्य कथित बैंक में अपने खाते में जमा (क्रेडिट) करने हेतु उस आय वितरण वारंट को प्रति माह प्रस्तुत कर सकते हैं।

आय वितरण वारंट/पुनर्खरीद चेक के कपटपूर्ण नकदीकरण से बचने के लिए सेबी ने निवेशकों के स्वयं के हित में आवेदन पत्र में उपयुक्त स्थान पर बैंक - ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। बैंक-ब्यौरे के बिना आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण

योजना के अंतर्गत आय मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अनुसार अदा की जाएगी। आय के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

- i) वारंट, सदस्य के नाम जारी किया जा सकता है तथा सदस्य के एनआरई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए उसके किसी ऐसे रिश्तेदार को भेजा जा सकता है जो भारत का निवासी है, जैसा भी मामला हो।

अथवा

- ii) वारंट किसी ऐसे रिश्तेदार के नाम जारी किया जा सकता है जो भारत का निवासी है तथा उसे भेजा जा सकता है ताकि वह अपने खाते में जमा कर सके।

X. निवेश उद्देश्य, नीतियां, स्टॉक उधार एवं डेरिवेटिव्स

I. निवेश उद्देश्य :

- i) योजना का निवेश उद्देश्य है - निम्नलिखित लिखतों के माध्यम से आय या शुद्ध आस्ति मूल्य में वृद्धि के जरिए जोखिम रहित आय का सृजन :

- केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां
- राज्य सरकार की प्रतिभूतियां
- कॉल मनी
- खजाना बिल
- रेपोस

ii) सम्पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, योजना किसी अन्य निकाय द्वारा जारी किए गए शेयरों, डिबेंचरों या बॉण्डों में निवेश नहीं करेगी। चूंकि योजना के अंतर्गत किया गया निवेश केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी की गई सरकारी प्रतिभूतियों में है, इसलिए मूलधन या ब्याज राशि की अदायगी की चूक का कोई जोखिम नहीं है।

iii) निवेश का परिपक्वता प्रोफाइल आय को अधिकतम करने की आवश्यकता एवं निवेशकों के निवेश उद्देश्य द्वारा निर्देशित होगा।

iv) योजना सेबी/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति मिलने पर और अनुमत सीमा के अधीन और इस संबंध में विनिर्दिष्ट प्रचलित नियमों एवं विनियमों की शर्त के अधीन सरकारी प्रतिभूतियों के निर्गम की प्रत्यक्ष या किसी मध्यस्थ के माध्यम से हमीदारी कर सकती है और समय समय पर उसकी नीलामी में भी हिस्सा ले सकती है।

2. मूलभूत विशेषताएं

i) योजना की “मूलभूत विशेषताओं” का तात्पर्य निम्नलिखित से है -

- क) योजना का प्रकार : यूटीआई जी-सेक फंड एक सतत खुली समर्पित गिल्ट निधि है।
- ख) निवेश उद्देश्य : इस पेशकश दस्तावेज के खंड X (1) में बताए अनुसार।
- घ) निर्गम की शर्त : यूनिटों की पुनर्खरीद/प्रतिदान तथा व्यय के संबंध में पेशकश दस्तावेज में किए गए प्रावधान।

ii) योजना की मूलभूत विशेषताओं में किसी भी तरह का परिवर्तन केवल तीन चौथाई सदस्यों की सहमति से ही किया जाएगा। साथ ही योजना की मूलभूत विशेषताओं में किसी भी तरह के परिवर्तन के मामले में जो अपनी सहमति नहीं देते हैं, उन्हें योजना के अंतर्गत अपनी यूनिटधारिता की पुनर्खरीद की अनुमति दी जाएगी।

iii) ऐसे संशोधन जो योजना की मूलभूत विशेषताएं के संशोधन न हों और जिनसे यूनिटधारकों के हित पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता हो, सेबी की पूर्व अनुमति से किए जा सकते हैं।

iv) बॉर्डर समय समय पर योजना में कुछ जोड़ सकता है-या अन्यथा संशोधित कर सकता है, और इस प्रकार किया गया कोई भी संशोधन/परिवर्धन राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

3. निवेश नीतियां

i) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।

- ii) ट्रस्ट प्रतिभूतियों का क्रय विक्रय सुपुर्दगियों के आधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लेगा और बिक्री के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी करेगा और किसी भी मामलों में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे मंदड़िया बिक्री करनी पड़े या सौदे का वायदा (कैरी फारवर्ड) करना पड़े।
- iii) ट्रस्ट प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।
- iv) सेबी तथा भारत सरकार से प्राधिकृत हो जाने के अधीन यूटीआई, उचित परिस्थितियों में योजना के निवेश उद्देश्यों को प्राप्त करने या हेजिंग या जोखिम को कम करने के उद्देश्य से, ऐसी तकनीकों और लिखतों जैसे फ्यूचर्स और ऑप्शन्स और सहवर्तियों का, जब भारतीय बाजार में उनके प्रयोग की अनुमति मिल जाएगी, लागू विनियमों और प्रतिपक्षी जोखिम मूल्यांकन के अधीन प्रयोग करेगा।
- v) विदेशी निवेश : योजना विदेश में जारी की गई प्रतिभूतियों में, इस संबंध में सेबी एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर जारी किए गए दिशानिर्देशों, नियमों एवं विनियमों के अधीन, निवेश कर सकती है।
- vi) योजना की प्रतिभूतियों के लेन देन के लिए शेयर-दलाली फर्म और यूटीआई की सहायक संस्था यूटीआई सिक्क्योरिटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीआई-एसईएल) की सेवाएं ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हों और ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अधीन हों। यूटीआई एसईएल 1994 में स्थापित की गई थी। यह निवेशकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करने वाली उच्च प्रौद्योगिकी वाली कंपनी है। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में है।
- vii) किसी खास सरकारी प्रतिभूति में योजना द्वारा निवेश की सीमा पर कोई पाबंदी नहीं है।
- (i) उन योजनाओं की सूची जिनमें 31/12/98 के अनुसार कंपनियों ने शुद्ध आस्ति मूल्य के 5% से अधिक का निवेश किया है।

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना की आस्तियों के 5% से अधिक धारिता वाली कंपनी का नाम
1.	यूएस 95	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
2.	आईआईएसएफयूएस '97	हिन्दुस्तान लीवर लि. एचडीएफसी
3.	यूटीआई-एमएमएफ	बेनेट कोलमन कं.लि. यूटीआई बैंक लि. एसएचसीआईएल
4.	यूटीआई-आईईएफ	आईसीआरए आईसीआईसीआई आईडीबीआई

5.	एमआईपी 97 (IV)	एचपी स्टेट को-ऑप बैंक लि. ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
6.	आईआईएसएफयूएस 97 (II)	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
7.	आईआईएसएफयूएस 98	पियरलेस जनरल फायनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि.
8.	आईआईएसएफयूएस 98 (II)	नेशनल हाउसिंग बैंक
9.	यूटीआई बॉण्ड फंड	बेनेट कोलमन कं.लि. एचडीएफसी महाराष्ट्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. आईटीसी लि.
10.	मास्टर वैल्यू यूनिट प्लान	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आईडीबीआई
11.	मास्टर इंडेक्स फंड	बैंक ऑफ बड़ौदा ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आईडीबीआई

ii) 31/12/98 के अनुसार उस योजना द्वारा या यूटीआई की किसी अन्य योजना द्वारा उस कंपनी या उसके किसी अनुषंगी में सकल आधार पर किया गया निवेश -

(रु. करोड़ में)

कंपनी का नाम	इक्विटी (लागत)	ऋण (लागत)	मीयादी ऋण	जमा	कुल
बेनेट कोलमन कं. लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बैंक ऑफ बड़ौदा	36.20	0.00	0.00	0.00	36.20
एचडीएफसी	303.39	150.00	0.00	0.00	453.39
हिन्दुस्तान लीवर लि.	1082.68	6.60	0.88	0.00	1090.16
एचपी स्टेट को-ऑप बैंक लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आईसीआईसीआई	223.72	1328.68	595.00	0.00	2147.40
आईसीआईसीआई बैंकिंग कॉर्पो.लि. (आईसीआईसीआई सॉल्विडरी)	30.84	0.00	0.00	0.00	30.84
आईसीआईसीआई सिविलरिटीज एंड फायनेंस कंपनी लि. (आईसीआईसीआई सॉल्विडरी)	0.00	34.70	0.00	67.00	101.70
आईसीआरए	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आईडीबीआई	363.39	1883.92	0.00	0.00	2247.31

आईटीसी लि.	1776.93	81.35	0.00	0.00	1858.28
आईटीसी होटल (आईटीसी सब्सिडरी)	28.41	0.05	0.00	0.00	28.46
लकमे लि. (एचएलएल सब्सिडरी)	2.25	0.00	0.00	0.00	2.25
महाराष्ट्र स्टेट रोड डवलपमेंट कांफेरिशन लि.	0.00	202.12	0.00	0.00	202.12
नेशनल हाउसिंग बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	31.66	0.00	0.00	0.00	31.66
एसएचसीआईएल	1.00	0.00	0.00	0.00	1.00
एसआईडीबीआई (आईडीबीआई सब्सिडरी)	0.00	75.36	0.00	0.00	75.36
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	844.47	52.33	0.00	0.00	896.80
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	0.18	0.00	0.00	0.00	0.18
पियरलेस जनरल फायनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
यूटीआई बैंक लि.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग	4725.12	3815.11	595.88	67.00	9203.11

5. तथापि, ऊपर खण्ड IX (3), XII (1) और XII (2) के संबंध में किसी भी बात के होते हुए, आस्तियों का मूल्यांकन, शुद्ध आस्ति मूल्य का अभिकलन, पुनर्खरीद मूल्य और उनके प्रकटीकरण का अंतराल सेबी द्वारा समय-समय पर जारी सेबी (एमएफ) विनियमों के प्रावधानों/दिशा निर्देशों/निर्देशों के अनुसरण में होगा।

XI. अंतर योजना अंतरण

किसी योजना से/को ट्रस्ट की दूसरी योजना/प्लान में/से निवेश अंतरण केवल तभी किया जाएगा जब -

- क) उद्धृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर स्पॉट आधार पर।

स्पष्टीकरण : “स्पॉट आधार” का अर्थ वही है जो एनएसई द्वारा उसके थोक ऋण बाजार खंड/ बीएसई/ओटीसीआईआई (जब कभी वे सरकारी प्रतिभूतियों में कारोबार शुरू करते हैं) द्वारा निर्दिष्ट है।

- ख) ऐसी अंतरित प्रतिभूतियां उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।

- ग) प्लान से/में असूचीबद्ध या अनोद्धृत निवेश का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में/से अंतरण ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किए जाते हैं।

XII. उधार

1. भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 20 के अनुसार ट्रस्ट को उधार लेने की निम्नलिखित शक्तियां प्राप्त हैं :

- (i) ट्रस्ट, भारत या भारत से बाहर के किसी प्राधिकरण या व्यक्ति जो सरकार या रिजर्व बैंक न हो, ऐसी प्रतिभूति के प्रति एवं ऐसी शर्तों एवं परिस्थितियों पर जिस पर वे आपस में सहमत हो, उधार ले सकता है।

- (ii) ट्रस्ट रिजर्व बैंक से उधार ले सकता है -

- (क) भारत में इस समय लागू किसी कानून द्वारा जिससे न्यासी ट्रस्ट का धन निवेश करने हेतु प्राधिकृत है, स्टॉक, निधियों एवं प्रतिभूतियों के प्रति (अचल संपत्तियों के अतिरिक्त) मांग पर या नियत अवधि की समाप्ति पर प्रतिदेय जो इस प्रकार ली गई राशि की तिथि से नब्बे दिन से अधिक न हो।
- (ख) केंद्रीय सरकार के अनुमोदन से बांडों की प्रतिभूति के प्रति जिसे ट्रस्ट जारी कर सकता है मांग या जिस तिथि से ऐसी राशि उधार ली गई है, उस तिथि से अठारह महीनों की अवधि के भीतर प्रतिदेय है।
- (ग) प्रथम यूनिट योजना के अतिरिक्त किसी अन्य योजना के प्रयोजन हेतु जिसे इस संदर्भ में रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया है ट्रस्ट की ऐसी अन्य संपत्तियों की प्रतिभूति के प्रति या ऐसी शर्तों एवं नियमों पर :

बशर्ते कि इस खंड के अंतर्गत उधार ली गई कोई राशि एवं किसी समय बकाया इससे ज्यादा न हो -

- (क) ऐसी प्रत्येक योजना के संबंध में पांच करोड़ रुपए से ज्यादा न हो, एवं
- (ख) समग्र रूप से ऐसी समस्त योजनाओं के संबंध में दस करोड़ रुपए।
- (iii) ट्रस्ट द्वारा उप धारा (ii) के अंतर्गत जारी बांड के मूल राशि की अदायगी की गारंटी केंद्रीय सरकार द्वारा दी जाएगी एवं ब्याज का भुगतान बांड जारी करते समय केंद्रीय सरकार द्वारा निश्चित दर पर किया जाएगा।
2. योजना यूनिटों की पुनर्खरीद/प्रतिदान, प्रतिदान या ब्याज की अदायगी या सदस्यों को आय अदा करने के लिए नकदी की अस्थाई जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के अलावा उधार नहीं लेगी।

परन्तु उधार योजना की शुद्ध आस्ति के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी।

3. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए विशेष रूप से समर्पित योजना होने के कारण, योजना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसके दिनांक 20 अप्रैल, 1996 के पत्र संदर्भ सं.आईआईसी सं.2741/03.01.00/95-96 के अंतर्गत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराए गए सरकारी प्रतिभूतियों में इसके निवेश के शेष मूल्य (पिछले माह की समाप्ति के अनुसार) के 20% तक तरलता सहयोग उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को आवेदन करेगा। इन दिशानिर्देशों के अंतर्गत तरलता सहयोग योजना द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को सरकारी प्रतिभूतियों की प्रत्येक बिक्री एवं रेपो के जरिए है।

XIII. एनएवी निर्धारण एवं आस्तियों का मूल्यांकन

1. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटीकरण :

- (क) योजना का एनएवी आय विकल्प एवं वृद्धि विकल्प के लिए अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा।

- (ख) योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सैक्टर फंड की आस्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और फंड की देयताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएवी में उस तिथि को जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग दे कर किया जाएगा।
- (ग) आरंभिक पेशकश अवधि के बंद होने के बाद 31^{वें} दिन से एनएवी (परवर्ती आधार पर) दैनिक आधार पर प्रेस को प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा।
- (घ) एनएवी का परिकलन दशमलव के चार स्थानों तक किया जाएगा।

2. इस योजना से संबंधित आस्तियों का मूल्यांकन

- (क) उद्धृत सरकारी प्रतिभूतियां मूल्यांकन तिथि को एनएसई/ एसजीएल/बीएसई/ओटीसीआई (जब कभी वे सरकारी प्रतिभूतियों में कारोबार शुरू करते हैं) के अंतिम बाजार दर पर मूल्यांकित की जाती है और इसकी अनुपस्थिति में मूल्यांकन तिथि से पिछले 7 दिनों के अंदर उपलब्ध नवीनतम भाव को मूल्यांकन के लिए लिया जाता है। यदि मूल्यांकन की तिथि से सात दिन पूर्व की अवधि हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं हो तो उसे अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतियां माना जाएगा।
- (ख) अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन प्रचलित ब्याज दर पर परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर किया जाता है।
- (ग) मुद्रा बाजार निधि के लिए मूल्यांकन नीति :-

मुद्रा बाजार लिखतें एवं अन्य आस्तियों को बही मूल्य पर लिया जाता है।

- (i) अंतर बैंक कॉल बाजार में निवेशित राशि लागत पर ली जाती है।
- (ii) बट्टा / ब्याज उपार्जन लिखत में निवेशित राशि का मूल्यांकन, उस प्रतिफल पर किया जाता है जिसमें लिखत का सौदा पिछली बार किया गया था। इस उद्देश्य हेतु भाव, जो दो कार्य दिवस पुराना हो वैध माना जाता है। जब पिछले दो कार्य दिवस में कोई भाव उपलब्ध न हो, तो लिखत लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के बाकी बचे दिनों के लिए लागू एक समान लागत और पृष्ठ मूल्य के मध्य अंतर पर मूल्यांकित किया जाता है।
- (iii) अनोद्धृत डिबेंचरों सहित अन्य मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के लिए बाकी बचे दिनों पर लागू एक समान लागत और अंकित मूल्य के अंतर पर किया जाता है।

XIV. लेखा नीतियां

1. आय निर्धारण

- (क) निवेशों पर ब्याज एवं प्रतिबद्धता प्रभार का हिसाब प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।
- (ख) निवेशों की बिक्री पर लाभ या हानि का निर्धारण भारित औसत लागत के आधार पर व्यापार तिथियों पर किया जाता है।
- (ग) अन्य आय, यदि कोई हो, प्राप्ति आधार ली जाती है।

2. व्यय

- क. व्यय की गणना प्रोद्भवन आधार पर की जाती है।

- ग. भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 25(4) के प्रावधानों के अनुसार यूनिट योजना 1964 के अंतर्गत किए गए कुछ सामान्य खर्चों का विनिधान अन्य योजनाओं पर किया जाता है।

यूनिट योजना 1964, अचल आस्तियां जिसके स्वामित्व में हैं, अन्य योजनाओं से कथित आस्तियों के उपयोग के लिए स्वीकृत आधार पर पट्टा किराया वसूल करती है।

आस्थगित राजस्व व्यय

तीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 25(3) के प्रावधानों के अनुसार, कुछ व्ययों को निम्नानुसार आस्थगित या जाता है :

- i) नियतकालिक योजना द्वारा किए गए आरंभिक निर्गम व्यय एवं एजेंटों को कमीशन योजना की अवधि के दौरान समान रूप से अवलिखित किए जाएंगे।
- ii) जब यूनिटों की विशुद्ध पुनर्खरीद की जाती हो तो उपरोक्त (i) में दिया गया आस्थगित राजस्व व्यय उस वर्ष प्रभारित होगा तथा जो अवधि समाप्त नहीं हुई है, उसके लिए भी उचित रूप से समायोजित किया जाएगा।

4. निवेश

- क. निवेशों का विवरण लागत पर या अवलिखित लागत पर दिया जाता है।
- ख. द्वितीयक बाजार कारोबार के मामले में निवेश को व्यापार तिथियों पर किया गया माना जाता है।
- ग. प्राथमिक डीलरों (पीडी) के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक की नीलामी में अभिदान को आबंटन पर निवेश माना जाता है।

- घ. द्वितीयक बाजार कारोबार के जरिए अर्जित निवेश की लागत में दलाली एवं सेवा - कर शामिल हैं लेकिन राजस्व में प्रभारित स्टाम्प शुल्क, यदि कोई हो, शामिल नहीं है।

5. आय वितरण :

- (i) योजना के अंतर्गत जब कभी आय वितरण की घोषणा की जाती है, आय वितरण की अनुमोदित दर पर लेखों में प्रावधान किया जाएगा।
- (ii) उन योजनाओं को छोड़कर, जिनके यूनिट उनके अंकित मूल्य पर प्रीमियम या बट्टे पर बेचे जाते हैं, पूंजीकरण के लंबित रहते हुए आय वितरण का प्रावधान आवेदन राशि पर भी किया जाएगा। ऐसे मामलों में आय वितरण को पूंजीकरण किए जाने वाले वर्ष में राजस्व विनियोजन लेखों में प्रभारित किया जाएगा।

6. वित्तीय परिणाम का प्रकाशन

यथा 31 दिसंबर अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम 2 माह के भीतर एवं यथा 30 जून लेखा-परीक्षित वार्षिक परिणाम लेखों को अंतिम रूप देने के 6 माह के भीतर एक अंग्रेजी दैनिक एवं एक मराठी दैनिक में प्रकाशित किया जाएगा।

XV. निवेशों का कर निरूपण

1. कर रियायतें

- (i) योजना के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा। इस समय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(33) के तहत, म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेशक के हाथों में पहुंचने वाली कोई भी आय पूर्णतया कर मुक्त है। वर्तमान में योजना के स्तर पर आय वितरण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115आर के अनुसार 10% की दर से आय वितरण कर एवं उस पर 10% अधिभार की शर्त के अधीन हैं और आय वितरण पर स्रोत पर कोई कर कटौती नहीं है।
- (ii) इस योजना के अंतर्गत होने वाला कोई भी दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 48 और 112 में दिए गए निर्देशों के अधीन होगा। वर्तमान में निवेशक को लागत स्फीति सूचकांक का लाभ उठाने के बाद दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ पर 20% की दर से कर का भुगतान करना होगा।
- (iii) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से पूर्णतया मुक्त है।
- (iv) उपहार कर अधिनियम, 1958 ने 1 अक्टूबर, 1998 या उसके बाद दिए गए उपहारों के मामले में उपहार कर की उगाही को समाप्त कर दिया है। अतः यूटीआई जी-सेक की यूनिटों पर, बिना किसी ऊपरी सीमा के, उपहार कर नहीं लगेगा।
- (v) योजना के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा आय वितरण के संबंध में स्रोत पर कर की कोई कटौती नहीं होगी, चाहे आय वितरण की राशि कुछ भी हो।

2. धारा 54ईए के अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट की पात्रता

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से उद्भूत शुद्ध प्रतिफल का यूटीआई जी-सेक फंड में पूर्ण अथवा आंशिक निवेश, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईए के अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के योग्य होगा, बशर्ते यूनिटों की पुनर्खरीद की उपलब्धि आवेदन की स्वीकृति की तिथि से तीन वर्षों के बाद हो।

धारा 54ईबी के अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट की पात्रता

दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से उद्भूत पूंजीगत अभिलाभ का यूटीआई जी-सेक फंड में पूर्ण अथवा आंशिक निवेश, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईबी के अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर छूट के योग्य होगा, बशर्ते यूनिटों की पुनर्खरीद आवेदन की स्वीकृति की तिथि से सात वर्षों के बाद हो।

3. पात्र न्यासों के लिए

यूनिट, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)(बी) के अन्तर्गत अनुमोदित प्रतिभूतियां हैं। इसलिए यूनिटों में निवेश करने वाले पात्र न्यास, आय और निधि के संबंध में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और 13 के अधीन आवश्यक कर छूट के योग्य होंगे।

अनिवासी

(i) योजना के अंतर्गत आय और पूंजी वृद्धि पर कराधान भारत में प्रचलित कर कानूनों के अधीन होगा। आय और पूंजी के प्रत्यावर्तन के संबंध में वर्तमान कर कानून खंड VII (ii), (iii) और (iv) के अनुसार है।

(ii) एनआरओ खाते से इस योजना में किए गए निवेश से उद्भूत कोई दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाभ आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 48 एवं 112 के अंतर्गत निवृत्ति के अधीन होगा।

(iii) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों में किए गए निवेश का मूल्य धनकर से मुक्त है।

(iv) उपहार कर अधिनियम, 1958 ने 1 अक्टूबर, 1998 या उसके बाद दिए गए उपहारों के मामले में उपहार कर की दायिदारी को समाप्त कर दिया है। अतः यूटीआई जी-सेक की यूनिटों पर, बिना किसी ऊपरी सीमा के, उपहार कर नहीं लगेगा।

XVI. निवेशकों के अधिकार एवं सेवाएं

1. योजना के अधीन सदस्यों को संबंधित योजना की आस्तियों के लाभकारी स्वामित्व में तथा योजना द्वारा घोषित आय में, उन लोगों के लिए जिन्होंने आय विकल्प चुना है, समानुपातिक अधिकार है।

2. सदस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जो उनके निवेशों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हो तथा सदस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यासी बाध्य होंगे।

3. सदस्यों को आवेदन की स्वीकृति की तिथि से 6 सप्ताह के भीतर लेखा विवरणी करवाए जाने का अधिकार है।
4. सदस्यों को अधिकार है कि कार्यालय, जहां पुनर्खरीद आग्रह संसाधित किए जाते हैं, वहां आवेदन के प्राप्त होने की तिथि से 10 कार्य दिवसों के भीतर (बशर्ते कि आवेदन सही हो) पुनर्खरीद प्राप्ति या उन्हें भेजी जाएं।
5. सदस्यों को आय वितरण की घोषणा की तारीख के 42 दिनों के भीतर आय वितरण वारंट प्राप्त करने का अधिकार है।
6. संबद्ध लेखा वर्ष की समाप्ति की तिथि से छः माह के भीतर यूटीआई जी सेक फंड के संदर्भ में संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति सभी सदस्यों को भेजी जाएगी एवं इसे निरीक्षण के लिए केंद्रीय निवेशक संपर्क कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा एवं इसकी प्रति सदस्यों को नाममात्र शुल्क, यदि कोई हो, के भुगतान पर उपलब्ध कराई जाएगी।
7. योजना की मूलभूत विशेषताओं में किसी तरह का परिवर्तन योजना के कम से कम तीन चौथाई सदस्यों की स्वीकृति से ही किया जाएगा। मूल विशेषताओं में किसी प्रकार के परिवर्तन की स्थिति में, जो अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं, वे अपनी धारिताएं उन्मोचित कराने के लिए स्वतंत्र होंगे।
8. विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में सदस्यों का अनुमोदन 'पोस्टल बैलट' के जरिए मांगा जाएगा।
9. सदस्यों को केंद्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, बेसमेंट द्वार नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुंबई-400 020 में रखे निम्नलिखित दस्तावेजों के निरीक्षण का अधिकार है :

- * यूटीआई अधिनियम
- * यूटीआई सामान्य विनियम
- * अभिरक्षक, रजिस्ट्रार के साथ किए गए करार की प्रतियां
- * यूटीआई जी-सेक फंड के पेशकश दस्तावेज की प्रति

XVII. भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना एवं प्रबंधन

यूटीआई की स्थापना

यूटीआई अधिनियम, 1963 के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य बचत एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटान से ट्रस्ट को प्रोद्भूत होनेवाली आय, लाभों और अभिलाभों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरंभ किया।

यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है।

मंडल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

न्यासी मंडल *

1. श्री पी एस सुब्रमनीयम	अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2. डॉ पी जे नायक	कार्यपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
3. श्री एस गुरुमूर्ति	कार्यपालक निदेशक, रिजर्व बैंक
4. श्री जी पी गुप्ता	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईडीबीआई
5. श्री एन एस सेखसरिया	प्रबंध निदेशक, गुजरात अंबुजा सिमेन्ट्स लि.
6. श्री राजेन्द्र पी चितले	सनदी लेखाकार
7. डॉ. विश्वनाथ वी देसाई	अर्थशास्त्री
8. श्री जी कृष्णमूर्ति	अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम
9. श्री जी जी वैद्य	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
10. श्री के सी चौधरी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

* वर्तमान में न्यासियों की अन्य निदेशिकताएं इस प्रकार हैं :

1. श्री पी.एस. सुब्रमनीयम- (i) अध्यक्ष एवं निदेशक-इंडिया फंड, (ii) अध्यक्ष एवं निदेशक -इंडिया ग्रोथ फंड, (iii) अध्यक्ष एवं निदेशक -इंडिया एक्सेस लि., (iv) अध्यक्ष एवं निदेशक -इंडिया पब्लिक सैक्टर फंड लि., (v) अध्यक्ष, शासी परिषद - यूटीआई-- इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट्स, (vi) अध्यक्ष एवं निदेशक - यूटीआई इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी सर्विसेज लि., (vii) अध्यक्ष एवं निदेशक - यूटीआई इन्वेस्टर सर्विसेज लि., (viii) अध्यक्ष -यूटीआई सिक्यूरिटीज एक्सचेंज लि., (ix) निदेशक - यूटीआई बैंक लि., (x) अध्यक्ष एवं निदेशक - ओवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ इंडिया, (xi) सदस्य - भारतीय जीवन बीमा निगम (xii) निदेशक - डिस्काउंट एंड फाइनेंस हाउस ऑफ इंडिया लि. , (xiii) निदेशक - सिक्यूरिटीज ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.
2. डॉ. पी.जे. नायक - (i) शासी परिषद के सदस्य - यूटीआई इन्स्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, (ii) निदेशक - भारतीय यूनिट ट्रस्ट निवेशक सेवा लि., (iii) निदेशक -यूटीआई आईएस लि., (iv) निदेशक- भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (v) निदेशक -नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लि. (vi) अध्यक्ष एवं निदेशक-यूटीआई गर्नसे लि. (vii) निदेशक--इंडिया डेट फंड (viii) निदेशक--इंडिया आईटी फंड
3. श्री जी.पी.गुप्ता - (i) अध्यक्ष-भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, (ii) निदेशक -इंडिया फंड, (iii) निदेशक -इंडिया ग्रोथ फंड, (iv) निदेशक-भारतीय मितिकाटा एवं वित्त गृह लि., (v) निदेशक-भारतीय आयात-निर्यात बैंक, (vi) निदेशक-भारतीय प्रतिभूति व्यापार एवं निगम लि., (vii) निदेशक-इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनेंस कं. ऑफ इंडिया लि., (viii) निदेशक - इंडियन एयरलाइन्स लि. (ix) निदेशक - आईडीबीआई बैंक लि. (x) सदस्य - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (xi) सदस्य-भारतीय जीवन बीमा निगम (xii) सदस्य-भारतीय साधारण बीमा निगम (xiii) निदेशक-दक्षिण एशिया क्षेत्रीय निधि, (xiv) अध्यक्ष-दक्षिण एशिया डेवलपमेंट फंड, (xv)

समिति सदस्य-भारतीय बैंक संस्था, (Xvi) सदस्य-बैंकर प्रशिक्षण कॉलेज (भारतीय रिजर्व बैंक), (Xvii) सदस्य-एशिया एवं प्रशांत में विकासशील वित्तीय संस्थाओं का संघ, (Xviii) सदस्य-बैंकिंग कर्मचारी चयन संस्था, (Xix) सदस्य-भारतीय कंपनी सचिव संस्था।

4. श्री एन.एस. सेखसरिया - (i) निदेशक - गृह फाइनेंस लि. (ii) निदेशक - राधा माधव इन्वेस्टमेंट लि. (iii) होमट्रस्ट हाउसिंग फाइनेंस कं. लि. (iv) निदेशक - अंबूजा सिमेंट फाउंडेशन (v) निदेशक - अंबूजा शिक्षण संस्था।
5. श्री राजेन्द्र पी चितले - (i) भारतीय लघु विकास बैंक, (ii) निदेशक - नेशनल सिन्यूरिटीज क्लीयरिंग कॉर्पोरेशन लि., (iii) निदेशक - जे एम कैपिटल मैनेजमेंट लि., (iv) निदेशक - जूरिक एसेट मैनेजमेंट कं. (इंडिया) लि., (v) निदेशक - इंडिया इंडेक्स एंड प्रोडक्ट्स लि., (vi) निदेशक - असोसिएशन ऑफ लीजिंग एंड फाइनेन्शियल सर्विसेज कंपनीज, (vii) सदस्य - बैंक ऑफ अमेरिका एनटी एंड एसए का भारतीय सलाहकार मंडल (ix) सदस्य - निवेश समिति, भारतीय जीवन बीमा निगम।
6. श्री जी. कृष्णमूर्ति - (i) अध्यक्ष - एलआईसी (अंतर्राष्ट्रीय) ईसी, बहरीन (ii) एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. (iii) निदेशक - भारतीय साधारण बीमा निगम, (iv) निदेशक - पोयशा इंडस्ट्रियल कं. लि. (v) नेशनल इश्यूरेस अकादमी (vi) अध्यक्ष, शासी मंडल - नेशनल इश्यूरेस अकादमी (vii) निदेशक - नेशनल आउसिंग बैंक (viii) निदेशक - यूटीआई बैंक लि. (ix) निदेशक - भारतीय नितिकाटा और वित्त गृह (x) केनिडिया एन्श्योरेस कं. लि., केन्या (xi) निदेशक - भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम (xii) अध्यक्ष - बीमा समिति के शासी निकाय
7. श्री जी जी वैद्य - (i) अध्यक्ष - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि., (ii) अध्यक्ष - एसबीआई फंड मैनेजमेंट लि., (iii) अध्यक्ष - एसबीआई गिल्ड्स लि., (iv) अध्यक्ष - एसबीआई सिन्यूरिटीज लि., (v) अध्यक्ष - एसबीआई फैक्टर्स एंड कमर्शियल सर्विसेज लि., (vi) अध्यक्ष - एसबीआई यूरोपियन बैंक लि., (vii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंदौर, (viii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र, (ix) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, (x) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, (xi) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, (xii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, (xiii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर, (xiv) अध्यक्ष - भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया), (xv) अध्यक्ष - भारतीय स्टेट बैंक (कनाडा), (xvi) उपाध्यक्ष - शासी परिषद - भारतीय बैंक संस्था, (xvii) निदेशक - भारतीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, (xviii) भारतीय आयात-निर्यात बैंक, (xix) निदेशक - साधारण बीमा निगम, (xx) शासी मंडल के सदस्य एवं वित्त समिति के अध्यक्ष - भारतीय बैंक प्रबंधन संस्था, (xxi) शासी मंडल के सदस्य, अध्यक्ष - वित्त समिति एवं कार्यालय परिसर समिति तथा आईबीपीएस प्रशासक समिति (कर्मचारी भविष्य निधि) बैंक कर्मचारी चयन संस्था, सदस्य - बैंक तकनीकी विकास एवं अनुसंधान संस्था, निदेशक - इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फायनेंस कॉर्पोरेशन, निदेशक - निदेशक - इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फायनेन्शियल सर्विसेज लि., निदेशक - निर्यात ऋण एवं गारंटी निगम।
8. श्री के सी चौधरी - (i) अध्यक्ष - बैंक अंकेक्षण पर लघु समूह, भारतीय बैंक संघ, (ii) अध्यक्ष - बैंकिंग परिचालन, भारतीय बैंक संघ, (iii) अध्यक्ष - ऋण संबंधी मामलों पर लघु समूह, भारतीय बैंक संघ, (iv) अध्यक्ष - आईबीए व्यापार निकाय/संघों के साथ समन्वय हेतु कार्य समूह, (v) अध्यक्ष - भारतीय बैंक संघ - स्थानीय शाखा, (vi) सदस्य - प्रबंध समिति, भारतीय बैंक संघ, (vii) अध्यक्ष - सेंटबैंक होम फायनेंस लि., (viii) अध्यक्ष - सेंटबैंक फायनेन्शियल एवं कस्टोडियल सर्विसेज लि., (ix) निदेशक - कृषि वित्त निगम लि., (x) निदेशक - मास्टरकार्ड

एशिया/पेसिफिक बोर्ड, (Xi) निदेशक - न्यू इंडिया एश्योरेस कं. लि., (Xii) सदस्य - टास्क फोर्स, भारत। बैंक संघ।

निधि का प्रबंधन -

श्री मनीष भाटिया, सहायक महाप्रबंधक निधि प्रबंधक होंगे।

योग्यता : सनदी लेखाकार

अनुभव एवं पृष्ठभूमि - वर्तमान में बाजार परिचालन, निधि प्रबंधन विभाग (यूनिट योजना-64 एवं सभी इक्विटी योजनाओं) में कार्यरत हैं।

पदनाम/विभाग/अवधि : उत्तरदायित्व

सहायक महाप्रबंधक निधियों का प्रबंधन
निधि प्रबंधक विभाग सितंबर
1997 से अब तक

प्रबंधक/इक्विटी अनुसंधान कक्ष इक्विटी विश्लेषण
मार्च 1996 से अगस्त, 1997

प्रबंधक/अंतर्राष्ट्रीय वित्त विभाग ट्रस्ट की विदेशी निधियों के लिए इक्विटी अनुसंधान सहायता प्रदान करना
अगस्त, 1994 - फरवरी,
1996

XVIII. योजना के लिए अन्य सेवाएं देने वाले

1. अभिरक्षक

भारतीय स्टॉक धारिता निगम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए करार के अनुसार हमारी सभी योजनाओं और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टॉक धारिता निगम है जिसका कार्यालय मित्तल कोर्ट, बी विंग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई - 400 021 में स्थित है।

अभिरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लें और उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी केवल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिफल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आस्तियों की बिक्री, खरीद, अंतरण एवं अन्य लेन-देन से संबंधित अभिरक्षा संबंधी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी गैर विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक ब्यौरों के लिए सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनाएं, रिपोर्टें अथवा ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के वास्तविक रूप से सत्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रयोजन हेतु ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट के लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी स्पष्टीकरण उपलब्ध करायेंगे।

भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि. (एसएचसीआईएल) का सेबी रजिस्ट्रेशन नंबर आइएन/सीयूएस/011 है।

एसएचसीआईएल सुरक्षा प्रभार इस प्रकार है :

	इलेक्ट्रॉनिक	मूर्त
डीमैटिरियलाइजेशन	रु. 5 प्रति प्रमाणपत्र	-
खरीद	8.5 आधार बिन्दु	रु. 100 प्रति डीआईपी
बिक्री	3.5 आधार बिन्दु	रु. 100 प्रति डीआईएस
अभिरक्षा	2.5 आधार बिन्दु दैनिक आधार पर परिकलित	8 आधार बिन्दु प्रति वर्ष साप्ताहिक आधार पर परिगणित
बाजार से बाहर खरीद	13.5 आधार बिन्दु	-
बाजार से बाहर बिक्री	3.5 आधार बिन्दु	-
रीमैटिरियलाइजेशन	रु. 15 प्रति प्रमाणपत्र	-

2. लेखा परीक्षक

मेसर्स चतुर्वेदी एंड कंपनी, चाटर्ड एकाउंटेंट, 60 बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता 700 069 एवं मेसर्स बाटलीबॉय एण्ड पुरोहित, चाटर्ड एकाउंटेंट, नेशनल एंशयोरेंस बिल्डिंग, 204, डी.एन. रोड, फोर्ट, मुंबई 400001। योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति आईडीबीआई द्वारा की जाती है, और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

3. रजिस्ट्रार :

यूटीआई इन्वेस्टर्स सर्विसेस लिमिटेड - सेबी रजिस्ट्रेशन सं. आईएनआर00000121- को रजिस्ट्रार का कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रजिस्ट्रार के पास आवेदन पत्रों, पुनर्खरीद आग्रहों की प्रोसेसिंग करने, खाता विवरणी एवं आय वितरण वारंटों को निर्धारित समय के भीतर प्रेषित करने और निवेशक की शिकायतों को दूर करने जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पर्याप्त क्षमता है।

आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग और बिक्री के पश्चात् सेवाएं रजिस्ट्रार के निम्नलिखित कार्यालयों द्वारा प्रदान की जाएंगी :

पश्चिमी अंचल : प्लॉट सं. 369, मरोल मरोशी रोड, मरोल मरोशी बस डिपो के पास, विजय नगर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400 059

पूर्वी अंचल : बाम्बे म्यूचुअल बिल्डिंग, 4थी मंजिल, 9 ब्राबर्न रोड, कलकत्ता - 700 001.

दक्षिणी अंचल : 45, जस्टिस बशीर अहमद सय्यद बिल्डिंग, दूसरी लाईनबीच, चेन्नई 600 001.

उत्तरी अंचल : (उत्तर प्रदेश को छोड़कर) : कंचनजंघा बिल्डिंग, ऊपरी भू-तल, 18 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली-110002.

लखनऊ : (केवल उत्तर प्रदेश राज्य के लिए) : दूकान सं. 8 एवं 9, 2री मंजिल, सरण चैम्बर्स सं. 5, पार्क रोड, लखनऊ - 226 001.

4. संग्रहणकर्ता बैंक

निवासियों के लिए कोई संग्रहणकर्ता बैंक नहीं है।

ओमान सल्तनत में ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक की चुनी हुई शाखाएं, अनिवासियों से आवेदन पत्रों का संग्रहण करने हेतु नियुक्त की गई हैं।

ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक एस.ए.ओ.जी के मुख्य व्यापार के पते :

1-ए, मित्तल कोर्ट, नरीमन प्वाइंट,
मुंबई - 400 021

XIX. निवेशकों की शिकायतों का निवारण

1. सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए संबंधित निवेशक संपर्क कक्ष को निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

पश्चिमी अंचल :

सुश्री तन्वी उपाध्ये
भारतीय यूनिट ट्रस्ट
निवेशक संपर्क कक्ष,
'जीएन' ब्लॉक, बान्दरा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स
बान्दरा (पूर्व), मुंबई 400 051
टेली : 652 0850

पूर्वी अंचल :

श्री एस एल चक्रवर्ती
भारतीय यूनिट ट्रस्ट
निवेशक संपर्क कक्ष,
29, एन एस रोड, कलकत्ता-700 001
टेली : 2210533

दक्षिणी अंचल :

सुश्री शिरिन रामप्रसाद/सुश्री हरी प्रिया एस.
भारतीय यूनिट ट्रस्ट
निवेशक संपर्क कक्ष,
यूटीआई हाऊस, 29, राजाजी सालै,
चेन्नई-600 001, टेली : 5260146

उत्तरी अंचल :

श्री बी चक्रवर्ती
भारतीय यूनिट ट्रस्ट
निवेशक संपर्क कक्ष,
हेरॉल्ड हाऊस, 2री मंजिल,
5ए, बहादुरशाह ज़फर मार्ग,
नई दिल्ली 110 002
टेली : 332 1801/331 5574

2. निवेशकों की शिकायतों, जिनका निवारण किया गया, का रिकॉर्ड

पिछले तीन वर्षों की दौरान प्राप्त शिकायतें, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, इस प्रकार हैं:

अवधि	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
01-04-96 से 31-03-97	470169	447495	22675	4.82%
01-04-97 से 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%
01-04-98 से 31-03-99	287260	274580	12680	4.41%
01-04-99 से 30-06-99	60301	54076	6225	10.32%

01-07-98 से 30-06-99 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उन्हें नीचे दिया गया है :

योजना का नाम	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवार- णाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
सीसीसीएफ	722	710	12	1.66%
सीजीजीएफ	4715	4625	90	1.91%
सीजीएस-83	23	23	0	0.00%
सीजीयूएस-91	1040	1040	0	0.00%
सीआरटीएस	100	99	1	1.00%
डीआईपी-91	1183	1168	15	1.27%
डीआईयूपी-93	4406	4336	70	1.59%
डीआईयूपी-95	575	570	5	0.87%
डीआईयूएस-90	156	156	0	0.00%
डीआईयूएस-91	218	216	2	0.92%
डीआईयूएस-92	369	367	2	0.54%
ईओएफ	56	56	0	0.00%
जेसीजीआई	690	612	78	11.30%
जेएसआईएस-91	899	888	11	1.22%
जेएमआईएस-92 (I)	536	529	7	1.31%
जेएमआईएस-92	507	505	2	0.39%

(II)

जीएमआईएस-बी-92	1361	1349	12	0.88%
जीएमआईएस-बी-92(II)	666	660	6	0.90%
ग्रैंडमास्टर-93	867	846	21	2.42%
गृहलक्ष्मी यूनिट प्लान	985	981	4	0.41%
आवास यूनिट योजना	126	126	0	0.00%
आईईएफ-97	101	95	6	5.94%
आईआईएसएफयूएस 95,96,97	12	10	2	16.67%
मास्टर इंडेक्स फंड	166	165	1	0.60%
मास्टर वेल्यू यूनिट प्लान	3	3	0	0.00%
मास्टरगेन-92	29298	28988	310	1.06%
मास्टरग्रोथ-93	2613	2557	56	2.14%
मास्टरप्लस-91	34700	33128	1572	4.53%
मास्टरशेयर-86	22973	22135	838	3.65%
एमईपी-91	1594	1534	60	3.76%
एमईपी-92	9846	9635	211	2.14%
एमईपी-93	6479	6383	96	1.48%
एमईपी-94	4801	4713	88	1.83%
एमईपी-95	8889	8813	76	0.85%
एमईपी-96	1031	964	67	6.50%
एमईपी-97	116	106	10	8.62%
एमईपी-98	455	455	0	0.00%
एमआईपी-93	3591	3525	66	1.84%
एमआईपी-94(I)	928	918	10	1.08%
एमआईपी-94(II)	2148	2133	15	0.70%
एमआईपी-94(III)	1639	1578	61	3.72%
एमआईपी-95	638	629	9	1.41%
एमआईपी-95(II)	804	794	10	1.24%
एमआईपी-95(III)	328	323	5	1.52%
एमआईपी-96	441	433	8	1.81%
एमआईपी-96(II)	455	452	3	0.66%
एमआईपी-96(III)	977	958	19	1.94%
एमआईपी-96(IV)	5175	4954	221	4.27%
एमआईपी-97	1249	1211	38	3.04%
एमआईपी-97(II)	2305	2280	25	1.08%

एमआईपी -97(III)	2328	2254	74	3.18%
एमआईपी -97(IV)	1204	1178	26	2.16%
एमआईपी -97(V)	533	524	9	1.69%
एमआईपी 98	2606	2458	148	5.68%
एमआईपी -98(II)	2710	2662	48	1.77%
एमआईपी -98(III)	3310	3182	128	3.87%
एमआईपी -98(IV)	1512	1474	38	2.51%
एमआईपी -98(V)	1878	1476	402	21.41%
एमआईपी 99	2	1	1	50.00%
एमआईएस-बी-93	2539	2528	11	0.43%
एमआईएसजी-90(I)	1812	1809	3	0.17%
एमआईएसजी-90(II)	3201	3150	51	1.59%
एमआईएसजी-91	5894	5838	56	0.95%
एन.आर.आई. फंड	247	247	0	0.00%
ओमनी-प्लान	51	49	2	3.92%
प्राइमरी इक्विटी फंड	635	626	9	1.42%
राजलक्ष्मी	2958	2940	18	0.61%
सेवानिवृत्ति लाभ प्लान	730	665	65	8.90%
वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान	768	768	0	0.00%
यूजीएस-10000	822	788	34	4.14%
यूजीएस-2000	3336	3256	80	2.40%
यूजीएस-5000	2347	2275	72	3.07%
यूलिप	11234	10767	467	4.16%
यूएस -64	60156	59699	457	0.76%
यूएस -92	2058	2052	6	0.29%
यूटीआई बॉन्ड फंड	293	288	5	1.71%
कुल	279119	272688	6431	2.30%

शिकायतें लंबित रहने के कारण :

- (i) संग्रहणकर्ता बैंकों से आवेदन पत्र/निधियों का प्राप्त न होना।
- (ii) आवेदन पत्र में निवेशक के पते, नाम और हस्ताक्षर सहित अपूर्ण विवरण
- (iii) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सूचित नहीं किया जाना/अद्यतन नहीं किया जाना।
- (iv) मार्ग में ही खो जाना।

(V) डाक सेवा में विलंब

(vi) अंतरण/मृत्यु दावों/पुनर्खरीद के मामलों में अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।

(vii) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण ब्यौरा

(viii) कमीशन प्राप्त न होना/विलंब से प्राप्त होना

(ix) पत्रों/दस्तावेजों को गलत कार्यालय/रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

XX. जुर्माना, लंबित मुकदमे या कार्यवाही, निरीक्षणों/जाँच-पड़तालों के महत्वपूर्ण निष्कर्ष जिनके लिए किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा कार्रवाई की गई है या कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है

1. भारतीय यूनिट ट्रस्ट/न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों में से किसी (विशिष्टतः निधि प्रबंधक) के प्रति सेबी अधिनियम या उसकी कोई विनियमों या किसी स्टॉक एक्सचेंज के अंतर्गत सेबी द्वारा जुर्माना लगाने का कोई मामला नहीं है।
2. न्यासी मंडल या न्यासियों या प्रमुख कार्मिक सहित भारतीय यूनिट ट्रस्ट के व्यवसाय से संबंधित कोई महत्वपूर्ण मुकदमे की कार्यवाही लंबित नहीं है। भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल, न्यासियों या प्रमुख कार्मिक के विरुद्ध कोई फौजदारी मुकदमा लंबित नहीं है।
3. न तो सेबी न ही किसी अन्य विनियामक एजेंसी ने खास तौर से यह सूचित किया है कि भारतीय यूनिट ट्रस्ट के सिस्टम या परिचालन की किसी कमी को पेशकश दस्तावेज में सूचित किया जाए।
4. भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल/न्यासी या प्रमुख कार्मिक के विरुद्ध सेबी अधिनियम और उसके अंतर्गत बने विनियमों के अधीन कोई पूछताछ/अधिनिर्णय की कार्यवाही नहीं है।

XXI. ट्रस्ट में वाई2के के अनुपालन की स्थिति

- ट्रस्ट ने सभी आंतरिक परिचालनों में इयर 2000 का अनुपालन प्राप्त कर चुका है। इसका रख रखाव वाई2के का अनुपालन करनेवाले उत्पादों/सेवाओं की खरीद/विकास के ज़रिए कायम रखा जाएगा।
- ट्रस्ट अपने व्यावसायिक सहयोगियों, बैंकों, ब्रोकरों, आर एंड टी एजेंटों एवं वेंडरों पर निर्भर है। इसलिए इन एजेंसियों द्वारा वाई2के का अनुपालन ट्रस्ट के व्यवसाय के लिए आवश्यक है। ट्रस्ट इन एजेंसियों द्वारा वाई2के के अनुपालन की स्थिति पर निरंतर अपनी नजर रखे हुए है।
- ट्रस्ट को ऐसी उम्मीद है कि इसमें प्रत्यक्ष रूप से रु. 2.89 करोड़ की लागत आएगी। (इसमें उपचार संबंधी उपायों पर किया गया पूंजी व्यय भी शामिल है।)

XXAL संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

(i) पूर्ववर्ती प्रति यूनिट आंकड़े

योजना (अब्जटन की तिथि)	जीयूपी (06/08/94) @				आरबीयूपी (26/12/94) @			
	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	10.70	10.05	9.67	9.67	11.63	13.90	14.32	14.32
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.47	1.33	1.84	1.84	1.42	1.86	1.68	1.68
3. लाभांश : (%) प्र.व.	10.00	12.00	12.00	12.00
4. प्रारक्षितों में अंतरण (यदि कोई हो)	..	0.20	0.51	0.51	..	3.80	1.68	1.68
5. वर्ष के अंत में एनएवी	10.05	9.67	11.14	11.14	13.90	14.32	17.81	17.81
6. वार्षिकीकृत आय (%)	8.44	8.37	11.21	11.21	15.52	12.31	13.65	13.65
7. अवधि के अंत में शुद्ध अस्तियां (रु. करोड़ में)	132.38	115.73	96.46	96.46	122.43	152.55	217.62	217.62
8. शुद्ध अस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.005	0.005	0.27	0.27	0.007	0.010	0.78	0.78

योजना (अब्जटन की तिथि)	यूएस - 95(02/01/95) @				पीईएफ-95(01/08/95) @				एमआईपी-95(II) (01/09/95)			
	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	102.75	98.70	98.52	98.52	12.28	12.45	*9.16	*9.16	10.89	11.42	*14.42	*14.42
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	9.36	15.15	18.97	18.97	0.35	0.15	0.26	0.26	1.30	1.45	0.88	0.88
3. लाभांश : (%) प्र.व.	12.50	13.50	13.50	13.50	#14.00	#12.50	#10.75	#10.75
4. प्रारक्षितों में अंतरण (यदि कोई हो)	..	1.68	3.99	3.99	..	1.42	-2.66	-2.66	0.31	0.48	-0.01	-0.01
5. वर्ष के अंत में एनएवी	98.70	96.11	113.91	113.91	12.45	9.40	13.45	13.45	11.42	*14.42	*16.46	*16.46
6. वार्षिकीकृत आय (%)	12.31	10.19	13.81	13.81	12.79	-2.06	46.83	46.83	21.53	*15.62	*13.89	*13.89
7. अवधि के अंत में शुद्ध अस्तियां (रु. करोड़ में)	119.70	96.11	106.34	106.34	227.61	117.49	135.04	135.04	366.14	346.75	355.68	355.68
8. शुद्ध अस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात	0.002	0.0017	0.16	0.16	0.004	0.017	0.98	0.98	0.011	0.011	1.09	1.09

#31/08/96 तक 13.50%; 01/09/96 - 31/03/98 14.00%; 31/03/98 तक 14.00%; 31/03/99 तक 12.50%

	आईआईएसएसएस-95 (01.10.95)			डीआईपी - 95(01.10.95)			एमईपी - 96 (31.03.96)		
	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनपी	11.00	10.59	10.77	12.06	13.70	13.45	12.00	12.59	10.66
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	1.58	1.20	1.14	1.43	1.25	1.07	0.14	0.02	-1.18
3. लामांश : (%) प्र.व.	15.00	15.00	14.00	..	26.00	#24.00
4. प्रारंभिकों में अंतरण (यदि कोई हो)	..	0.07	-0.33	1.43	0.51	0.14	..	0.31	-20.32
5. वर्ष के अंत में एनपी	10.59	10.77	11.25	13.70	\$11.12	\$10.08	12.59	10.94	13.68
6. वार्षिकीकृत आय (%)	18.38	17.81	18.98	21.16	\$13.54	\$12.70	20.70	4.20	28.33
7. अवधि के अंत में शुद्ध अस्तियां (रु. करोड़ में)	182.60	188.93	200.50	134.87	130.07	131.08	247.35	214.70	235.74
8. शुद्ध अस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.006	0.005	0.49	0.008	0.010	1.21	0.007	0.009	0.08

@ आरंभ तिथि #30.09.98 तक 26% + अस्थायी *संचयी विकल्प ^अ-संचयी विकल्प \$आस्थायित आय विकल्प

योजना (आकटन की तिथि)	एमआईपी-95(III)(01.01.96)			एमआईपी-96 (01.05.96)			एमआईपी-96 (II) (01.07.96)			ईओएफ (01.07.96)		
	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनपी	10.98	11.80	*14.29	10.29	11.05	*13.43	9.96	11.23	*13.94	9.98	10.66	8.46
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	1.44	1.60	1.49	1.35	1.17	1.24	1.24	1.56	1.22	0.46	0.28	-3.93
3. लामांश : (%) प्र.व.	14.00	#12.50	\$10.75	14.50	#13.00	\$10.75	15.00	##13.00	\$10.75
4. प्रारंभिकों में अंतरण (यदि कोई हो)	0.43	0.63	0.61	0.28	0.12	0.29	0.13	0.50	0.29	..	0.89	-7.84
5. वर्ष के अंत में एनपी	11.80	*14.88	*17.43	11.05	*14.09	*15.33	11.23	*13.94	*15.91	10.66	8.64	10.47
6. वार्षिकीकृत आय (%)	26.09	*19.55	*17.21	23.49	*18.90	*14.44	27.34	*19.73	*16.74	6.62	-6.83	23.76
7. अवधि के अंत में शुद्ध अस्तियां (रु. करोड़ में)	458.39	442.31	464.87	250.67	235.45	238.62	417.80	415.79	433.24	26.10	19.38	20.88
8. शुद्ध अस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.010	0.010	0.92	0.011	0.011	1.07	0.010	0.010	0.90	0.016	0.002	0.46

*संचयी विकल्प ^अ-संचयी विकल्प #31.03.98 तक 14%; ##31.03.98 तक 14.50%; ###31.03.98 तक 15%; 31.03.99 तक 12.50%; \$31.03.99 तक 13.00%

	एप्रैल-97 (23.04.97) @				एप्रैल-97 (01.10.96)				अप्रैल-97 (01.01.97)				एप्रैल-97 (31.03.97)			
	1996-97	1997-98	31-12-98	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	10.00	10.17	11.23	10.00	11.04	*13.30	10.00	11.52	*10.50	10.00	11.09	10.60	10.00	10.71	*12.01	9.5
						*10.13			\$11.42						*9.45	-1.87
									\$11.38							
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.14	0.74	0.48	0.80	1.44	1.32	1.18	1.41	1.38	1.01	1.42	1.34	0.67	1.31	1.26	0.71
3. लाभान्तरा : (%) प्र.व.				15.00	*13.00	\$30.75	15.00	15.00	*10.85	16.00	16.00	14.00	15.00	*13.00	\$510.75	
									\$28.00							
4. प्रारंभिक में अंतरा (वर्ष के अंत में)		0.79	0.49	-0.08	0.37	0.38	0.75	1.17	0.87	0.05	-0.16	-0.14	0.02	0.27	0.40	-13.74
5. वर्ष के अंत में एनएवी	10.17	11.23	11.85	11.04	*13.30	*15.05	11.52	*12.65	\$12.50	11.08	10.80	10.99	10.71	*12.01	*13.95	11.67
					*10.13	*9.97		\$13.17	\$15.57					*13.46	*9.53	
6. वार्षिकीकरण आय (%)	9.17	10.41	10.55	29.08	*18.81	*16.04	38.57	*12.12%	\$15.54	38.25	19.42	19.09	29.61	*9.45	*14.27	22.84
					*17.38	*14.86		\$15.53%	\$17.40					*13.23	*13.00	
								\$18.57%	\$17.75							
7. अन्तिम के 24 में शुद्ध अतिरिक्त (र. करोड़ में)	37.99	105.39	154.29	416.50	413.56	625.60	241.41	254.44	268.16	206.50	174.06	180.43	891.29	841.61	884.01	85.55
8. शुद्ध अतिरिक्त में अन्तिम आय का अनुपात (%)	0.001	0.002	0.001	0.006	0.010	1.00	0.007	0.009	1.05	0.003	0.003	0.29	0.007	0.011	1.04	0.10

*संचयी विकल्प *अ-संचयी विकल्प *असंचयित आय विकल्प @ लाभान्तरा विकल्प एवं एनएवी विकल्प
 #31.03.98 तक 15% @31.03.98 तक 15% @31.03.98 तक 13% \$31.03.98 तक 13%

+असंचयी

कोटन (असंचयित की तिथि)	एप्रैल-97 (01.05.97)				एप्रैल-97 (01.07.97)				अप्रैल-97 (01.08.97)				एप्रैल-97 (01.11.97-31.03.98)			
	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1996-97	1997-98	1998-99+	1998-99+
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	10.00	10.32	*9.31	10.00	10.09	*9.50	10.00	10.14	9.48	10.00	10.00	9.21	-	*9.70	-	*9.99
			*9.06			*9.25								*9.38		*9.53
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.25	1.02	0.53	0.11	1.08	0.67	0.12	1.07	1.13	0.00	0.00	0.87	0.84	1.01	0.81	0.87
3. लाभान्तरा : (%) प्र.व.	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	13.00	13.00	12.50	12.50
4. प्रारंभिक में अंतरा (यदि कोई हो)	-0.06	-0.29	-0.84	0.03	-0.08	-0.69	-	-0.49	-0.53	2.88	-0.26	-0.29	0.01	-0.36
5. वर्ष के अंत में एनएवी	10.32	*9.31	*8.97	10.09	*9.50	*9.30	10.14	9.48	9.43	10.00	9.33	14.73	*9.70	*9.89	*9.20	*10.21
		*9.06	*8.47		*9.25	*8.63							*9.38	*9.42	*10.40	*9.58
6. वार्षिकीकरण आय (%)	33.44	*5.09	*7.40		*5.52	*9.02		9.83	12.33	..	-07.30	59.93	*5.54	*11.28	7.45	*12.70
		*8.98	*7.73		*10.03	*8.97							*9.52	*10.60	*6.86	*10.69
7. अन्तिम के अंत में शुद्ध अतिरिक्त (र. करोड़ में)	1185.73	1118.75	1127.48	1462.16	1478.46	1542.12	685.15	640.48	645.69	31.28	30.91	48.78	829.79	873.59	924.40	988.25
8. शुद्ध अतिरिक्त में अन्तिम आय का अनुपात (%)	0.006	0.012	1.12	0.00	0.011	1.05	0.000	0.005	0.49	0.001	0.017	0.06	0.011	1.06	0.007	0.79

*संचयी विकल्प *असंचयी विकल्प

[illegible]

(१) कर्म-पुरुषः - अष्टावली किन्त्य सुदर्शनक किन्त्य नमोस्तुतये
 (२) श्रुति-भूतः पुरी के कामेश्वर के स्थित मुकुटन श्री विष्णु की भाई है ।

पर्यवर्ती आंकड़े प्रति यूनिट (1998-99)

योजना	30.6.99* को एनएवी	वार्षिकीकृत आय (%)
जीयूपी	11.14	11.21%
आरबीयूपी	17.81	13.65%
यूएस-95	113.91	13.81%
पीईएफ-95	13.45	--
एमईपी-96	13.68	28.33%
एमआईपी-96	--	--
-अ-संचयी	9.53	13.36%
-संचयी	15.33	14.44%
एमआईपी-96(II)	--	--
-अ-संचयी	10.13	15.46%
-संचयी	15.91	16.74%
ईओएफ	10.47	23.76%
एमआईपी-96(III)	--	--
-अ-संचयी	9.97	14.86%
-संचयी	15.05	16.04%
डीआईपी-91	--	--
-तिमाही	10.23	15.54%
-आस्थगित आय	12.5	17.10%
-वृद्धि	15.57	17.75%
आईआईएसएफयूएस-96	10.99	19.09%
एमआईपी-96(IV)	--	--
-अ-संचयी	9.53	13.00%
-संचयी	13.95	14.27%
एमईपी-97	11.67	22.84%
एमआईपी-97	--	--
-अ-संचयी	8.47	7.73%
-संचयी	8.97	7.60%
एमआईपी-97(II)	--	--
-अ-संचयी	8.83	8.97%
-संचयी	9.3	9.02%
आईआईएसएफयूएस-97	9.43	12.33%

योजना	30.6.99 को एनएवी	वार्षिकीकृत आय (%)
आईईएफ	14.73	59.93%
एमआईपी-97(III)	--	--
-अ-संचयी	9.42	10.60%
-संचयी	9.89	11.28%
एमआईपी-97(IV)	--	--
-अ-संचयी	9.58	10.69%
-संचयी	10.21	12.70%
एमआईपी-97(V)	--	--
-मासिक	9.62	9.82%
-संचयी	9.99	9.54%
-वार्षिक	10.21	9.85%
आईआईएसएफयूएस-97(II)	9.81	11.16%
एमईपी-98	10.91	28.81%
एमआईपी 98	--	--
-मासिक	9.88	12.25%
-संचयी	10.34	13.46%
-वार्षिक	10.22	12.49%
यूजीएस-10000	14.28	--
एमआईएफ-98	12.87	--
एमबीयूपी	14.08	--
आईआईएसएफयूएस-98	9.95	13.16%
एनआरआई फंड	--	--
एमआईपी-98(II)	--	--
-मासिक	9.62	9.22%
-संचयी	9.98	9.57%
-वार्षिक	10.96	9.60%
एमआईपी-98(III)	--	--
-मासिक	9.87	11.63%
-संचयी	10.36	13.85%
-वार्षिक	11.16	14.13%
यूटीआई बॉण्ड फंड	11.4731	12.62%
यूटीआई एसआईएफ	11.71	17.51%

* अस्थायी

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

कार्पोरेट कार्यालय

13, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुंबई-400020, टेलि. : 2068468

आंचलिक कार्यालय

• पश्चिमी अंचल : यूटीआई टॉवर, "जी एन" ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई-400051. टेलि. : 6520850. • पूर्वी अंचल : 29, एन.एस. रोड, कलकत्ता-700001. टेलि. : 220 0571. • दक्षिणी अंचल : यूटीआई हाऊस, 29, राजाजी सालै, चेन्नई-600001. टेलि. : 517101. • उत्तरी अंचल : जीवन भारती, 13 वीं मंजिल, टावर II, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110001. टेलि. : 3329860.

पश्चिमी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

अहमदाबाद : बी जे हाऊस, 2री, 3री और 4थी मंजिल, आश्रम मार्ग, अहमदाबाद-380009. टेलि. : 6583043. • बड़ौदा : मेघधनुष, चौथी और पांचवीं मंजिल, ट्रान्स्पेक सर्कल, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा-390015. टेलि. : 336962. • भोपाल : पहली मंजिल, गंगाजमुना कमर्शियल काम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 202, महाराणा प्रताप नगर, अंचल-1, स्कीम 13, हबीब गंज, भोपाल-462001. टेलि. : 558308. • इन्दौर : सिटी सेंटर, दूसरी मंजिल, 570, एम जी रोड, इन्दौर-452001. टेलि. : 535607. • मुंबई : (1) यूनिट सं. 2, ब्लॉक 'बी' गुलमोहर क्रॉस रोड नं. 9, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई - 400049. टेलि. : 6201995. • मुंबई : (2) पर्सपोलिस बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, आंध्र बैंक के ऊपर, सेक्टर 17, वाशी, नवी मुंबई - 400703. टेलि. : 7672607. • मुंबई : (3) लोटस कोर्ट बिल्डिंग, 196, जमशेदजी टाटा रोड, बैंकबे रिक्लमेशन, मुंबई-400020. टेलि. : 2850821. • मुंबई : (4) श्रद्धा शॉपिंग आर्केड, पहली मंजिल, एस वी रोड, बोरिवली (पश्चिम), मुंबई-400092. टेलि. : 8980521. • मुंबई : (5) सागर बोनांजा, पहली मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई- 400086. टेलि. : 5162256. • कोल्हापुर : अयोध्या टावर्स, सी एस नं. 511, केएच-1/2, 'ई' वार्ड, दाबोलकर कार्नर, स्टेशन रोड, कोल्हापुर-416001. टेलि. : 657315. • नागपुर : श्री मोहिनी काम्प्लेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, नागपुर-440001. टेलि. : 536893. • नासिक : सारदा संकुल, दूसरी मंजिल, एम.जी. रोड, नासिक-422001. टेलि. : 572166. • पणजी : ई.डी.सी. हाऊस, भूतल, डॉ. ए बी मार्ग, पणजी, गोवा-403001. टेलि. : 222472. • पुणे : सदाशिव विलास, तीसरी मंजिल, 1183 फर्ग्युसन कालेज रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411005. टेलि. : 325954. • राजकोट : लल्लूभाई सेन्टर, तीसरी मंजिल, लखाजी राज रोड, राजकोट-360001. टेलि. : 235112. • सूरत : सैफी बिल्डिंग, डच रोड, ननपुरा, सूरत-395001. टेलि. : 474550. • ठाणे : यूटीआई हाऊस, स्टेशन रोड, ठाणे (प.) -400601. टेलि. : 5400905.

पूर्वी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर : ओसीएचसी बिल्डिंग, 1ली एवं 2री मंजिल, 24, जनपथ खारवेला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर - 751001. टेलि. : 410995. • कलकत्ता : 4, फेयरली प्लेस, कलकत्ता 700001. टेलि. : 2203045/46. • दुर्गापुर : तीसरी एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटी सेन्टर, दुर्गापुर 713216. टेलि. : 546831. • गुवाहाटी : हिंदुस्तान बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एम एल नेहरू रोड, पानबाजार, गुवाहाटी 781001. टेलि. : 543131. • जमशेदपुर : 1-ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तूपुर, जमशेदपुर 831001. टेलि. : 425508. • पटना : जीवन दीप बिल्डिंग, भूतल और पांचवीं मंजिल, एकिजबिशन रोड, पटना 800001. टेलि. : 235001. • सिलीगुड़ी : जीवन दीप, भूतल, गुरु नानक सारनी, सिलीगुड़ी - 734401. टेलि. : 424671.

दक्षिणी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

बंगलोर : रहेजा टॉवर्स, 26-27, 12वीं मंजिल, पश्चिमी स्कंध, एम जी मार्ग, बंगलोर 560001. टेलि. : 5595691. • **कोचीन** : जीवन प्रकाश, पांचवीं मंजिल, एम जी रोड, एर्नाकुलम - 682011. टेलि. : 362354. • **कोयम्बतूर** : चेरन टावर्स, तीसरी मंजिल, 6/25, आर्टस् कालेज रोड, कोयम्बतूर 641018. टेलि. : 214973. • **हुबली** : कालबर्गी मेशन, 4 थीं मंजिल, लेमिंगटन रोड, हुबली 580020. टेलि. : 363963. • **हैदराबाद** : पहली मंजिल, सुरभि आर्केड, 5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद 500195. टेलि. : 461 1095. • **चेन्नई** : यू.टी.आई. हाउस, 29, राजाजी सालै, चेन्नई 600001. टेलि. : 517101. • **मदुरई** : तमिलनाडु सर्वोदय संघ बिल्डिंग, 108, तिरुप्परनकुन्द्रम रोड, मदुरई 625001. टेलि. : 738186. • **मंगलोर** : सिद्धार्थ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-भत्ता रोड, मंगलोर-575001. टेलि. : 426258. • **तिरुअनंतपुरम** : स्वस्तिक सेन्टर, तीसरी मंजिल, एम. जी. रोड तिरुअनंतपुरम 695001. टेलि. : 331415. • **त्रिघी** : 104, सलाई रोड, वोरेयूर, तिरुचिरापल्ली 620003. टेलि. : 760060. • **त्रिचूर** : 28/700, वेस्ट पल्लिथामाम बिल्डिंग, करुणाकरण नंबियार रोड, राउंड नॉर्थ, त्रिचूर 680020. टेलि. : 331259. • **विजयवाड़ा** : 27-37-156, बन्दर रोड, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा 520002. टेलि. : 571134. • **विशाखापट्टनम्** : रत्ना आर्केड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेशन रोड, द्वारका नगर, विशाखापट्टनम् 530016. टेलि. : 548121.

उत्तरी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

आगरा : भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा - 282002. टेलि. : 54408. • **इलाहाबाद** : यूनाइटेड टावर्स, तीसरी मंजिल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद 211003. टेलि. : 400521. • **अमृतसर** : श्री द्वारकाधीश काम्प्लेक्स, दूसरी मंजिल, विवन्स रोड, अमृतसर-143001. टेलि. : 64388. • **चंडीगढ़** : जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160017. टेलि. : 703683. • **देहरादून** : दूसरी मंजिल, 59/3, राजपुर रोड, देहरादून 248001. टेलि. : 746720. • **फरीदाबाद** : बी-614-617, नेहरू ग्राउंड, एनआईटी, फरीदाबाद -121001. टेलि. : 219156. • **गजियाबाद** : 41, नवयुग मार्केट, सिंघानी गेट के समीप, गजियाबाद - 201001. टेलि. : 790366. • **जयपुर** : आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र रोड, जयपुर 302001. टेलि. : 365212. • **कानपुर** : 16/79इ, सिविल लाईन्स, कानपुर 208001. टेलि. : 317278. • **लखनऊ** : रिजेन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क रोड, लखनऊ 226001. टेलि. : 238502. • **लुधियाना** : सूर्यकिरण फेस-2, 92, द माल, लुधियाना 141001. टेलि. : 441264. • **नई दिल्ली** : डेली तेज, तीसरी मंजिल, 8 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002. टेलि. : 3318638. • **शिमला** : फ्लैट नं. 401, 402, 403, 405 मुकेश अपार्टमेंट्स, फिंगास्क एस्टेट, होटल शील के समीप, शिमला - 171 002. टेलि. : 257803. • **वाराणसी** : पहली मंजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केट रथयात्रा, वाराणसी 221001. टेलि. : 358606.

एनआरआई शाखा

कामर्स सेंटर -1, 28 वीं मंजिल, विश्व व्यापार केंद्र, कफ परेड, कोलाबा मुंबई-400 005. • टेलि. : 218 4184 • फैक्स : 218 2322

दुबई प्रतिनिधि कार्यालय

पोस्ट बॉक्स नं. - 29288, 17, अल-मस्कान, करामा, दुबई - यू.ए.ई. • टेलि. : 00971 4 356656 • फैक्स : 356636
यूटीआई लंदन शाखा :
 यूटीआई (जरनसी लि.) श्री प्रदीप कुमार, स्टेट बैंक हाऊस, 1, मिल्क स्ट्रीट, लंदन ईसी2पी जेपी • टेलि. : 0044171 454 0415 • फैक्स : 0044171 454 0416.

ओमान आंतर्राष्ट्रीय बैंक की शाखाएँ -----

एनआरआई केंद्र : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 1216, पोस्टल कोड 112, रूवी शाखा. सल्तनत ऑफ ओमान : अल कुवीर, पोस्ट कार्यालय बॉक्स 1216, रूवी-112. बुरैमी : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 358, बुरैमी -512. फहुद : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. मारमुल : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. मीना अल फहल : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 54, मीना-अल-फहल-116. मस्कर अल मुर्तफा : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 559, सीपीओ सीब 111. मुत्राह : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 117, मुत्राह 114. निझवा : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 71. निझवा-611. कोरम : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 43, मीना-अल-फहल-116. सलालाह : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 1453, सलालाह-211. स्लिफ : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 11, इब्री 511. सुर : पोस्ट कार्यालय बॉक्स 651, सुर - 411.

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मुंबई

यूटी/डीबीडीएम/एसपीडी-3/99-2000

अप्रैल 1999

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई निम्नलिखित योजनाओं

1. प्राइमरी इक्विटी फंड 95
2. मास्टरगेन 92
3. ग्रैन्डमास्टर 93
4. मास्टर प्लस-91
5. यूजिएस 10000
6. इक्विटी अपॉर्च्युनिटी फंड
7. यूटीआई -इन्डेक्स इक्विटी फंड
8. आईआईएसएफयूएस 95
9. आईआईएसएफयूएस 96
10. आईआईएसएफयूएस 97
11. आईआईएसएफयूएस 97(II)
12. आईआईएसएफयूएस 98
13. यूटीआई एनआरआई फंड

के प्रावधानों/पेशकश दस्तावेजों में संशोधनों तथा भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(ग) के अंतर्गत निर्मित निम्नलिखित :

1. मासिक आय प्लान 95(II)
2. मासिक आय प्लान 95(III)
3. मास्टर इक्विटी प्लान 96
4. मास्टर इक्विटी प्लान 97
5. मास्टर इक्विटी प्लान 98
6. मासिक आय प्लान 96
7. मासिक आय प्लान 96(II)
8. मासिक आय प्लान 96(III)
9. मासिक आय प्लान 96(IV)
10. मासिक आय प्लान 97
11. मासिक आय प्लान 97(II)
12. मासिक आय प्लान 97(III)
13. मासिक आय प्लान 97(IV)

14. मासिक आय प्लान 97(V)
15. मासिक आय प्लान 98
16. मासिक आय प्लान 98(II)
17. मासिक आय प्लान 98(III)
18. मासिक आय प्लान 98(IV)
19. आस्थगित आय प्लान 91
20. आस्थगित आय प्लान 95
21. मास्टर वेल्यू यूनिट प्लान 98
22. यूटीआई लघु निवेशक फंड
23. यूटीआई - बाण्ड फंड
24. मास्टर इंडेक्स फंड

प्लानों, जो उपरोक्त अधिनियम की धारा 21 से संबंधित है, के प्रावधानों/पेशकश दस्तावेजों में संशोधनों को, जिन्हें 10 अगस्त 1999 को संपन्न कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किए जाता है।

सु. चटर्जी

सु. चटर्जी

उप-महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन विभाग

अनुबंध

क्र.सं.	योजना का नाम	खंड सं.	संशोधन
	सतत खुली योजनाएं		
1.	प्राइमरी इक्विटी फंड 95	XXXIV	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान लेखा वर्ष के प्रथम दिवस के एनएवी का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा।
2.	मास्टरगेन 92	29 बी	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान प्रत्येक वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत (एनएवी) का 0.10% अलग रखा जाएगा।
3.	ग्रैन्डमास्टर 93	XXXI	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान प्रत्येक वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत (एनएवी) का 0.10% अलग रखा जाएगा।
4.	यूटीआई बॉण्ड फंड	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
5.	मास्टर इंडेक्स फंड	V(ड)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

6.	मास्टर प्लस - 91	V(च)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
7.	यूजीएस 10000 (अंतराल निधि)	XXVII	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के दैनिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
8.	एमईपी 96	X [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
9	एमईपी 97	X [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

10.	एमईपी 98	X [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
11.	ईक्विटी अपाच्युनिटी फंड	XXXI	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
12.	यूटीआई इंडेक्स इक्विटी फंड	XXVIII	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
13.	आईआईएसएफयूएस 95	XXVIIक	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता आदि शामिल है।

14.	आईआईएसएफयूएस 96	XXVIII	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
15.	आईआईएसएफयूएस 97	XXIX	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
16.	आईआईएसएफयूएस 97 II	XXIX	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
17.	आईआईएसएफयूएस 98	XXIX	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

18.	एमआईपी 95 (II)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
19.	एमआईपी 95 (III)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
20.	एमआईपी 96	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
21.	एमआईपी 96 (II)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

22.	एमआईपी 96 (III)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
23	एमआईपी 96 (IV)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
24	एमआईपी 97	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
25	एमआईपी 97 (II).	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

26	एमआईपी 97(III)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
27.	एमआईपी 97 (IV)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
28.	एमआईपी 97 (V)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
29.	एमआईपी 98	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

30	एमआईपी 98 (II)	V(ड)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
31.	एमआईपी 98 (III)	V(ड)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
32.	एमआईपी 98 (IV)	V(ड)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
33.	डीआईपी 91	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

34	डीआईपी 95	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के मासिक औसत का 0.10% प्रति वर्ष कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
35	यूटीआई एनआरआई फंड	XXVIII	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के साप्ताहिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता, और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
36	यूटीआई लघु निवेशक निधि (अंतराल निधि)	IX [*]	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के साप्ताहिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता, और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।
37	मास्टर वैल्यू यूनिट प्लान 98 [*] योजना के प्रावधानों में	V (ड)	कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान शुद्ध आस्ति मूल्य के साप्ताहिक औसत का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना की है, जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सकीय सहायता, और इसी तरह के अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहायता शामिल है।

उपरोक्त योजनाओं/प्लानों के प्रावधानों/पेशकश दस्तावेजों में अन्य स्थानों पर लिखे गए पद 'कर्मचारी कल्याण न्यास' को भी 'कर्मचारी कल्याण निधि' के रूप में संशोधित किया जाता है।

भारतीय यूनिट ट्रस्ट
मुंबई

यूटी/डीबीडीएम/आर-210/एसपीडी-55/1999-2000

३२ अक्टूबर, 1999

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई बाल उपहार वृद्धि निधि यूनिट योजना 1986 (सीजीजीएफ-86) के प्रावधानों में संशोधनों को, जिन्हें 22/02/1999 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में स्वीकृत किया गया, तत्काल प्रभावी होंगे और संशोधन, जिन्हें 21 अप्रैल, 1999 को संपन्न कार्यकारिणी समिति की बैठक में स्वीकृत किया गया, जिसे 3 मई 1999 से लागू किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

सु. चव्वा

सु. चव्वा

उपमहाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन विभाग

परिशिष्ट

बाल उपहार वृद्धि निधि यूनिट योजना 1986 (सीजीजीएफ-86) के प्रावधानों में संशोधन

- 1) 'लघु शीर्षक एवं आरंभ' शीर्षकयुक्त खंड I के उपखण्ड (ख) के दूसरे अनुच्छेद में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

योजना के अंतर्गत विक्री I नवंबर 1997 से निलंबित की गई और 01/02/1999 से इसे फिर से आरंभ किया गया। सीजीजीएफ-86 के अंतर्गत बनाया गया 'विकलांगों के लिए विशेष प्लान' 03/05/1999 को फिर से शुरू किया गया।

- 2) निम्नलिखित को खंड I (घ) के रूप में जोड़ा जाता है :

सदस्यता सूचना जारी करने के लिए योजना के प्रावधानों में संशोधन वर्तमान यूनिट प्रमाणपत्रों को प्रभावित नहीं करेगा और वे योजना के संशोधन-पूर्व के प्रावधानों से शासित होते रहेंगे।

- 3) खंड 2 के अंतर्गत परिभाषा (ट) में 'बोर्ड' शब्द को संशोधित कर के 'केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड' किया जाता है।

- 4) 'खंड (2) की परिभाषा (ढ) में निम्नलिखित अनुच्छेद जोड़ा जाता है। --

"योजना के अंतर्गत प्रयुक्त अभिव्यक्ति 'सदस्य' का अर्थ है वह बच्चा जिसे 01/02/1999 के या उसके बाद योजना के अंतर्गत यूनिटें आवंटित की गई हैं और वह आवेदक जिसने विकलांग आश्रित के लाभ के लिए निवेश किया है तथा जिसे योजना के अंतर्गत 03/05/1999 को या उसके बाद यूनिटें आवंटित की गई हैं।

- 5) खंड 5 के उपखंड iii को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

सदस्यता सूचना योजना के अंतर्गत 01/02/1999 को या उसके बाद किए गए सभी निवेशों के लिए जारी की जाएगी। सदस्यता सूचना, जिस पर बच्चे का नाम लिखा होगा, आवेदक द्वारा दिए गए पते पर डाक से भेजी जाएगी। (इस प्रकार भेजी गई सदस्यता सूचना के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत जगह पहुंच जाने या न पहुंचने की स्थिति में ट्रस्ट की कोई देयता नहीं होगी।) सदस्यता सूचना बच्चे के योजना में शामिल होने का वैध प्रमाण है।

- 6) खंड 5 के उपखंड iv को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

विकलांग आश्रित के लाभ के लिए निवेश करने वाले आवेदकों के मामलों में सदस्यता सूचना आवेदक के नाम जारी की जाएगी। सदस्यता सूचना आवेदक द्वारा दिए गए पते पर डाक से भेजी जाएगी।

- 7) खंड 8 में शीर्षक को संशोधित करके 'सदस्यता सूचना का फार्म' किया जाता है तथा पाठ को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

सदस्यता सूचना ऐसे रूप में होगी, जैसा कि ट्रस्ट के कार्यपालक निदेशक द्वारा तय किया जाए।

याजना के अंतर्गत यूनिटें जारी किए जाने का अधिकार केवल उस बच्चे को होगा, जिस दाज्जा व सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। आवेदक, जिसके कहने पर यूनिटें बच्चे के पक्ष में जारी की गई हैं, का इन यूनिटों पर किसी भी प्रकार का अधिकार नहीं होगा।

विकलांग आश्रित के लाभ के लिए निवेश करने वाले आवेदक को जारी की गई यूनिटों का अधिकार आवेदक को होगा।

- 8) 'यूनिटों की बिक्री' शीर्षकयुक्त खंड (9) की तीसरी पंक्ति में निम्नानुसार सुधार किया जाता है :

इसके बाद जितना जल्दी संभव होगा, ट्रस्ट सदस्यता सूचना जारी करेगा।

- 9) 'यूनिटों की पुनर्खरीद' शीर्षकयुक्त खंड 10 के उपखंड (i) के दूसरे अनुच्छेद के तीसरे वाक्य में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

ट्रस्ट सादे कागज पर लिखे गए बच्चे (जो उस समय तक वयस्क हो चुका होगा) द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित एवं दाता या किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अनुप्रमाणित और किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपने नाम, व्यवसाय एवं पते के साथ विधिवत् साक्ष्यांकित अनुरोध पत्र की प्राप्ति पर सदस्यता सूचना में सूचित सभी यूनिटों या उसके एक हिस्से, जो हमेशा 100 यूनिटों के गुणक में होगा, की पुनर्खरीद करेगा। इस प्रकार प्राप्त सदस्य सूचना को रद्द करने के लिए अपने पास रखेगा। आंशिक पुनर्खरीद की स्थिति में ट्रस्ट नई सदस्यता सूचना भेजेगा, जिसमें शेष यूनिटों का उल्लेख होगा। किसी भी सदस्य को ट्रस्ट को सदस्यता सूचना में उल्लिखित यूनिटों की संख्या के उतने हिस्से की बिक्री की अनुमति नहीं होगी जिससे उसकी धारिता 200 यूनिटों से कम हो जाए।

- 10) 'यूनिटों की पुनर्खरीद' शीर्षकयुक्त खंड 10 (iii) (क)(ii) में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

लेखा वही की वार्षिक बंदी (ट्रस्ट द्वारा दी गई सूचना के अनुसार) के संदर्भ में सदस्यों के रजिस्टर के बंद रहने के दौरान।

- 11) 'बिक्री और पुनर्खरीद मूल्य स्वीकृति तिथि के अनुसार होगा' शीर्षकयुक्त खंड 11 के उपखंड (क) एवं उपखंड (ड) के दूसरे, तीसरे एवं चौथे अनुच्छेदों में प्रयुक्त शब्द 'यूनिटधारक' को 'सदस्य' शब्द से प्रतिस्थापित किया जाता है।

- 12) 'यूनिट प्रमाणपत्र को तैयार करने की पद्धति' शीर्षकयुक्त खंड 14 को हटाया जाता है।

- 13) खंड 15 के शीर्षक को संशोधित कर के 'योजना के उद्देश्य के लिए ट्रस्ट को मान्यता नहीं' एवं पाठ को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

केवल वह व्यक्ति जो सदस्य के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से एक सदस्यता सूचना जारी की गई है, उसे ही ट्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में पहचाना जाएगा और उसे ऐसी यूनिटों का अधिकार, हक या हित प्राप्त होगा, और ट्रस्ट द्वारा ऐसे सदस्य को उसका पूर्ण स्वामी माना जाएगा तथा किसी ट्रस्ट की पहचान योजना में उल्लिखित यूनिटों के हक को प्रभावित करनेवाली इक्विटी अथवा ब्याज के मामले में यहाँ व्यक्त तथा सक्षम न्यायालय के आदेश को छोड़कर अन्य किसी विपरीत सूचना या ट्रस्ट द्वारा किसी निष्पादन की सूचना का मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

- 14) खंड 16 के शीर्षक को संशोधित करके 'सदस्यता सूचना के खराब हो जाने, विरूपित हो जाना, खराब जाना आदि की स्थिति में सदस्यता सूचना का हस्तांतरण एवं प्रक्रिया' किया जाता है तथा पाठ में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

उक्त उद्देश्य के लिए योजना के अंतर्गत सदस्य उन नियमों/दिशानिर्देशों/प्रक्रियाओं का अनुसरण करेगा और उन कागजात का निष्पादन करेगा जो ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर बनाए जाएं या जिनकी जरूरत हो।

- 15) खंड 17 के शीर्षक को संशोधित करके 'सदस्यों की पंजी' किया जाता है। इस खंड के प्रथम वाक्य को संशोधित करके 'निम्नलिखित प्रावधानों का प्रभाव सदस्यों के पंजीकरण के संदर्भ में होगा' किया जाता है। इसी खंड के उपखंड (1) की मद (ख) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

'सदस्यता सूचना की संख्या एवं प्रत्येक ऐसे सदस्य द्वारा धारित यूनिटों की संख्या; और'

- 16) खंड 18 के अंतर्गत शीर्षक को संशोधित करके 'ट्रस्ट की ओर से उन्मोचन के लिए सदस्य की पावती' किया जाता है तथा पाठ को निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाता है :

माता या पिता/विधिक अभिभावक/बच्चे के वयस्क होने पर सदस्यता सूचना में प्रदर्शित यूनिटों के एवज में भुगतान की गई राशि की पावती ट्रस्ट के लिए बेहतर उन्मोचन होगा।

- 17) खंड 19 में 'उस बच्चे की मृत्यु, जिसके पक्ष में यूनिटें जारी की गई हैं' शीर्षक वाले उपखंड (छ) में निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

यदि यूनिटधारिता विकलांग आश्रित के लाभ के लिए है और उसकी मृत्यु निवेशक से पूर्व हो जाती है तो यूनिटधारक खाते में बकाया यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य, निवेशक द्वारा सदस्यता सूचना के साथ सादे कागज पर विधिवत हस्ताक्षरित प्रार्थना पत्र अभ्यर्पित करने पर उसे अदा कर दिया जाएगा। यह प्रार्थनापत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपने नाम, व्यवसाय और पते का उल्लेख करते हुए साक्ष्यांकित किया जाना चाहिए।

- 18) 'आय वितरण' शीर्षकयुक्त खंड 22 के उपखंड (ड) एवं (च) में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

(ड) 21 वर्ष की आय पूरी होने तक सदस्यता सूचना में सूचित यूनिटें तथा उपरोक्त अनुच्छेद के अंतर्गत आबंटित मानी गई यूनिटें ट्रस्ट द्वारा योजना के प्रावधानों के तहत और यूनिटों में स्वतः पुनर्निवेशित मानी जाएंगी।

(च) 21 वर्ष की आयु पूरा करने पर, सदस्यता सूचना पुनर्खरीद के लिए अभ्यर्पित करनी होगी और इसके बाद घोषित आय वितरण बच्चे के बकाया यूनिटों में उपस्थित नहीं होगा और प्रत्येक वर्ष पुनर्निवेश नहीं होगा। यह 01/02/99 से लागू होगा।

- 19) खंड 24 के अंतिम वाक्य में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

विकलांग आश्रित के लाभ के लिए निवेश करने वाले सदस्य के मामले में सदस्य को वार्षिक विवरणी भेजी जाएगी।

- 20) 'योजना के अंतर्गत परिपक्वता' शीर्षकयुक्त खंड 25 के उपखंड (ख) 25 के उपखंड में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :

जब बच्चा 21 वर्ष का होने पर ट्रस्ट द्वारा योजना के अंतर्गत उसे जारी सदस्य सूचना को ट्रस्ट को अभ्यर्पित करे तो ट्रस्ट निम्नलिखित की पुनर्खरीद करेगा :

- (i) सदस्यता सूचना में प्रदर्शित सभी यूनिट और
 - (ii) 21 वर्ष की आयु पूरा कर लेने पर, सदस्यता सूचना पुनर्खरीद के लिए अभ्यर्पित करनी होगी और इसके बाद घोषित आय वितरण बच्चे के बकाया यूनिटों में उपचित नहीं होगा और प्रत्येक वर्ष पुनर्निवेश नहीं होगा। यह 01/02/99 से लागू होगा।
- 21) 'लेखे का प्रकाशन' शीर्षकयुक्त खंड 26 के दूसरे वाक्य में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :
- ट्रस्ट, सदस्य से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, उसे इस प्रकार प्रकाशित लेखों की प्रतिलिपि भेजेगा।
- 22) 'योजना आवेदक के लिए बाध्यकारी होगी' शीर्षकयुक्त खंड 28 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :
- योजना की शर्तें, जिसमें समय-समय पर किए गए संशोधन भी शामिल हैं, प्रत्येक सदस्य और उसके माध्यम से दावा करने वाले अन्य व्यक्ति पर बाध्यकारी होंगी, और मानो कि शर्तों की इस प्रकार की बाध्यता पर उसने अपनी सहमति प्रदान की है।
- 23) खण्ड 30 के शीर्षक को 'सदस्यों को लाभ' के रूप में संशोधित किया जाता है।
- 24) 'प्रावधानों में ढील/परिवर्तन/आशोधन' शीर्षक युक्त खण्ड 32 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :
- ट्रस्ट का अध्यक्ष अथवा उसकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी, कठिनाई कम करने हेतु अथवा योजना के निर्बाध तथा सहज परिचालन हेतु ऐसी शर्तों पर, जिन्हें उचित समझा जाएगा, किसी एक सदस्य अथवा सदस्यों के वर्ग के मामले में योजना के किसी भी प्रावधान में ढील दे सकता है/परिवर्तन कर सकता है/आशोधन कर सकता है। तथापि ऐसे परिवर्तन अथवा आशोधन आय कर अधिनियम की धारा 80 डीडी के अनुरूप होंगे।
- 25) 'योजना की समाप्ति' शीर्षकयुक्त खंड 33 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :
- ट्रस्ट कोई भी कारण दिए बगैर, एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्र में दो सप्ताहों से अधिक अवधि की सूचना देते हुए किसी भी समय योजना को समाप्त करने के अपने अधिकार को, यदि वह समझता है कि ऐसा करना सदस्यों के हित में है अथवा ट्रस्ट के लिए ऐसा करना उचित है, सुरक्षित रखता है।
- 26) पुनरीक्ष खण्ड शीर्षकयुक्त खण्ड 34 के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाता है :
- तथापि जैसा कि उपरोक्त पैरा में बताया गया है, योजना के अंतर्गत प्रतिफल कम हो जाने के परिणामस्वरूप, विकलांग आश्रित के लाभ हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को समय पूर्व पुनर्खरीद का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।
- 27) विकास प्रारक्षित निधि शीर्षकयुक्त खण्ड 35 में दूसरे पैरा के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाता है :

विकलांग आश्रित के लाभ हेतु आवेदन करने वाले आवेदक के मामले में निवेशित पूंजी के साथ साथ आश्वासित प्रतिलाभों का संरक्षण किया जाएगा। विकास प्रारक्षित निधि इस संरक्षण की गारंटी देगी। यदि पूंजी तथा प्रतिलाभों के लिए दी गई आश्वासित वचनबद्धताओं में कोई कमी होने पर, उसे विकास प्रारक्षित निधि से पूरा किया जाएगा।

योजना के प्रावधानों में विभिन्न स्थानों में 'आवेदक' के अर्थ में 'ट्रस्ट' के संदर्भ को सुधार कर 'ट्रस्ट (आवेदक)' किया जाता है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1999

संख्या यू-16/53/98-चि०-2 (हैदराबाद)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के अधीन निगम की शक्तियां महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा हैदराबाद केन्द्र व क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण-पूर्व जोन) द्वारा नियत किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाण-पत्र प्रदान करने के प्रयोजन के लिए मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए डॉ० ए० एल० वी० पूर्णाचन्द्र राय की सेवाएं कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाती हूँ।

(डॉ०) (श्रीमती) एस० सिंह
चिकित्सा आयुक्त

सं० यू-16/53/97-चि०-2 (हैदराबाद)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के अधीन निगम की शक्तियां महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा हैदराबाद केन्द्र व क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण-पूर्व जोन) द्वारा नियत किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाण-पत्र प्रदान करने के प्रयोजन के लिए मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए डॉ० सी० माधव राय की सेवाएं 1-1-99 से 31-12-99 तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाती हूँ।

(डॉ०) (श्रीमती) एस० सिंह
चिकित्सा आयुक्त

सं० यू-16/53/99-चि०-2 (हैदराबाद)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के अधीन निगम की शक्तियां महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा 14-379 GI/99

महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा हैदराबाद केन्द्र व क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण-पूर्व जोन) द्वारा नियत किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाण-पत्र प्रदान करने के प्रयोजन के लिए मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए डॉ० ए० एल० वी० पूर्णाचन्द्र राय की सेवाएं कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाती हूँ।

(डॉ०) (श्रीमती) एस० सिंह
चिकित्सा आयुक्त

सं० यू-16/53/1/97-चिकित्सा-2 (तमिलनाडु)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डॉक्टर को मानकों के अनुसार दैनिक पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को उपचिकित्सा आयुक्त (दक्षिण क्षेत्र) द्वारा निर्धारित बंगलौर क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संविन्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ।

क्र० सं०	डॉक्टर का नाम	अवधि	केन्द्र का नाम
1.	डॉ० एम० कुमारबेनू	23-09-1999 से 22-09-2000	बेनगलूर

(डॉ०) (श्रीमती) एस० सिंह
चिकित्सा आयुक्त

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

केन्द्रीय कार्यालय

नई दिल्ली-66, दिनांक 17 नवम्बर 1999

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजम/89/भाग-4/4833
—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्राकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।



चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की

जवाबगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के मंचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अभिसूचना की सं०	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	क्र० भ० नि० आ० की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० मंगीन मैसदाइयम लि०, 2/167, इन्सापायलम पी० ओ० पोगालूर-641697, जिला, कोयम्बटूर।	टीएन/ 21343	2/1959/डीएनआई/एकजम/ पीटी-1, दिनांक 16-5-99	31-1-99	1-2-99 से 31-1-2002	14/414/टी एन/98
2.	मै० वि निलगि जिना कोप० लि०, मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि०, कन्नूर मार्ग, उद्योगमण्डलम-643001 वि निलगि	टीएन/ 3102	15-5-99	28-2-99	1-3-99 से 29-2-2002	14/474/98
3.	मै० बास सिंगि प्रा० लि०, 52, राजाजी सलाई, बेन्नई-600001, तथा शाखाएं।	टीएन/ 30198	13-1-99	28-2-99	1-3-99 से 29-2-2002	14/99/95
4.	मै० रामनिनि राम साधव रिपिनर्स प्रा० लि०, चन्द्रलोक 30-40, पोंनियापाराजापुरम, कोयम्बटूर।	टीएन/ 21320	10-1-99	28-2-99	1-3-99 से 29-2-2002	2/3319/90
5.	मै० श्री रेंहरेणा मिक्स लि०, पालनी मार्ग, उदुमलपेट।	टी एन/ 51	एस-35014/480/82/ पी एफ-11 (एस एस-11) दिनांक 8-86	7-1-89	8-1-89 से 7-1-92 8-1-92 से 7-1-95 8-1-95 से 7-1-98 8-1-98 से 7-1-2001	2/785/82

1	2	3	4	5	6	7
6.	मै० हार्ड धनर्जी बैटरीज (इं०) लि०, पाकुडी मार्ग, मायूर पुडुडु कोट्टाई डिस्ट्री०-622515।	टीएन/ 16284	4-4-99	9-3-98	10-3-98 से 9-3-2001	2/1403/86
7.	मै० चंगलारायम कौप० शूगर मिल्स लि०, परियामेन्नालाई-607209, विलुपुरम जिला, तमिलनाडु।	टीएन/ 17211	30-9-97	15-12-98	16-12-98 से 15-12-2001	2/1491/86
8.	मै० अरविन्द लैबोरीज नं० 7, चक्रपानी स्ट्रीट, चेन्नई-600033।	टीएन/ 5977	17-7-97	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99 1-3-99 से 28-2-2002	2/5449/90
9.	मै० कालिश्चरार मिल्स "ए" यूनिट 10/8, अन्नापुरपालायम, कोयम्बटूर।	टीएन/ 52	15-5-99	30-11-98	1-12-98 से 30-11-2001	2/2638/90
10.	मै० यूनिवर्सल कूलिंग सिस्टम्स, 368, वेद्रीपालायम मार्ग, मालुमिक्कमपट्टी,  कोयम्बटूर-641021।	टीएन/ 21473	12-5-94	28-2-94	1-3-94 से 28-2-97 1-3-97 से 29-2-2000	2/2683/90
11.	मै० कृष्णास्वामी नगर गंगानगर मैट्रिकुलेशन स्कूल, रामानाथापुरम, कोयम्बटूर-641045।	टीएन/ 21570	10-1-99	28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	2/3094/90
12.	मै० सपथाग्री स्पनिंग मिल्स प्रा० लि०, कन्नमपालायम, कोयम्बटूर-641402।	टीएन/ 21312	12-3-99	28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	2/3431/91
13.	मै० ई० आई० डी० पेरी इंडिया लि०, नेलिकुप्पम, कुडालूर जिला, तमिलनाडु-607105।	टीएन/ 345		31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/3939/99
14.	मै० बैकेटा लक्ष्मी टेक्सटाइल्स, 194, मंगलम मार्ग, विरुपुर-641604।	टीएन/ 21347	25-2-92	30-11-93	1-12-93 से 30-11-96 1-12-96 से 30-11-99	2/3995/82
15.	मै० नवभारत इनवायरोटेक् प्रा० लि०,  नं० 49, ग्रेन्स मार्ग, चेन्नई-600006।	टीएन/ 17121	17-2-96	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99 1-4-99 से 31-3-2002	2/4368/92
16.	मै० स्ताप नेचुरल एण्ड ऐलमिनेट प्रोडक्ट्स लि०, प्लॉट नं०-1, स्विफ्ट इण्डस्ट्रियल काम्पलैक्स, रानीपेट-632403।	टीएन/ 17716	7-4-99	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/4370/90

1	2	3	4	5	6	7
17.	मै० मुपर स्प्रिंग प्रा० लि०, लक्ष्मी फिड्स इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, एम० जी० पुडूर (पी० ओ०), कोयम्बटूर-641406।	टीएन/ 21523	6-4-93	31-10-94	1-11-94 से 31-10-97 1-11-97 से 31-10-2000	2/4617/92
18.	मै० जगन्नाथो एंड हंस, 89, सिडको इण्डस्ट्रियल स्टेड, कोयम्बटूर, चेन्नई-600098।	टीएन/ 17267	2-7-93	28-2-95	1-3-95 से 28-2-98 1-3-98 से 28-2-2001	2/4707/92
19.	मै० श्री कुमारवेलु इण्डस्ट्रियल, 127, नया इंडिया मार्ग, कृष्णारायापुरम (पी० ओ०), कोयम्बटूर-641006।	टीएन/ 21825	12-3-99	28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	2/4904/93
20.	मै० के० दिव्या ब्राई फाइर एंड गारवियन टी० आर० कम्पन, 249/3, अरुणकुट्टाई मेन मार्ग, मदुरै-12।	टीएन/ 958-एस	20-1-94	30-11-94	1-12-94 से 30-11-97 1-12-97 से 30-11-2000	2/2459/90
21.	मै० एम० के० वी० के० टाइटल, मेन मार्ग, पावूरवातरम-627808, तिरुनेलवेली जिला।	टीएन/ 10467	19-3-99	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99	2/3098/90

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्थित मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मूतना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहलें ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम सूरत रखे करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमोदित हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोधन राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में संशोधन होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिसों/नाम निर्दिष्टियों की प्रतिकर के रूप में वही राशियां की बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, तब क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचारों स्पष्ट करने का युक्तिवत्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा नियम नियत करे प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दिष्टों या विधिवक वारिसों की यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्दिष्टों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जे

अंश्रीय भविष्य निधि आयुक्त

नं. 2/1959/डी. एल. आई. /भाग-1/एजम/89/4860
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसके प्रस्ताव उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट की विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके प्रस्ताव उक्त अधिनियम कहा गया है।

अधिक, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की दायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके प्रस्ताव स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी अधिनियम से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गवाहाटी/ (आसाम) ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत दोन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर की गई है।

अनुसूची-1

क्र.सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1	2	3	4	5
1.	जन्म भूमि प्रेस (प्रा०) लि०, पोस्ट बाक्स नं० 1, जोरहट-755001 (आसाम)।	ए एस/45	1-3-98 से 28-2-2001	2/2/98/डी०एल०आई०
2.	मै० साधना घेवर हार्डिंग एण्ड एजेंसीज प्रा० लि०, राजमिह प्लेस, एस० एस० रोड, पी० ओ० गुवाहाटी-781001 (आसाम)।	ए एस/1120	1-11-89 से 31-10-92 1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98	2/9/99
3.	मै० जन्मभूमि, जन्मभूमि बिल्डिंग, नेहरू पार्क, पी० ओ० जिला जोरहट, आसाम।	ए एस/1486	1-3-98 से 28-2-2001	2/3/98
4.	मै० राजू मोटर वर्क्स, पश्चिम बोरा गाँव, एन० एच०-37, गुवाहाटी-781033 (आसाम)।	ए एस/2200	1-11-97 से 31-10-2000	2/10/99

अनुसूची- 2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजगा और ऐसा लेखा रखगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की तन्नामित के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वृद्ध-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाय स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभव है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय हो उक्त वह उक्त स्कीम के अधीन होगा तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अवगत दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पानिसी को व्यापक होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्ययक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम निर्देशियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. के. जैन

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं. 2/1959/डी. एल. आइ. /भाग-4/एकजम/89/4870
—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी उन्हें को अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहकृषि बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 के उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मन्वर्ध/पूर्ण ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त के मंचालन की छूट पदान कर दी गई है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०म०नि० आ०फा०
1.	मै० इन्डियन ओर्गेनिक कैमिकल लि०, तीसरी मंजिल, भूपती चैम्बर, 13 मैथू रोड, मुम्बई-400004।	एम०एच०/5882	1-2-98 से 31-1-2001	9/67/99/डीएलआई
2.	मै० ब्रिटको फूड्स कं० लि०, 1107-1110 गोव पिरान्गुडतल मुलदी, जिला पूना।	एम०एच०/32318	1-3-99 से 28-2-2002	9/68/99/डीएलआई

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिस इसके पदनाम नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्वाचन करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके अन्तर्गत संज्ञाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बांझ आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को मंदस्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिकतम अंतर हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्त में संवाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी अवधिक्रम की वृत्त में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्त में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

दिनांक 18 मई 1999

म 2/1959/डी. एन. एम्./भास-1/एडवा/89/4877
—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकताओं ने (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि
और प्रणियों आदेश अधिनियम 1952 (1952 का 19)
की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवे-
दन किया है। (जिसे इसमें इसको पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि
उक्त स्थापना को कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की
अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा
नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि

एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहित बीमा स्कीम,
1976 के अंतर्गत स्विकृत लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें
इसको पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-
सूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
ने प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक की सामने उल्लिखित पिछली तारीख
में प्रभावी जिसे तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त, उड़ीसा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत होल
प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम को संचालन
को छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची—1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० कोनार्क पेपर्स एण्ड इन्स्ट्रुज लि०, झरिया-757016 मयूरभंज, (उड़ीसा)।	ओ०आर०/3070	1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 से 31-3-99	11/6/99/डीएनआई

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें पश्चात्
नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
को ऐसी विवरणियां भेजना और लेखा रखना तथा निरीक्षण
के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि
आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास फीसमसहित
के 15 दिन के भीतर संवाह करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त
अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अन्तर्गत
समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसको उक्त
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा
प्रीमियम का संवाह, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का
संवाह आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा
किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रत और जब कभी उसमें
संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रत तथा कर्मचारियों
की बहुसंख्या की भावा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना
के सचिव पद पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त
अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि
का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निरीक्षण किया जाता

है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में
उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक
प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ
बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-
चारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने
की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों में लिए सामूहिक
बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो
उक्त स्कीम के अधीन अनुबंध है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी
यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संश्लेष
गणित से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संश्लेष
हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी
के अधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिवार के रूप में दोनों
गणितों के बराबर राशि का संवाह करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संश्लेष
संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना
नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संश्लेष में कर्मचारियों के हित
पर एतद्विषय प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हित
कोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन
बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को जिसे स्थापना पहले

अपना चुकी हुई अधीन नहीं रह जाती या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी बंद व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द करी जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्ययक्रम की वशा में उन मूल सब्सिडी के नाम निदेशों या विधिकारियों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होती, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निदेशों/विधिकारियों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. ओ. अन

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-4/4882—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित निष्ठाओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सन्तुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवश्यता किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रस्तावित शर्तियों का प्रयोग करते हुए तथा क्रम संख्या 2, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों को रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को अपने 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची—1

क्र०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार की तिथि	क्र०सं०/नि०/आ० की फाईल सं०
1.	मै० मबुरा कोटस लि०, पापानसम मिलस पोस्ट की के० पुरम।	टीएन/186	2/1959/डीएलआई/एकजम/पीटी-1 दि० 16-5-89	31-10-92	1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98 1-11-98 से 31-10-2001	2/2920/90/डीएलआई
2.	मै० कोटस विजला इंडिया लि०, तुलिकोरम।	टीएन/187	28-1-92	31-10-92	1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98 1-11-98 से 31-10-2001	

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसकी पदचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त भी ऐसी विवरणियाँ भेजेंगे और लेखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगे जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशामन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वषा में संवेद्य हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवेष्टियों को प्रतिभार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का योज्यव्यक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उसी सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना, पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के आर्थिक कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को अग्रत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्ययों की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवेष्टियों या विधिक वारिसों को यदि वह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेष्टियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए. कं. जेन
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

भारतीय भेषजी परिषद्

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 दिसम्बर 1999

फाइल संख्या 17-1/99-पी०सी०आई०/14538-663—भारतीय भेषजी परिषद् के 64वें अधिवेशन सितम्बर, 1998 तथा 65 वें अधिवेशन जून 1999 में पारित संकल्पों को भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 15 में विहित प्रावधानों के तहत राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है।

अर्चना मुद्गल,
कार्यकारिणी सचिव

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1225—(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्य एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करता है।

संस्था का नाम कर्नाटक	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
--------------------------	---	---------------------

श्री रीरमद्वेष्वर एण्केशन ट्रस्टम कालेज ऑफ फार्मसी, हुमनाबाद-585 330 डिस्ट्रिक्ट वीदर कर्नाटक ।	60	2000-2001
--	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् अध्यक्ष, परीक्षा प्राधिकरण सति लि. मार्फत औषधि नियंत्रक कर्नाटक राज्य, पैलेस रोड, पोस्ट बाक्स संख्या 5377, बंगलौर-560 001 (कर्नाटक) द्वारा उपरोक्त सत्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में पंजीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है ।

अर्चना मुदगल
कार्यकारिणी सचिव

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1226--(1)
भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करता है :—

संस्था का नाम महाराष्ट्र	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
-----------------------------	---	---------------------

भारतीय विद्यापीठ्स इन्स्टीट्यूट आफ फार्मसी सैक्टर संख्या 8, सी०बी०डी० न्यू बाम्बे-400 614 (महाराष्ट्र)	60	2000-2001
---	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् सचिव, तकनीकी परीक्षा समिति, राजश्री बहुतकनीकी भवन, तृतीय सल, 49, खेरबंदी, अलि यावर जंग मार्ग, बांद्रा (पू०) मुम्बई-400 051 (महाराष्ट्र) द्वारा उपरोक्त सत्र तक आयोजित फार्मसी डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में पंजीकरण

के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है ।

अर्चना मुदगल
कार्यकारिणी सचिव

प्रस्ताव संख्या 64/पी०सी०आई०/1227--(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थानों द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करता है :—

संस्था का नाम पंजाब	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित
------------------------	---	---------------------

गवर्नमेंट पालीटेकनिक होशियारपुर-146 001 (पंजाब)	30	1999-2000
---	----	-----------

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निदेशक, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण (तकनीकी शिक्षा विंग) पंजाब, सैक्टर-36-ए, चण्डीगढ़ द्वारा उपरोक्त सत्र तक आयोजित फार्मसी में डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में पंजीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है ।

अर्चना मुदगल
कार्यकारिणी सचिव

प्रस्ताव संख्या 65/पी०सी०आई०/1228--(1) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा संचालित डिग्री फार्मसी पाठ्यक्रम का, डिग्री फार्मसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है ।

संस्था का नाम, तमिलनाडू	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सब तक अनुमोदित
आर० वी० एस० कॉलेज ऑफ फार्म० साइंसिज, त्रिची रोड, सूतूर. को/म्बटूर-641 402	50	1993-94 से 2000-2001 तक
श्री रामाचन्द्रा मेडिकल कालेज एवं रिसर्च इन्स्टीट्यूट (डीमड यूनिवर्सिटी) 1, रामाचन्द्रा नगर, पेरियर, चेन्नई-600 116	50	1993-94 से 2000-2001 तक

(2) भेषज अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् रजिस्ट्रार, वी तमिलनाडू डॉ० एम० जी० आर० मेडिकल यूनिवर्सिटी, पो० बाक्स संख्या 1200, तम्बर 40, अन्नासलाई, गुंडी, चेन्नई-600 032 तमिलनाडू द्वारा ऊपर लिखित सब तक आयोजित फार्मसी में डिग्री परीक्षा को इस अधिनियम के अधीन भेषजी के रूप में पंजीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

अर्चना मुद्गल
कार्यकारी सचिव

संयुक्त निदेशक पद के लिए भर्ती नियम—सालार जंग संग्रहालय

अनुबन्धक-II

पद का नाम	पद की सख्या	वर्गीकरण	वर्तमान (रुपए)	क्या चयन योग्यता प्राप्त है या नहीं	संघी भर्ती के लिए आयु सीमा	केन्द्रीय नगर सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन क्या सेवा में जोड़ा गया वर्षों का लाभ है	संघी भर्ती के लिए आवश्यक शैक्षिक और अन्य अर्हता और शैक्षिक अर्हता लागू होगी	पदोन्नति के मामले संघी भर्ती के लिए क्या निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हता लागू होगी
संयुक्त निदेशक	1*	समूह 'क' श्रेणी-I (1999) कार्यभार पर बाधित, परितोष के अंतर्गत	12000-375-16500	नागू नहीं	नागू नहीं	हो	नागू नहीं	नागू नहीं

संयुक्त निदेशक पद के लिए भर्ती नियम—सालार जंग संग्रहालय

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन द्वारा भर्ती किए जाने के मामले में किस पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन से ग्रहण करना चाहिए।	यदि कोई विभागीय पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन हो तो इसकी संयोजन क्या होगी	भर्ती करने वाले समूह में लोक सेवा संघ आयुक्त से परामर्श करना चाहिए
पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन द्वारा भर्ती किए जाने के मामले में किस पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन से ग्रहण करना चाहिए।	यदि कोई विभागीय पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/समावेशन हो तो इसकी संयोजन क्या होगी	भर्ती करने वाले समूह में लोक सेवा संघ आयुक्त से परामर्श करना चाहिए

10	11	12	13	14
नागू नहीं	प्रतिनियुक्ति/समावेशन		सालार जंग संग्रहालय (एस० जे० एम०) मंडल की श्रेणी-1 (वरिष्ठ एवं कनिष्ठ) पदों की स्थायी समावेशन के लिए चयन समिति, जो इस प्रकार का होगा —	नागू नहीं
	1. भारतीय प्रशासन सेवा या केन्द्रीय नागरिक सेवा, समूह 'क' से संबंधित अधिकारी। क (i) नियमित आधार पर अनुरूप पद धारक हो। या (ii) पद में 5 वर्ष नियमित सेवा 10000-15200 रु० वेतनमान या समतुल्य। ख. 10 वर्ष पारित प्रशासनिक अनुभव		1. अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय मंडल या लक्षणा मन्त्री 2. सचिव, सांस्कृतिक विभाग, भारत सरकार (भारत सरकार का मन्त्री) 3. सालार जंग संग्रहालय मंडल द्वारा नामित सालार जंग संग्रहालय मंडल का एक सदस्य 4. सालार जंग संग्रहालय मंडल द्वारा नामित विषय का विशेषज्ञ 5. निदेशक, सालार जंग संग्रहालय (केवल निदेशक पद को छोड़कर)	अध्यक्ष सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य

सी० रमराजन
अध्यक्ष
सालार जंग संग्रहालय मंडल, हैदराबाद

**RESERVE BANK OF INDIA
DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS
CENTRAL DEBT DIVISION**

Mumbai, the 18th December 1999

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of 20th April 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70-B/52 dated the 29th April 1954 and the Notification in extraordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended October, 1999 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of other than the which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and the claim of applicant is just. All persons respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts List 'A' being securities now advertised for the first time and list "B" the list of securities previously advertised.

LIST "A"

No. of Security	Value in Rs./ Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued
1	2	3	4	5	6
Gold Bonds 998 (MUMBAI CIRCLE)					
BY/002142	501 gms.	Smt. Sandhya Sanjay Pahade	On Maturity	Smt. Sandhya Sanjay Pahade	Case No. 20.04.2143 General Manager's orders dated 05.10. 1999 C.O. Diary No. 260/06.10.99
BY/002143	502 gms.	Smt. Badambai Fulchand Pahade	Do.	Smt. Badambai Fulchand Pahade	Case No. 20.04.2144 General Manager's order dated 05.10.99 C.O. Diary No. 260 dt. 6.10.1999
BY/ 000745	500 gms.	Shri Vijay Fulchand Pahade	Do.	Shri Vijay Fulchand Pahade	Case No. 20.04.2145 General Manager's order dated 05.10.99 C.O. Diary No. 260 dt. 6.10.1999
BY/000746	553 gms.	Shri Vijay Fulchand Pahade	Do.	Shri Vijay Fulchand Pahade	Do.

LIST "B"

No. of the Securities	Value Rs./ Gms.	In whose name issued	Interest due from	Name of claimant for issue of duplicate or payment of discharge value	No. and date of orders issue
1	2	3	4	5	6
10% Relief Bonds 1995 (Non Cumulative)—(Ahmedabad Circle)					
AD-004328	Rs. 8,55,000/-	Hamali Kantilal Maganlal Mali (Minor) and Damayantiben Kantilal Mali	All the 11 interest warrants are outstanding in issue Register	Damayantiben Kantilal	LN/S/329 C.O. Diary No. 100 dated 2.9.99

(SMT.) N.A. AHALEY
p. Chief General Manager

**STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE**

Mumbai, the 27th November 1999

SBD No. 13/1999.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of Sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India, nominated Shri Ravi Rambabu, 31, Pancom Chambers, 6-7-1090/1/A, Rajbhavan Road Somajiguda, Hyderabad-500032, as a Director on the Board of Directors of State Bank of Patiala for a period of three years with effect from 1st December 1999 to 30th November 2002 (both days inclusive) in place of Smt. Neena Malhotra.

G. G. VAIDYA, Chairman

VIJAYA BANK
HEAD OFFICE

DEPT : CENTRAL ACCOUNTS

AGENDA : A. 84/99
ITEM No.:

DATE : JULY 29, 1999

MEMORANDUM
FOR THE BOARD OF DIRECTORS

Sub: To approve the General Regulations under Section 19(2) of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980

The draft of the General Regulations framed under Section 19(2) of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 was adopted by the Board at its meeting held on 6th October, 1998 vide Agenda Item A-85/98 dated 8th September, 1998.

A copy of the Board's Resolution alongwith the draft General Regulations was sent to the Reserve Bank of India, Mumbai as well as to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), Government of India, for approval and sanction.

The Reserve Bank of India conveyed their concurrence for our Bank adopting the "Vijaya Bank General Regulations 1998" subject to some minor corrections and obtaining the prior sanction of the Government. The Government of India, Ministry of Finance (Banking Division), vide letter F.No.4/3/95-BO-1 dated 2.7.1999, have also since conveyed their sanction for the same. The changes suggested by the Reserve Bank of India have been duly carried out by us in the draft General Regulations, 1998.

The Government of India have also advised that the final approval of these Regulations by the Bank's Board of Directors may be obtained. Accordingly, we now put up before the Board the proposed Regulations (Hindi and English versions) for final approval. Upon approval by the Board, the said General Regulations will be notified in the Gazette of India as advised by the Ministry of Finance, and 100 copies each in

both the Hindi and English versions will be sent to the Banking Division, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance for being laid in the Parliament, as advised by the Government of India.

We request the Board of Directors to please approve the same and pass the following resolution, with or without modification/s :

" Perused the Memorandum dated 29.07.1999 placed by the Central Accounts Department, H.O. and resolved that the General Regulations framed under Section 19(2) of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 as per draft approved by the Reserve Bank of India/Government of India, be and are hereby approved. "

Sd/- illegible
29/7/99
DEPUTY GENERAL MANAGER

Sd/- illegible
30/07/99
GENERAL MANAGER (Treasury
Management)

VIJAYA BANK GENERAL REGULATIONS, 1998

In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of undertakings) Act, 1980, the Board of Directors of Vijaya Bank after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:

CHAPTER - I**INTRODUCTORY****1. Short title and commencement:**

- i. These regulations may be called Vijaya Bank General Regulations, 1998
- ii. These Regulations shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions - In these regulations, unless there is anything repugnant to the subject or context or meaning thereof -

- a) "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980)
- b) "Bank" means, Vijaya Bank constituted under Section 3 of the Act
- c) "Board" means the Board of Directors constituted under section 9 of the Act.
- d) "Chairman" means the Chairman of the Board.
- e) "Committee" means a Committee as constituted by the Board.
- f) "Executive Director" means the whole time Director, not being the Managing Director.
- g) "General Manager" means General Manager of the Bank.
- h) "Management Committee" means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme.
- i) "Managing Director" means Managing Director of the Bank.
- j) "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under sub-section (2G) of section 3 of the Act.
- k) "Registrar" means the person appointed by the Bank for -
 - i) collecting applications from investors in respect of an issue.
 - ii) Keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities,

iii. Assisting the Bank in -

- a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange.
- b) Finalising the list of persons entitled to allotment of securities,
- c) Processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and

vi. such other function as assigned from time to time by the Bank.

l) "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/80.

m) "Share" means share in the Share Capital of the Bank.

n) "Share transfer agent" includes:

- i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
 - ii) a department or division (by whatever name called) of the Bank performing the activities referred in sub-clause(i)
- o) words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996 (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act.
- p) Other expressions used in chapter III and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme.

CHAPTER II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of shares - The shares of Vijaya Bank, shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.
4. Kinds of share capital:
 - i) Preference Share Capital means that part of share capital of VIJAYA BANK which fulfils both the following conditions:
 - A) as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax and
 - B) as respect capital, it carries or will carry, on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid up or deemed to have been paid up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely:-
 - a) any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause(A) upto the date of winding up or repayment of capital and
 - b) any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.
 - ii) "Equity Share Capital" means all share capital, which is not preference share capital
 - iii) The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.
5. Particulars to be entered in the register:
 - i. A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with Sub-Section 2(F) of Section 3 of the Act
 - ii. In addition to the particulars specified in sub-section 2(F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
 - iii. In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.
 - iv. Subject to the proviso of sub-section 2(D) of Sec.3 of the Act, a share holder resident outside India may furnish to the Bank an address in India, and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
 - v. No Notice of any trust, express implied or constructive, shall be entered on the register or be receivable by the Bank

6. Control over shares and registers- Subject to the provisions of the Act and these regulations and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the Head Office of Vijaya Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.
7. Parties who may not be registered as share holders:-
 - i) Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.
 - ii) In case of firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.
8. Maintenance of share register in computer system, etc.
 - i) The particulars required to be entered in the share register under sub-section 2(F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in regulation 5, shall be maintained under sub-section 2(G) of section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic/optical/magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "Media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman and Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman and Managing Director (hereinafter referred to as "the designated official")
 - ii) Particulars required to be entered in the share register under Sec.3 (B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.
9. Safeguards for protection of computer system:
 - i. The access to the system set out in Regulation 8(i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and/ or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official and the passwords if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.
 - ii. The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the officials/persons designated in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official.

- iii. Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman and Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of shareholders. At least one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire-proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.
 - iv. It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
 - v. It shall be competent for the Chairman and Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and/ or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.
10. Exercise of rights of joint holders- if any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with 'Vijaya Bank' except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.
11. Inspection of register:
- i. The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
 - ii. Any shareholder may make extracts of any entry in the register or computer prints free of charge or if he requires a copy of the of any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payments.5/- for every 100 words or fractional part thereof required to be copied.
 - iii. Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii) any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the Register:

The Bank may, after giving not less than seven days previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as shall, in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates:

- i) Each share certificate shall bear share certificate number, a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the share holder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.
- ii) Every share certificate shall be under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.
- iii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- iv) No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.
- v) Should the share certificate so prepared contain the signature of an authorised person, as stated in sub-clause (ii) above, who however is dead at the time of issue of the certificate, the Bank may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The share certificate so issued shall be valid.

14. Issue of Share Certificates:

- i) While issuing share certificates to any share holder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.
- ii) If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- iii) In respect of any share or shares held jointly by several persons, the bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Renewal of Share Certificate:

- i. If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- ii. If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to Vijaya Bank, of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and Sub-Division of shares:

On a written application made by the share holder(s), the Board or the Committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation/sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of Shares:

- i. Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.
- ii. The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.

- iii. Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer alongwith share certificate to the Registrar and/ or Share Transfer Agents for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar and/ or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer alongwith the share certificate if any to the Transferee for resubmission unless:

a] The instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.

b] The Registrar is satisfied that the transferee is qualified to be registered as a shareholder of the Bank in respect of the shares covered by the instrument of transfer.

- iv. The Board or the Committee designated by the Board shall, unless it decline to register the transfer under regulation 19 hereinafter, cause the transfer to be registered.

18. Power to suspend transfers:- The Board or the Committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

1. Board's right to refuse registration of transfer of shares:-

- i) The Board may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds:-

a) the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;

b) the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;

c) the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force.

d) An individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20%(twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

Provided however, that the powers of refusal mentioned in sub-regulation(i) © above may be exercised by the committee designated by the Board in this behalf:

- ii. The Board shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i)
 - a) If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration ; and
 - b) If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i), intimate the Transferor and the Transferee by notice in writing within 60 days from the receipt of the Transfer Form.

20. Transmission of shares in the event of death, Insolvency etc:

- i) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime be the only person who may be recognised by Vijaya Bank as having any title to such share.
- ii) In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by Vijaya Bank as having any title to such share.
- iii) Vijaya Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- iv) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a

shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right:

- a) To be registered as a shareholder in respect of such share.
 - b) To make such transfer of such share as the person from whom he derived title could have made.
21. Shareholder ceasing to be qualified for registration - It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.
 22. Calls on Shares - The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.
 23. Calls to date from resolution - A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.
 24. Notice of Call - A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.
 25. Extension of time for payment of call - The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.
 26. Liabilities of joint holders - The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.
 27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls - If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.
 28. When interest on call or instalment payable - If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be

due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

29. Non-Payment of calls by shareholders - No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.
30. Notice on non-payment of call or Instalment - If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, Vijaya Bank, may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by Vijaya Bank by reason of such non-payment.
31. Notice of Forfeiture:- The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.
32. Share to be forfeited on default:- If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.
33. Entry of forfeiture in the register:- When any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.
34. Forfeited shares to be property of Vijaya Bank and may be sold - Any share so forfeited shall be deemed to be the property of Vijaya Bank and may be sold, reallocated or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.
35. Power to annul forfeiture - The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit

36. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest - Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to Vijaya Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time for forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board, and the Board may enforce the payment of the whole or portion thereof.
37. Partial payment not to preclude forfeiture - Neither a judgement nor a decree in favour of Vijaya Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by Vijaya Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by Vijaya Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.
38. Forfeiture of share extinguishes all claims against the Bank - The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.
39. ^{Original} shares null and void on sale, re-issue, re-allotment or disposal on being forfeited - Upon any sale, re-issue, re-allotment or other disposal under the provisions of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null & void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.
40. Application of forfeiture provisions:- The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.
41. Lien on Shares -
- i) The Bank shall have a first and paramount lien -
 - a] On every share (not being a fully paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share;
 - b] On all shares (not being fully paid share) standing registered in the name of a single person, for all moneys presently payable by him or his estate to the Bank.

c] Upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts, liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfillment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien.

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from the provisions of this clause.

- ii. The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares:-

- i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien:
- a) If a sum in respect of which the lien exists is presently payable and
 - b) After the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.
- ii) To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof

43. Application of proceeds of sale of shares - The net proceeds of any sale of shares under regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, is any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

44. Certificate of forfeiture - A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of Vijaya Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

45. Title of purchaser and allottee of forfeited share - Vijaya Bank may receive the consideration, if any given for the share on any sale, realignment or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in

reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against Vijaya Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to shareholders:

- i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.
- ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice;

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

- iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.
- iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint-holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.
- v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.
- vi) The signature to any notice to be given by VIJAYA BANK may be written or printed.

CHAPTER IIISECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank - The Bank may enter into an agreement with one or more depository to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.
48. Agreement between a Participant and the depository:
- i. Any participant may enter into an agreement with the depository to act as its agent. The depository with whom the agreement will be entered into will be one whose services the Bank has agreed to avail of under Regulation 47.
 - ii. Any shareholder of the bank may through the participant enter into an agreement with the depository in the form specified by such depository for availing its services in respect of securities issued by the Bank.
49. Surrender of certificate of security:
- i. Any shareholder or holder of any security of the bank who has entered into an agreement under regulation 48 above shall surrender the certificate of security in respect of which he seeks to avail the service of a depository to the bank.
 - ii. The Bank on receipt of the certificate of security under sub-regulation (i) above shall cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as a registered owner in respect of that security and inform the depository accordingly.
 - iii. A depository shall, on receipt of information under sub-regulation (ii) above, enter the name of the person referred to in sub-regulation (i) above, in its records as the beneficial owner.
50. Registration of transfer of securities with depository - Every depository shall, on receipt of intimation to effect transfer from the Bank, register the transfer of securities in the name of the transferee.
51. Option to receive security certificate or to hold the security held with a depository:
- i. Every person subscribing to securities offered by the Bank, shall have option either to receive security certificate or hold the security with the depository.
 - ii. When a person opts to hold security with the depository the Bank shall intimate such depository details of allotment of securities and on receipt of such information, the depository shall enter in its register, name of the allottee as the beneficial owner of that security.

52. Securities in depository to be in a fungible form - All securities held by the depository shall be dematerialised and shall be in a fungible form.
53. Rights of beneficial owner - The beneficial owner shall be entitled to all the rights and benefits and be subjected to all the liabilities in respect of his securities held by the depository.
54. Register of Beneficial Owner -
- i. Every depository shall maintain a register and an index of beneficial owners in such form as may be prescribed under the Depositories Act, 1996 or by SEBI in respect of securities of the bank held by the Depository.
 - ii. The depository shall furnish to the Bank at such intervals as may be prescribed by the Bank, an updated copy of the register and index of the beneficial owners maintained by it.
55. Option to opt out in respect of any securities:
- i) If the beneficial owner seeks to opt out from the depository in respect of any security, he shall inform the depository accordingly.
 - ii) The depository shall on receipt of such intimation under sub-regulation (i) above make appropriate entries in its records and shall inform the Bank.
 - iii) The Bank shall within 30 (Thirty) days of the receipt of intimation from the depository and on fulfillment of such conditions and on payment of such fees as may be specified in the SEBI Depositories & Participants Regulations 1996 and / or the Depositories Act, 1996 issue a certificate of security to the beneficial owner or the transferee as the case may be.
-

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

56. Notice convening an Annual general meeting:

- i. A notice convening an annual general meeting of the share holders signed by the Chairman & Managing Director or Executive Director or any authorised official of Vijaya Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- ii. Every such notice shall state the time, date and place of such meeting and also the business that shall be transacted at that meeting.
- iii. The time and date of such meeting shall be as specified by the Board, The meeting shall be held at the place of Head Office Vijaya Bank.

57. Extraordinary General Meeting:

- i) The Chairman & Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of Shareholders if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.
- ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as it had been signed by all of them.
- iv) The ^{date & time} and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board:

Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other Shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

- v. If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i) within the period stipulated in the proviso to sub-

regulation (iv) the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition:

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

- vi. A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

58. Quorum of General Meeting:-

- i. No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless a quorum of at least five share holders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.
- ii. If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.
- iii. In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called.:

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of Section 10A(1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

59. Chairman at General Meeting:

- i) The Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director or in his absence such one of the Directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the Chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other Director present to be the chairman of the meeting.
- ii) The Chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting, to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

60. Persons entitled to attend general meetings:

- i. All Directors and all shareholders of Vijaya Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.
- ii. A share holder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the Chairman containing particulars relating to:
 - a) his full name and registered address.
 - b) the distinctive numbers of his shares.
 - c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

61. Voting at General Meetings:

- i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded, be decided on a show of hands.
- ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.

- iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in Vijaya Bank, which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.
- v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- vi) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.
- viii) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

62. Minutes of General Meetings:-

- i. Vijaya Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
 - ii. Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held or by the chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.
 - iii. Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.
-

CHAPTER V

ELECTION OF DIRECTORS

53. Directors to be elected at General Meeting:

- i. A director under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of Vijaya Bank.
- ii. Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

54. List of Shareholders:

- i. For the purpose of election of a director under sub-regulation (i) of Regulation 63 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- ii. The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase atleast three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head Office.

55. Nomination of candidates for election:

- i. No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,
 - a) he is a shareholder holding 100 shares in Vijaya Bank
 - b) he is, on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme.

- c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call.
- d) the nomination is in writing signed by atleast one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be dispatched to the Head Office of Vijaya Bank and such copy shall be deemed to be nomination on behalf of such company.
- e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Gazetted Officer or an Officer of the Reserve Bank of India or any nationalised bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.

- ii. No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of Vijaya Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

66. Scrutiny of nominations:

- i. Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.
- ii. In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- iii. A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

67. Election Disputes:

- i. If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared, to be elected, or as to the validity of the election of a Director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman & Managing Director of Vijaya Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.
- ii. On receipt of an intimation under sub-regulation (i), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of Vijaya Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) and (c) of sub-section (3) of section 9 of the Act.
- iii. The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- iv. An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

68. Determination of voting rights:

- i. Subject to the provisions contained in section 3(2E) of the Act, each shareholder who has been registered as a shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.

Subject to the provisions contained in Section 3(2E) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated herein above in sub-regulation (i).

Explanation — For this chapter, "Company" means any body corporate.

- iii. Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself, but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

69. Voting by duly authorised representative:

- i. A shareholder, being the Central Government or a Company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other persons to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or Company which he represents, as if he were an individual shareholder of Vijaya Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government/Company.
- ii. No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of Vijaya Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of Vijaya Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

70. Proxies:

- i. No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or an attorney duly authorised in writing:

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any share holder, who is, for any reasons, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government gazetted officer or an Officer of Vijaya Bank.

- ii. No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the Head Office of Vijaya Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with Vijaya Bank.
- iii. No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form "B".
- iv. An instrument of proxy deposited with Vijaya Bank shall be irrevocable and final.
- v. In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- vi. The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- vii. No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of Vijaya Bank.

VIJAYA BANK

FORM 'A'

SHARE TRANSFER FORM

(See sub-regulation (1) of regulation 17)

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of Company.

Name of the recognised Stock Exchange
where dealt in, if any.

Description of Equity Shares.			
No. in figures.	No. in words.	Consideration (in fig)	Consideration (in words)
Distictive Nos. From: To:			

Corresponding Certificate Nos.

Transferor(s) [Seller(s)] particulars. Regd. Folio No. Signature(s)

Name(s) in full.

1. -----	1. -----
2. -----	2. -----
3. -----	3. -----
4. -----	4. -----

VIJAYA BANK

FORM 'B'FORM OF PROXY

(See sub-regulation (iii) of regulation 70)

Folio No. _____

(to be filled in by the Shareholder)

I/We, resident of _____ in the district of _____
 —in the state of _____ being a shareholder/share holders of
 VIJAYA BANK hereby appoint Shri. _____ resident of _____
 in the district of _____ in the state of _____
 — or failing him, Shri. _____ resident of _____
 —in the district of _____ in the state of _____
 — as my/our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at the meeting
 of the shareholders of VIJAYA BANK to be held on the _____ day of _____
 _____ 19— and at any adjournment thereof.

Signed this _____ day of _____ 19

Name: _____

Address: _____

/Revenue Stamp/

Instruction for Attestation:

Attestation, where required (Thumb impressions, marks, signature difference etc.,) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE: names must be rubber stamped preferably in a straight line. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering
Broker or Clearing
Member _____ Date _____

POWER OF ATTORNEY/PROBATE/DEATH CERTIFICATE.
LETTERS OF ADMINISTRATION.
Registered with the Company No. Date
(Signature (Not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House.)
LODGED BY; FULL ADDRESS:
SHARE CERTIFICATE TO BE RETURNED TO: (Fill in the name and address to which the certificates are required to be returned) Name & address:
Share of Transfer Stamps:

ATTESTATION

I hereby attest the signature of
the Transferor(s) herein
mentioned.

Signature

Name

Address/Seal

Signature of Witness :

Name and Address of the
Witness

PIN

Transferee(s)
name(s) in full. :

[Buyer(s)] particulars:

SIGNATURE(S):

1. _____
2. _____
3. _____

1. _____
2. _____
3. _____

Occupation	Address.	Father's/Husband's Name.
1.		
2.		
3.		

Transferee(s) existing

Folio if any, in same

order of names

Value of stamps affixed Rs.

Dated this-----day of-----One thousand Nine hundred-----

Place-----

For Office Use Only

Checked by : _____

Signatures tallied by:

Entered in Register of:

Transfer No.

Approval Date.

Folio Company Code

Specimen Signatures 1.

Of Transferor(s) 2.

3.

UNIT TRUST OF INDIA

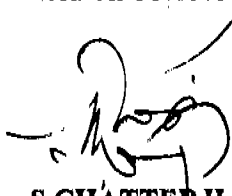
MUMBAI

UT/DBDM/R-

/SPD-114/99-2000

18th November 99

The offer document of the UTI-G-Sec Fund formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963(52 of 1963) approved in the Executive Committee meeting held on 11.05.1999 is published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING



UNIT TRUST OF INDIA

UTI G-Sec Fund

OFFER DOCUMENT

Initial Offer Open from August 23 to September 4, 1999
Scheme will reopen for Sale/Repurchase from October 5, 1999.

The UTI G-Sec Fund has been formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963) by the Board of Trustees of UTI. This offer document sets forth concisely the information about the scheme that a prospective investor ought to know before investing. The offer document should be retained for future reference.

The scheme particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, as amended, and filed with SEBI. The units offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

Objective of the scheme

To generate risk free return in the form of capital appreciation through investments in Central and State government securities including Call money, Treasury Bills, Repos etc. of varying maturities.

HIGHLIGHTS

- ☐ An open ended Gilt Fund fully dedicated for investing in Central & State Governments securities and offering zero credit risk. However, it is not a Money Market Fund Scheme as defined by RBI.
- ☐ The scheme will have two options : 1. Income option, wherein investor will receive tax-free income & 2. Growth option, wherein income generated will be ploughed back into the scheme and reflected as growth in the NAV. Facility for re-investment of income at NAV under the Income option and rollover under the growth option.
- ☐ The face value of a unit is Rs.100/- and units will be sold at par during the initial offer period. Sale and Repurchase after the initial offer will be at NAV. NAV upto four decimal places will be declared daily, on a prospective basis under both the options.
- ☐ Minimum investment is Rs.10,000/- . No maximum limit.
- ☐ Periodic Investment Plan (PIP) with minimum monthly investments of Rs.1,000/- or more after making an initial investment of Rs. 10,000 or more.
- ☐ Roll-over facility i.e repurchase of any or entire outstanding unitholding on any day as desired by the investor and investment of the entire proceeds or a part thereof or the principal investment on the next working day.
- ☐ The Trust seeks to maintain high expense efficiency in managing the scheme. The initial issue expenses will be amortised over 5 years. All recurring expenses including contribution to DRF & Staff Welfare Fund will be charged to the scheme, subject to a limit of 1% of the average daily NAV. Any expenses above 1% will be borne by the DRF of the Trust.
- ☐ Income received under the scheme by all categories of investors is exempt from tax in their hands under section 10(33) of the I.T. Act. There will be no deduction of income tax at source by the Trust irrespective of the amount of income receivable by an investor in respect of investment in the scheme.
- ☐ Tax benefits under sections 48 & 112 of Income Tax Act, 1961 on capital gains from capital appreciation.
- ☐ Eligible Investment to avail of Capital gains tax exemption under sections 54EA and 54EB of the Income Tax Act, 1961 subject to lock-in for three/seven years from the date of acceptance of application.
- ☐ Value of investment in the scheme is totally free from the levy of Wealth Tax.
- ☐ UTI G-Sec Fund will be entitled to liquidity support from RBI under the dedicated Gilts Fund Scheme. UTI G-Sec Fund will also be entitled to open SGL and Current Account with RBI separately.

II. DUE DILIGENCE CERTIFICATE

Due Dillgence Certificate submitted to SEBI for UTI G-Sec Fund

It is confirmed that:

I.the draft offer document forwarded to Securities and Exchange Board of India is in accordance with the SEBI (Mutual Funds)Regulations, 1996 and the guidelines and directives issued by SEBI from time to time.

II.all legal requirements connected with the launching of the scheme as also the guidelines, instructions, etc. Issued by the Government and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with.

III.the disclosures made in the offer document are true, fair and adequate to enable the Investors to make a well informed decision regarding investment in the proposed scheme.

IV.all the intermediarjes named in the offer document are registered with SEBI and till date such registration is valid.

Date: 11. 06.99

Place : Mumbai

Signature

sd/-

Name: B.S. PANDIT
Compliance Officer

With seal:

III. DEFINITIONS

In this scheme unless the context otherwise requires:

- a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that the application is in order, accepts the same at any of its branch offices.
- b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;(52 of 1963).
- c) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme who is not a minor.
- d) "Eligible institution" includes an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.
- e) "firm", "partner" and "partnership" have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor is admitted to the benefits of the partnership.
- f) "Gilts/Government Securities" means securities created and issued by the Central Government and/or a State Governments.
- g) "Initial Offer Period" shall be from August 23, 1999 to September 4, 1999 during which units will be sold at par.
- h) "Member" used as an expression under the scheme shall mean and include the applicant who has been allotted units under the scheme.
- i) "Non Resident Indian (NRI) ", means Non Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grandparents, howsoever high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- j) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (l) "Overseas Corporate Bodies" (OCBs), include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned, directly or indirectly, to the extent of atleast 60% by individuals of Indian nationality or origin resident outside India as also overseas trust in which atleast 60% of the beneficial interest is irrevocably held by such persons.
- k) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- l) "RBI" means the Reserve Bank of India established under the Reserve Bank of India Act, 1934.
- m) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrars under the scheme from time to time.
- n) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 framed under Section 43 (1) of the Act.
- o) "Repo" means sale of government securities with simultaneous agreement to repurchase them at a later date and shall also include reverse repo.
- p) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India constituted under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).
- q) "Society" means a society registered under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- r) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees one hundred in the unit capital.
- s) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- t) "Unit Trust" or "Trust" means the Unit Trust of India constituted under Section 3 of the Act.
- u) All other expressions not defined herein but defined in the Act/ Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/ Regulations.
- v) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

IV. RISK FACTORS

- ❑ Mutual Funds and securities investments are subject to market risks. There is no assurance or guarantee that the objectives of the scheme will be achieved.
- ❑ As with any investment in securities, the NAV of the units issued under the scheme can go up or down depending on the factors and forces affecting the government securities market.
- ❑ Performance of previous schemes/plans is not necessarily an indication of future results.
- ❑ UTI G-Sec Fund is only the name of the scheme and does not in any manner indicate the quality of the scheme.
- ❑ Derivatives: The fund may use derivative products such as Interest Rate Swaps, Floor, Cap, Collars etc. for the purpose of hedging the interest rate risks, as and when they are introduced/permitted in Indian markets.

Trading in derivative securities like options & futures is a highly specialised activity and entails greater than ordinary investment risks. Even though the Fund intends to use the activity of investing in derivatives only for portfolio hedging purposes, the overall market in these segments could be highly speculative due to the actions of the other participants in this market. The success of dealing in derivatives depends upon the ability of the fund manager in predicting the future movement of the market and if the fund manager is incorrect in their prediction the performance of the fund could diminish compared to what it would have been if this investment strategy had not been used.

Scheme specific risks:

- ❑ Zero Credit Risk: Bonds /debentures as well as other money market instruments issued by corporate entities run the risk of down grading by the rating agencies and even default as the worst case. Securities issued by Central/State government have lesser to zero probability of such risk. Payment of interest and principal amount has a sovereign status implying no default.

Interest -Rate Risk : Government security which are fixed return securities, run price-risk like any other fixed income security. Generally, when interest rates rise, prices of fixed income securities fall and when interest rates drop, the prices increase. The level of interest rates is determined by the rates at which government raises new money through RBI, the price levels at which the market is already dealing in existing securities. The extent of fall or rise in the prices is a function of the existing coupon rate, number of days to maturity and the increase or decrease in the level of interest rates. The prices of Government securities are also influenced by the liquidity in the financial system and/or the open market operations (OMO) by RBI. Pressure on exchange rate of the Rupee may also affect security prices. Such rise and fall in price of government securities in the portfolio of the fund may influence the NAV under both the options of the fund as and when such changes occur.

Liquidity Risk: The Indian Government Securities market is such that a large percentage of the total traded volumes on particular days might be concentrated in a few securities. Traded volumes for particular securities differ significantly on a daily basis. Consequently, the fund might have to incur a significant "Impact cost" while transacting large volumes in a particular security.

Attractiveness of Gilt Fund: The spread between returns provided by corporate debt and gilts has been reducing in the recent time. Looking at the risk-return trade-off, gilts are emerging as an attractive investment avenue. Many institutions like Provident Funds, Trusts & Societies are either required compulsorily to invest a part of their funds in government securities and generally prefer safety and liquidity over returns. These institutions may come across problems in acquiring government securities as the minimum deal size in the gilt segment is generally Rs. 5 crore. They may also not be able to get the right price and have difficulty in selling them as well. These institutions usually have to scout for securities or wait till they can find a secured

investment as per their requirement. Gilt funds are more professionally managed. Hence open-ended gilt funds, which are NAV driven on a daily basis, can be used for investing PF money effectively. Gilt funds are expected to earn higher returns by undertaking active trading in government securities as against the passive buy and hold method which give returns equal to the coupon of the government security. Hence investing in government securities through a dedicated G-Sec fund is a better option.

V. UNITS & OFFER

1. This scheme shall be called the UTI G-Sec Fund.
2. The scheme shall be an open ended dedicated Gilt Fund.
3. Units will be on sale initially at par value of Rs.100/- per unit from August 23, 1999 to September 4, 1999 for 13 days. The Trust reserves the right to extend the initial offer subject to the condition that the initial offer shall not be kept open for more than 45 days. Provided, however the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust / Chairman may suspend the sale of units under the scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 3 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.
4. The face value of each unit issued under the scheme shall be hundred rupees.
5. Application for units :
Application for units may be made by residents and also non residents.

I) Residents

- i) Non-government provident funds, superannuation funds & gratuity funds as also other provident funds, pension funds, superannuation funds and gratuity funds as and when permitted to invest.
- ii) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing

and also provident fund trusts.

- iii) Society as defined under the scheme including registered co-operative society.
- iv) Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds.
- v) Other bodies corporate including companies within the meaning of the Companies Act, 1956
- vi) Banks (including Co-operative Banks and Regional Rural Banks).
- vii) Financial Institutions and Non Banking Finance Companies.
- viii) Mutual Funds registered with SEBI.
- ix) individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals. In case of joint application, only the first named person alone shall be recognised by the Trust as the member for all practical purposes.
- x) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- xi) A Hindu Undivided Family.
- xii) Partnership firms*.
- xiii) Scientific and Industrial Research Organisations.

II) Non-Residents on fully repatriable basis by

- i) Non resident adult individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- ii) Father/Mother/Step-parent/Lawful Guardian on behalf of Non-resident minor.
- iii) Non-Resident HUF
- iv) Non-resident Company/ Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of atleast 60%.

III) Foreign Institutional Investors (FIIs) registered with SEBI.

IV) International Multilateral Agencies approved by the Government of India.

* An application by a partnership firm shall be

made by not more than three members of the firm and the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.

6. Minimum amount of investment

Application shall be made for a minimum of Rs.10,000/- . There will be no maximum limit. For investments not in multiple of Rs.100/-, units will be allotted in fractions upto three places after the decimal. For subsequent investments in a folio the minimum investment is Rs.1,000/-. The investor is advised to furnish Income Tax P.A.N./ G.I.R. number and I T Circle address if he/ she is having it.

7. Periodic Investment Plan (PIP)

Investors desirous of investing a fixed sum on monthly basis (minimum of Rs. 1000/-) after making an initial investment of Rs. 10,000/- or more, may avail of this plan. PIP is explained by means of the following illustration :

Date of investment	Amount Invested (Rs.)	Sale Price (Rs.)	No. of units allotted
3rd Jan	10,000	100.8000	99.206
3rd Feb.	10,000	101.6000	98.425
3rd March	10,000	102.4000	97.656
3rd April	10,000	102.0000	98.039
3rd May	10,000	102.8000	97.276

Average sale price to investor is Rs.101.9156 as on 03rd May.

8. Target amount of the issue

Amount of Rs.1 crore is targeted to be raised under the scheme during the initial offer period.

If the said targeted amount of Rs.1 crore is not subscribed, the Trust shall refund by an account payee cheque/refund order not later than six weeks from the date of closure of the sale of units under the scheme the entire amount collected under the scheme. In the event of failure to refund any subscription amount within the period stipulated, the Trust shall be liable to pay interest to the concerned applicants @ 15% per annum for the period from the 43rd day of the date of closure to the actual date of refund order.

9. Statement of Account

The Trust shall issue a Statement of Account to the members for acknowledging his investment in the scheme. Under normal circumstances, the Trust shall send such Statement of Account to the member not later than 15 working days from the date of closure of the initial offer period or 15 working days from the date of acceptance of an application when the scheme reopens for sale after the closure of the initial offer period.

The non resident Indian may choose any one of the following modes of despatch of Statement of account:

- i) At the applicant's Indian/foreign address

OR

- ii) At the address of the applicant's relative in India.

Every member will receive an updated Statement of Account each time any additional purchase or repurchase is made.

Exchange of Statement of Account when it is mutilated, defaced, lost etc.

In such cases a duplicate Statement of Account will be issued based on a simple request.

10. Transfer/Pledge/Assignment of Units

Units issued under the scheme are not Transferable/Pledgeable/Assignable.

11. Termination of the scheme

- i) The duration of the scheme is indefinite. The Trust may however, terminate and initiate steps to wind it up under the following circumstances:
- on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the scheme to be wound up, or
 - if 75% of the Members pass a resolution that the scheme be wound up; or
 - if the SEBI so directs in the interest of the Members.
- ii) Where the scheme is wound up in pursuance of sub clause (i) above, the Trust shall give notice

of the circumstances leading to the winding up of the scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.

- iii) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall -
 - a) cease to carry on any business activities in respect of the scheme.
 - b) cease to create and cancel units in the scheme.
 - c) cease to issue and redeem units in the scheme.
- iv) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the scheme.
- v) a) The Board of Trustees or the person authorised under sub clause (iv) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the scheme.
- b) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (v) (a) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the scheme as on the date when the decision for winding up was taken.
- vi) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.
- vii) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures

of half yearly reports and annual report shall continue until winding up is completed or the scheme ceases to exist.

- viii) After the receipt of the report referred to in item (vi) above, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.
- ix) The Trust shall pay the redemption value as early as possible after the procedural and operational formalities are complied with.
- x) In case of non-resident investors, redemption proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:
 - a) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the Member's FCNR deposits or from funds held in Member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency or credited to his non resident (external) or non resident (ordinary) account (NRO).
 - b) When units have been purchased when they were resident of India or from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the maturity cheque will be sent either to the investor's bankers in India or to a relative of him in India for crediting the same to the member's NRO account.

VI. EXPENSES

a) Initial Issue expenses

i) Initial issue expenses shall not exceed 6% of the funds raised under the scheme. Initial issue expenses of the scheme is estimated to be as under:

Expenses	%
Printing & Postage	0.10
Publicity & Marketing	1.45
Processing Charges	0.20
Commission to agents	0.25
Total	2.00

The initial issue expenses shall be amortised over

5 years.

Thus for every Rupee invested during the initial offer period by an investor not less than 98.00 paise will be invested in the scheme. The total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

ii) Initial issue expenses for the schemes launched during the last fiscal year are as follows:

Scheme	Expenses (% of funds collected)
UGS 10000	4.02
UTI Bond Fund	1.47
MIP 98 (II)	1.65
UTI-Small Investors' Fund	17.58
Master Value Unit Plan	5.20
Master Index Fund	3.25
MIP-98 (III)	2.30
MIP-98 (IV)	2.67
IISFUS-98 (II)	0.04
MIP-98 (V)	2.59

The expenses borne by the Trust (by charge to DRF) in respect of schemes launched during the last fiscal year are:

Scheme	Expenses (% of funds collected)
UTI-Small Investors' Fund	11.58

b) Recurring expenses

The following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimates being as under:

Expenses	%
Custodial Fees	0.10
Development Reserve Fund	0.25
Staff Welfare Fund	0.10
Marketing & Publicity	0.15
Administrative & Processing charges	0.20
Commission to Agents	0.20
Total	1.00

The above estimates are subject to change inter

se as per actual expenses incurred.

In case the annual recurring expenses of the scheme exceed 1% of the daily average NAV the excess will be borne by the Development Reserve Fund (DRF) of the Trust.

c) Development Reserve Fund (DRF) contribution

0.25% p.a. of the daily average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year. DRF contribution will be part of the recurring expenses as stated above.

The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other productional & developmental work not related to or linked with any particular scheme itself. The Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust as well as the issue expenses for no-load schemes.

d) Staff Welfare Fund Contribution

0.10% p.a. of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund and the same will form part of the recurring expenses as stated above. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. However, UTI will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring

expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

VII.SALE OF UNITS

1. The scheme shall remain open initially for the period from August 23, 1999 to September 4, 1999 both days inclusive. Sale price of units during the initial offer period shall be at par (i.e. Rs.100/- per unit).

The price at which a unit under the scheme will be sold by the Unit Trust will be herein after referred to as "Sale Price". The scheme will reopen for sale after 30 days from the date of closure of the initial offer period i.e. 5th October, 1999. The sale price of units on reopening after the initial offer for each option will be at NAV (prospective) determined on a daily basis to be announced for each working day of the Trust.

On re-opening for sale, for applications tendered at the Franchise Office (T) the applicable NAV will be on the date at which the application is received at the Branch Office or as on 5th day (T+5) after tendering the application, whichever is earlier.

In respect of all applications received and accepted at UTI branch/offices by 2.00 p.m. on a particular day the applicable NAV will be that of the same day which will be declared on the next working day. All applications received and accepted after 2.00 p.m. will be governed by the NAV of the next working day.

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant a Statement of Account acknowledging his investment in the scheme. The Statement of Account, issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Statement of Account so sent.

The Trust shall send the Statement of Account under a folio not later than 15 working days from the date of closure of the initial offer period or 15 working days from the date of acceptance of an application at the UTI Branch Office when the scheme reopens for sale after the closure of the initial offer period.

Any additional purchase of units under a folio or under the Periodic Investment Plan (PIP) will be at NAV (Prospective) and the investor will be sent a Statement of Account giving the latest position of units in his folio.

2. Mode of Payment

i) Applications can be submitted at UTI branch offices/Franchise Offices and CR Collection Centres (only during the initial offer period). The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application by a cheque or draft (bank draft charges will have to be borne by the investor). Where applications are submitted at UTI branch offices/franchise offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office/franchise office at which the application is tendered is situated.

ii) If the payment is made by a cheque/draft, the date of acceptance of the application will, subject to such cheque/draft being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust.

If the application amount is less than the minimum investment under the scheme, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

iii) *Mode of Investment with repatriation benefits*

The investments by NRIs/OCBs shall carry the right of repatriation of repurchase proceeds and income distributed if any, as long as the NRI investor continues to be resident outside India. Investment in these cases can be made through one of the following modes:

- a) By a draft in Indian rupees issued in favour of UTI by a bank/exchange house operating outside India drawn on their Indian correspondent banks.
- b) By a cheque drawn on the investor's NRE account maintained with a bank in India.
- c) By a cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits.
- d) By a draft in foreign currency issued in favour of UTI. Since investment in units is made in Indian rupees, all foreign currency drafts are converted into Indian rupees at the rate of exchange ruling at the time of such conversion. Shortfall, if any, will have to be remitted by the NRI investor.

In view of the above it is advisable that NRI/OCB investors make payment by instruments mentioned at (a) & (b) above.

Further, payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted..

iv) Mode of investment without repatriation benefits

Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested together with capital appreciation (if any), will not qualify for repatriation out of India. Similarly, investments in units purchased in Indian rupees while the investor was a resident of India and becomes non-resident subsequently will not qualify for repatriation of sale proceeds of units.

However as per RBI circular (A.D.M.A.Series) No.18 dated August 19, 1994 the entire income earned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation. While in such cases UTI will make payment in Indian Rupees for credit to their NRO A/C, investors are advised to contact their banks/ tax consultants if they desire any remittance of such income.

3. Application by and registration of eligible institutions, minors etc. :

- i) Eligible institutions, bodies corporate, and societies (including co-operative societies) may

be registered as members.

- ii) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

- iii) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Declaration of Trust Memorandum and Articles of Association, Bye-laws etc, certified copy of the resolution by the managing body etc. statutory approval authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.

- iv) A firm shall be registered as a member and the Statement of Account shall be made in the name of the firm.

4. Right of the Trust to accept or reject application:

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- i) The application is received with less amount than the minimum investment of Rs.10,000/- or Rs.1,000/- for subsequent investments under a folio.
- ii) The application has not been signed by the first applicant and
- iii) The applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make

an application under the scheme shall be final.

iv) Also an application without the first applicant's bank particulars will be liable to be not accepted.

In case an application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum. Refund in such rejected cases will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

5. Applicant to comply with requirements under the scheme before being issued units

Persons applying for units under the scheme on behalf of a minor shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements as laid down by the Trust such as submission of the Birth Certificate of the minor.

Applications for units on behalf of bodies like Partnerships/Co-operative Societies/Bodies Corporate/Companies/provident funds, superannuation fund and gratuity funds shall be accompanied by a certified copy of Partnership Deed of the Partnership/Bye-Laws of the Society/Statute governing the Body Corporate/Memorandum and Articles of Association of the Company together with a certified copy of the resolution of the concerned governing body authorising investment in the scheme. At the time of repurchase of the units, a certified copy of the resolution of the concerned governing body authorising repurchase and also authorisation of the concerned official(s) of the body to comply with the formalities and collect the repurchase cheque will have to be submitted.

Person who come to hold units under a false declaration shall be liable to have their membership cancelled and the name deleted from the register of members.

In such an event the Trust shall have the right to repurchase such units at the face value or

the NAV applicable to such repurchase whichever is lower and deduct therefrom 25% of such amount as penalty or at such price as may be decided by the Trust. Further, any income distribution wrongly paid to him will be recovered from the repurchase proceeds and return the balance amount to the concerned person.

The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and return the amount to the applicant.

6. Nomination by members

i) Nomination facility is available only to individuals applying on their own behalf i.e. singly or jointly with one or two persons. An applicant can nominate one person. Minors and Non-Resident Indians can also be nominated. Nomination of Non-Resident Indians will be subject to the guidelines issued by the RBI from time to time. Applicants can change the nomination at any time during the currency of the scheme.

ii) Members being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms, PF, Superannuation, Gratuity Funds, FIs etc. shall have no right to make any nomination.

Other provisions will be to the extent provided in the regulations.

iii) Legal validity of nomination: the facility of the statutory nomination is available to a member under Section 39A of the Unit Trust of India Act, 1963. Accordingly, where a nomination in respect of any unit has been made in accordance with the UTI General Regulations, 1964, the amount payable to the member in respect of the said unit shall on the death of the member vest in, and be payable to the nominee in any case subject to any right, title claim or other interest of any other person to or in respect of the said units as provided in such regulations and subject to any charge or encumbrance over the said unit.

Payment made by the Trust as aforesaid shall be a full discharge to the Trust from all liability in respect of the said units.

VIII. REPURCHASE OF UNITS

1. Repurchase

- i) Repurchases of units will commence after a period not exceeding 30 days after the date of closure of the initial offer period and will be open throughout the year except during the book closure period not exceeding 15 days in a year.
- ii) The repurchase price shall be announced for each working day of the Trust.
- iii) On re-opening of the scheme for repurchase, repurchase requests tendered at the Franchise office (T) the applicable repurchase price will be on the date on which the application is received at the Branch Office or as on 5th day (T+5) after tendering the application at Franchise Office whichever is earlier.
- iv) Repurchase will be at NAV (prospective). In respect of all applications for repurchase received by 2 p.m. on a particular day the applicable NAV will be that of the same day which will be declared on the next working day. For all applications received after 2.p.m., repurchase will be at the NAV of the next working day. Repurchase will be effected on receipt of the repurchase slip duly signed by all the holders. Under normal circumstances, Payment for units repurchased by the Trust after deductions, if any, shall be made within 3 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the repurchase slip duly discharged at the centre where the repurchase requests are processed.
- v) Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs.10,000 (face value) under the folio. In the event of partial repurchase, the member shall be issued a fresh Statement of Account showing the balance number of units to his credit.
- vi) In the event of the death of the member/s and on surrender to the Trust by the legal representative of the statement of account, together with a request letter for repurchase of the outstanding units to the credit of the deceased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of his claim, repurchase the units in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the repurchase proceeds in respect of the outstanding holding as on the date of the settlement of the claim.
- vii) The legal representative of the investor may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a member and continue to remain registered as a member. In such an event he shall be issued a statement of account in his name in respect of units so desired to be held subject to his fulfilling the conditions regarding minimum holding.
- viii) No interest shall, on any account, be payable on the amount of repurchase due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.
- ix) Bank particulars of investors:
As a matter of precaution against possible fraudulent encashment of cheques due to loss/misplacement, applicants are requested to give the full particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgement receipt portion for record. Repurchase cheques will then be made out in favour of the bank for crediting their account so specified and sent to them. Members may deposit the repurchase cheques in the said bank for credit of their account.
In this context it may be noted that in order to avoid fraudulent encashment of Repurchase cheques, SEBI has made it mandatory for

investors, in their own interest to give bank particulars at the appropriate place in the application form. Applications without Bank particulars will not be accepted.

x) In case of non-resident investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as follows:

i) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad/ by cheque/draft issued from proceeds of member's FCNR deposit or from funds held in the member's Non-Resident (External) Account with a bank in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency (any exchange rate fluctuation will be borne by the member) or can be sent to the member's relative in India for crediting the member's Non-Resident (External) Account provided he continues to be resident abroad. It can also be sent for crediting to his Non-Resident (Ordinary) Account if so desired by the member.

ii) When units have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account or units were purchased when the investor was a resident of India, the proceeds will be sent to the member's bankers in India or his relative in India for crediting the same to the member's Non-Resident (Ordinary) Account.

xi) Rollover facility

This facility is available for investors under Growth Option. Under this option, the investor can repurchase his outstanding unitholding and invest the entire proceeds or part thereof on the next day. This will enable investors to recognize the capital appreciation as Income/gain in their books in a tax efficient manner.

xii) Restrictions on sale and repurchase of units : Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units :-
a) On such days as are not working days; and
b) during the period (as notified by the Trust)

when the register of unitholders is closed for any purpose as notified by the Trust.

Explanation : For the purpose of this scheme the term 'working day' shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the state of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

IX. INCOME DISTRIBUTION

The member shall have the right to exercise an option to participate in :

- 1) Income Option OR
- 2) Growth Option

This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In case no option is exercised, it will be deemed to be under the Growth Option and processed accordingly. There is no assurance of the capital and returns..

The provisions of the scheme and the plan made thereunder will be applied to both the options and where the provisions vary the relative details are given accordingly.

1) Income Option

i) Income distribution for the year will be declared for the year ending 30th June, every year and the income distribution warrants will be despatched not later than 30 days from the declaration of the Income distribution.

ii) The Trust may, at its discretion, declare Income distribution under the scheme on a more frequent basis in a year, e.g. monthly/quarterly/ semi-annually etc.

iii) The first income distribution will be announced for the year ending June 30, 2000 and the income distribution warrants will be despatched not later than 30 days from the

declaration of the income distribution.

iv) Income warrant shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

v) Facility to re-invest income at NAV is available. If the investor desires to opt for the facility at the initial stage, he can indicate the same in the application form. The investor can also join the plan at a later date by writing a simple letter to the Trust/registrars by quoting his folio number. He can also opt out of the re-investment option at any time, by writing to the Trust/registrars in advance to that effect.

2. Growth Option

No income will be declared and distributed under this option. Investors shall not be eligible for income distribution by the Trust. All income generated and profits booked will be ploughed back into the scheme and returns shall be reflected through growth in the NAV.

Rollover Facility

This facility is available for investors under Growth Option. Under this option, the investor can repurchase its outstanding unit holding and invest the entire proceeds or part thereof on the next day. This will enable investors to recognize the capital appreciation as capital gain in their books in a tax efficient manner.

3. Bank particulars of investors :

Electronic Clearing Service :

Reserve Bank of India has introduced the concept of Electronic Clearing Services (ECS) to obviate the need for issuing and handling paper instruments and thereby facilitating improved customer service. Presently, this facility is available to investors from Mumbai, Calcutta, Chennai, New Delhi & Lucknow for credit to their bank accounts at their respective centres and where the amount under one single instrument is upto Rs.5,00,000/-.

As per guidelines issued by RBI in this regard, an investor is required to give his mandate for ECS as per the format given in the application form with all the details completed therein. This will help the Trust to credit the income amount to the investor's account with the concerned bank at the earliest and eliminate the work of printing and despatch of income warrants and serve him better. The bank branch will credit the member's account and indicate the credit entry with "ECS" in the passbook/bank statement of account. The applicant who desires to avail of this facility may fill up the particulars of name and address of his bank, nature and number of account, 9 digit bank and branch MICR number etc. in the application form.

It is however not compulsory to get income distribution through ECS facility.

In case the response to this facility is not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may pay the income by issue of Income warrant as mentioned above instead of paying income under ECS.

As a matter of precaution against possible fraudulent encashment of Income Distribution Warrants due to loss/ misplacement, applicants in the five cities who do not avail of the above facility as also those residing outside the cities viz. Mumbai, Calcutta, Chennai, New Delhi and Lucknow are requested to give the full particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgement receipt portion for record. Income Distribution Warrants will then be made out in favour of the bank for crediting their account so specified and sent to them. Members may deposit the Income Distribution Warrants every month in the said bank for credit of their account.

In order to avoid fraudulent encashment of Income Distribution Warrants/Repurchase cheques, SEBI has made it mandatory for investors, in their own interest to give bank particulars at the appropriate place in the application form. Applications without Bank particulars will not be accepted.

Income Distribution to Non Resident Indian investor

Income under the scheme shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

- i) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member, as the case may be.

OR

- ii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for being credited to his account.

X. INVESTMENT OBJECTIVES, POLICIES, STOCK LENDING & DERIVATIVES

1. Investment Objective

i) Investment objective of the scheme is to generate risk-free return by way of income or growth in the Net Asset Value by investing in the following instruments:

- ☐ Central Government Securities
- ☐ State Government Securities
- ☐ Call Money
- ☐ Treasury Bills
- ☐ Repos

ii) To ensure total safety, the scheme will not invest in any other securities such as shares, debentures or bonds issued by any entity. As the investments made under the scheme are in government securities issued by the Central/ State Governments there is no risk of default of payment of the principal or interest amount.

iii) The maturity profile of the investment will be guided by the need for maximisation of the returns and the investment objective of the investors.

iv) The scheme may seek to underwrite either directly or through an intermediary issuance of government securities if and to the extent permitted by SEBI/RBI and subject to the

prevailing rules and regulations specified in this respect and may also participate in their auction from time to time.

2. Fundamental Attributes

i) "Fundamental attributes" for this scheme would mean the following.

a) Type of scheme : UTI G-Sec Fund is an open ended, dedicated gilt fund.

b) Investment objective : as provided under clause X(1) of this offer document.

c) Terms of issue : provisions in this offer document in respect of repurchase/ redemption of units and expenses

ii) Any change in the fundamental attributes of the scheme will be carried out only with the consent of not less than three-fourths of the members. Further, in the event of any change in the fundamental attributes those who do not give their consent will be allowed to repurchase their unitholdings in the scheme.

iii) Any amendment which is not amendment to fundamental attributes and which does not affect the interests of unitholders may be made, with the prior approval of SEBI.

iv) The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

3. Investment Policies

i) No term loans will be advanced by this scheme.

ii) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction.

iii) The Trust shall, get the securities purchased or transferred in the name of the Trust

iv) Subject to requisite authorisations, UTI, in appropriate circumstances, may use techniques

and instruments, such as futures and options and other derivatives subject to applicable regulations and counter-party risk assessment, as and when they become permissible in the Indian market, for the purposes of achieving the investment objective of the scheme or hedging or minimising the risk.

v) Overseas Investment:- The scheme may invest in Securities issued abroad in conformity with the guidelines, rules and regulations issued by SEBI and RBI in this respect from time to time.

vi) The services of UTI Securities Exchange Limited (UTI SEL) a stock-broking firm and subsidiary of UTI may be utilised for securities transactions of the scheme as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994. It is a high technology company offering fair transparent and efficient services to suit investors requirements. Its registered office is at Mumbai.

vii) There is no restriction on the extent to which the scheme invests in any particular government security.

4. (i) List of schemes wherein companies have invested more than 5% of the net asset value of a scheme as on 31/12/98

Sr. No.	Scheme Name	Name of Company holding > 5% of scheme assets
1	US 95	State Bank of Mysore
2	IISFUS ' 97	Hindustan Lever Ltd HDFC
3	UTI-MMF	Bennett Coleman Co.Ltd. UTI Bank Ltd. SHCIL
4	UTI-IEF	ICRA ICICI IDBI
5	MIP 97 (IV)	HP State Co-op. Bank Ltd. Oriental Bank of Commerce

6	IISFUS 97(II)	State Bank of India
7	IISFUS 98	The Peerless General Finance & Investment Co. Ltd.
8	IISFUS98(II)	National Housing Bank
9	UTI Bond Fund	Bennett Coleman Co. Ltd. HDFC Maharashtra Road Development Corporation Ltd. ITC Ltd.
10	Master Value Unit Plan	State Bank of India IDBI
11	Master Index Fund	Bank of Baroda Oriental Bank of Commerce State Bank of India IDBI

ii) Investment made by that scheme or any other scheme of UTI in that company or its subsidiaries on an aggregate basis as on 31/12/98

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Term Loan	Depo- sits	Total
Bennett Coleman Co. Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Bank of Baroda	36.20	0.00	0.00	0.00	36.20
HDFC	303.39	150.00	0.00	0.00	453.39
Hindustan Lever Ltd.	1082.68	6.60	0.88	0.00	1090.16
HP State Co-op. Bank Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ICICI	223.72	1328.68	595.00	0.00	2147.40
ICICI Banking Corp. Ltd. (ICICI Subsidiary)	30.84	0.00	0.00	0.00	30.84
ICICI Securities & Finance Company Ltd. (ICICI Subsidiary)	0.00	34.70	0.00	67.00	101.70
ICRA	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
IDBI	363.39	1883.92	0.00	0.00	2247.31
ITC Ltd.	1776.93	81.35	0.00	0.00	1858.28
ITC Hotels (ITC Subsidiary)	28.41	0.05	0.00	0.00	28.46
Lakme Ltd. (HLL subsidiary)	2.25	0.00	0.00	0.00	2.25
Maharashtra State Road Development Corporation Ltd.	0.00	202.12	0.00	0.00	202.12
National Housing Bank	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Oriental Bank of Commerce	31.66	0.00	0.00	0.00	31.66

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Term Loan	Depo- sits	Total
SHCIL	1.00	0.00	0.00	0.00	1.00
SIDBI (IDBI Subsidiary)	0.00	75.36	0.00	0.00	75.36
State Bank of India	844.47	52.33	0.00	0.00	896.80
State Bank of Mysore	0.18	0.00	0.00	0.00	0.18
The Peerless General Finance & Investment Co. Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
UTI Bank Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL	4725.1238	15.11595	88	67.0092	03.11

5. However, notwithstanding anything contained in respect of clauses IX (3), XII (1) and XII (2) the valuation of assets, computation of NAV, repurchase price and their frequency of disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/ Directives issued by SEBI from time to time.

XI. INTER-SCHEME TRANSFERS

Transfer of investments from /to this scheme to/ from another scheme/plan of the Trust shall be done only-

- at the prevailing market price for quoted instruments on spot basis.

Explanation : "spot basis" shall have the same meaning as specified by NSE for its Wholesale Debt Market segment/BSE/OTCEI (as and when they start trading) in government securities.

- the securities so transferred are in conformity with the investment objective of the scheme/ plan to which such transfer has been made.
- Transfer of unlisted or unquoted investments from/to the plan to/from another scheme/ plan of the Trust are as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.

XII. BORROWINGS

1. As per section 20 of the Unit Trust of India Act 1963 the Trust has the following borrowing

powers:

i) The Trust may borrow, whether in India or outside India from any authority or person, not being Government or the Reserve Bank, against such security and on such terms and conditions as may be agreed upon.

ii) The Trust may borrow money from the Reserve Bank-

a) repayable on demand or on the expiry of a fixed period not exceeding ninety days from the date on which the money is so borrowed, against stocks, funds and securities (other than immovable property) in which a trustee is authorised to invest trust money by any law for the time being in force in India;

b) repayable on demand or within a period of eighteen months from the date on which the money is so borrowed, against the security of the bonds which the Trust may issue with the approval of the Central Government;

c) on such terms and conditions and against the security of such other property of the Trust as may be specified in this behalf by the Reserve Bank for the purposes of any scheme other than the first unit scheme:

Provided that any amount borrowed under this clause and outstanding at any one time shall not exceed-

a) five crores of rupees in respect of each such scheme; and

b) ten crores of rupees in respect of all such schemes in the aggregate.

iii) The bonds issued by the Trust under sub-section (ii) shall be guaranteed by the Central Government as to the repayment of principal and the payment of interest at such rate as may be fixed by the central government at the time the bonds are issued.

2. The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the

purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members.

Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

3. Being a scheme dedicated exclusively to investments in government securities, the scheme will apply to the RBI for availing of liquidity support of upto 20% of the outstanding value of its investments in government securities (as of the preceeding month end) made available by the RBI under its Guidelines vide its letter Ref. IIC.No.2741/03.01.00/95-96 dated April 20, 1996. Liquidity support under these guidelines is by way of outright sale of government securities by the Scheme to RBI as well as by way of Repo.

XIII. NAV DETERMINATION & VALUATION OF ASSETS

1. Computation and disclosure of Net Asset Value (NAV):

- a) The NAV of the scheme will be determined separately for the Income Option and Growth Option.
- b) The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The NAV per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date.
- c) The NAV (on prospective basis) shall be issued to the press for publication from 31st day after the closure of the initial offer period on a daily basis.
- d) NAV will be calculated upto four decimal places.

2. Valuation of assets pertaining to this scheme

- a) Quoted government securities are valued

at closing NSE / SGL / BSE / OTCEI (as and when they start trading in government securities) market rates on the valuation date and in its absence the latest available quote within a period of seven days prior to valuation date is considered for valuation. If no quotes are available for a period of seven days prior to the valuation date the same are treated as unquoted government securities.

- b) Unquoted Government Securities are valued at yield to maturity based on the prevailing interest rates.
- c) Valuation policies for Money Market Instruments :-

Money Market Instruments and other assets are taken at book value.

i) The money invested in Inter bank call market is taken at cost.

ii) The money invested in discount/Interest earning instruments is valued at the yield at which the instrument was last traded. For this purpose, a quote which is not more than two working days old is to be considered as valid. When there are no quotes available in the last two working days, the instrument is valued at cost plus the difference between the face value and the cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

iii) Other money market instruments, including unquoted debentures are valued at cost plus the difference between the face value and cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

XIV. ACCOUNTING POLICIES

1 Income recognition

- a) Interest on investments and commitment charges is accounted for on accrual basis.
- b) Profit or loss on sale of investments is

recognised on the trade dates on the basis of weighted average cost.

- c) Other income, if any, is accounted for on receipt basis.

2. Expenses

- a. Expenses are accounted for on accrual basis.
- b. Certain common expenses incurred through Unit Scheme 1964, are allocated to the other schemes as per the provisions of Sec 25 (4) of UTI Act 1963.
- c. Unit Scheme 1964 which owns the fixed assets, recovers lease rent, on an approved basis, from other schemes for their usage of the said assets.

3. Deferred revenue expenditure

In accordance with the provisions of Section 25(3) of the Unit Trust of India Act, 1963, certain expenses are deferred as under :

- i) The initial issue expenses and commission to agents, incurred by the close ended schemes are written off equally over the tenure of the schemes.
- ii) When there is a net repurchase of units, the deferred revenue expenses vide (i) above to be charged in that year, as also for the unexpired period, is suitably adjusted.

4. Investments

- a. Investments are stated at cost or written down cost.
- b. In case of secondary market transactions investments are recognised on trade dates.
- c. Subscription to RBI auctions through primary dealers (PDs) is accounted as investments on allotment.
- d. The cost of investments acquired through a secondary market transaction include brokerage and service tax but does not include stamp fees, if any which is charged to revenue.

5. Income Distribution :

- i) As and when income distribution is declared

under the scheme a suitable provision will be made in the accounts at approved rate of income distribution.

ii) Provision for Income Distribution will also be made on application money pending capitalisation, except in respect of schemes where units are sold at a premium or discount to its face value. The income distribution in such cases will be charged to the Revenue Appropriation A/c in the year of capitalisation.

6. Publication of Financial Results:

The unaudited financial results of the scheme as on 31st December will be published within 2 months and audited annual results as on 30th June will be published within six months of finalisation of accounts in one English daily and one Marathi daily.

XV. TAX TREATMENT OF INVESTMENTS

1. Tax Concessions

- i) Taxation of income, if any, and capital appreciation under the scheme will be subject to prevalent tax laws. Currently, under section 10(33) of Income Tax Act 1961 any income distributed by a mutual fund is completely tax free in the hands of investor. Currently income distribution is subject to an Income distribution tax @ 10% and surcharge of 10% thereon at the level of the scheme under section 115R of the Income Tax Act, 1961 and there is no TDS on the income distribution.
- ii) Any long term capital gains arising out of investment in the scheme will be subject to treatment indicated under sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961. At present an investor is required to pay tax @ 20% on long term capital gains after taking the benefit of the Cost Inflation Index.
- iii) Value of investment in units under the scheme is completely exempt from wealth tax.
- iv) The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of Gifts made on or after 1st October 1998. Thus, Gifts of Units of UTI

G-Sec Fund will not attract any Gift Tax without any upper limit.

There will be no deduction of income tax at source in respect of income distribution by the Trust under the scheme irrespective of the amount of such income distribution.

2. Eligibility for Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA

Investment of entire or a part of the net consideration arising out of transfer of long term capital assets in UTI G-Sec Fund will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase only after three years from the date of acceptance of the application.

Eligibility for Capital Gains Tax Exemption under Section 54EB

Investment of entire or a part of the capital gains arising out of transfer of long term capital assets in the UTI G-Sec Fund will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EB of the Income Tax Act, 1961 subject to repurchase only after seven years from the date of acceptance of the application.

3. For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11 (2) (b) of the Income Tax Act 1961. Eligible Trusts investing in units will therefore, qualify for tax exemption in respect of income and corpus under sections 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

Non-Residents

i) Taxation of income, if any, and capital appreciation under the scheme will be subject to prevalent tax laws in India. The present tax laws on repatriability of income and capital are as per clause VII (2), (iii & iv).

ii) Any long term capital gains arising out of the investment in the scheme through NRO

Account, will be subject to treatment indicated under Sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.

iii) Value of Investment in units under the scheme is exempted from wealth tax.

iv) The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of Gifts made on or after 1st October 1998. Thus, Gifts of Units of UTI G-Sec Fund will not attract any Gift Tax without any upper limit.

XVI. INVESTORS' RIGHTS & SERVICES

1. Members under the scheme have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of the scheme and to the income declared by the Scheme for those who have opted for the income option.

2. The members have a right to ask the Trustees about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the members.

3. The members have the right to have the statement of account issued to them not later than six weeks from the date of acceptance of the application.

4. The members have the right to have the repurchase/redemption proceeds despatched to them within 10 days (provided the application is in order) from the date of receipt of the application at the office where the repurchase requests are processed.

5. The members have the right to receive their income distribution warrant within 42 days from the date of declaration on the income distribution.

6. An abridged annual report in respect of the UTI G-Sec Fund shall be mailed to all members not later than six months from the date of closure of the relevant accounting year and made available for inspection at the Central Investors' Relation Cell and a copy shall also be made available to the members on request on payment of nominal fee, if any.

7. Any change in the fundamental attributes of the scheme will be carried out only with the consent of not less than three-fourths of the members of the scheme. Further, in the event of a change in the fundamental attributes, those who do not give their consent will be free to repurchase their holdings in the scheme.

8. Under specified circumstances the approval of members will be sought by a Postal Ballot.

9. The members have the right to inspect the following documents at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India, SNTD Women's University Basement, Door No.1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai 400020.

- ☐ The UTI Act
- ☐ The UTI General Regulations
- ☐ The copies of agreements with the custodians, registrars.
- ☐ Copy of Offer Document of UTI G-Sec Fund.

XVII. CONSTITUTION & MANAGEMENT OF UNIT TRUST OF INDIA

Constitution of UTI

Unit Trust of India was set up as a statutory body under Unit Trust of India Act, 1963, with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

Management of UTI

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter

within the competence of the Board.

Board of Trustees *

- | | |
|----------------------------|---|
| 1. Shri P S Subramanyam | Chairman, Unit Trust of India |
| 2. Dr. P J Nayak | Executive Trustee, Unit Trust of India |
| 3. Shri S Gurumurthy | Executive Director, RBI |
| 4. Shri G P Gupta | Chairman & Managing Director, IDBI |
| 5. Shri N.S. Sekhsaria | Managing Director, Gujarat Ambuja Cements Ltd. |
| 6. Shri Rajendra P Chitale | Chartered Accountant |
| 7. Dr. Vishvanath V Desai | Economist |
| 8. Shri G Krishnamurthy | Chairman, L.I.C. |
| 9. Shri G G Vaidya | Chairman, S.B.I. |
| 10. Shri K C Chowdhary | Chairman & Managing Director, Central Bank Of India |

* The other current directorships of the Trustees are as follows:

1. Shri P S Subramanyam (i) Chairman & Director - The India Fund, (ii) Chairman & Director - India Growth Fund, (iii) Chairman & Director - India Access Ltd. (iv) Chairman & Director - The India Public Sector Fund Ltd. (v) Chairman of Governing Council - UTI- Institute of Capital Markets, (vi) Chairman & Director - UTI Investment Advisory Services Ltd. (vii) Chairman & Director - UTI Investor Services Ltd (viii) Chairman - UTI-Securities Exchange Ltd., (ix) Director- UTI Bank Ltd. (x) Chairman & Director - Over-The-Counter Exchange of India (xi) Member - Life Insurance Corporation of India. (xii) Director - Discount & Finance House of India Ltd. (xliii) Director - Securities Trading Corpn. of India Ltd.
2. Dr. P J Nayak - (i) Member Governing Council - UTI- Institute of Capital Markets (ii) Director - Unit Trust of India Investor Services Ltd., (iii) Director - Unit Trust of India Investment Advisory Services Ltd., (iv) Director -Association of Mutual Funds of India (v) Director - National Securities Depository

Ltd (vi) Chairman & Director - UTI- Gurnsey Ltd
(vii) Director - India Debt Fund, (viii) Director - India IT Fund.

3. Shri G P Gupta-(i) Chairman- Small Industries Development Bank of India, (ii) Director- The India Fund (iii) Director- India Growth Fund, (iv) Director - Discount and Finance House of India Ltd. (v) Director- Export-Import Bank of India, (vi) Director- Securities Trading Corpn. of India Ltd. , (vii) Director- Infrastructure Development Finance Co. of India., (viii) Director- Indian Airlines Ltd. (ix) Director- IDBI Bank Ltd. (x) Director- National Stock Exchange of India Ltd. (x) Member- Life Insurance Corpn. of India, (xi) Member- General Insurance Corpn. of India (xii) Director- South Asia Regional Fund, (xiii) Chairman - South Asia Development Fund, (xiv) Council Member- Indian Institute of Bankers, (xv) Member- Bankers Training College (RBI), (xvi) Member- Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific (xvii) Member- Institute of Banking Personnel Selection (xviii) Member- The Institute of Company Secretaries of India

4. Shri N S Sekhsaria - (i) Director - Gruh Finance Ltd. (ii) Director- Radha Madhav Investments Ltd. (iii) Hometrust Housing Finance Co. Ltd. (iv) Director- Ambuja Cement foundation (v) Director Ambuja Educational Institute

5. Shri Rajendra P Chitale - (i) Director - Small Industries Development Bank of India, (ii) Director- National Securities Clearing Corporation Ltd (iii) Director - J M Capital Management Ltd. (iv) Director - Zurich Asset Management Co. (India) Ltd. (v) Director- India Index Services and Products Ltd. (vi) Director- Association of Leasing and Financial Services Companies. (vii) Member - Executive Committee (Governing Board) of National Stock Exchange. (viii) Member - India Advisory Board of Bank of America NT & SA (ix) Member - Investment Committee, Life Insurance Corporation of India.

6. Shri G Krishnamurthy - (i) Chairman - LIC (International) EC, Bahrain (ii) LIC Housing Finance Ltd. (iii) Director - General Insurance Corporation of India (iv) Director- Poysha Industrial Co. Ltd. (v)

National Insurance Academy (vi) Chairman, Governing Board- National Insurance Academy (vii) Director- National Housing Bank (viii) Director- UTI Bank Ltd. (ix) Director Discount & Finance House of India (x) Director- Kenindia Assurance Co. Ltd., Kenya (xi) Director- Industrial Credit and Investment Corpn. of India (xii) Chairman- Governing Body of Insurance Council

7. Shri G G Vaidya- (i) Chairman - SBI Capital Markets Ltd., (ii) Chairman- SBI Funds Management Ltd., (iii) Chairman - SBI Gilts Ltd., (iv) Chairman - SBI Securities Ltd., (v) Chairman - SBI Factors & Commercial Services Ltd., (vi) Chairman - SBI European Bank Ltd., (vii) Chairman - State Bank of Indore, (viii) Chairman - State Bank of Saurashtra, (ix) Chairman - State Bank of Patiala, (x) Chairman - State Bank of Bikaner & Jaipur , (xi) Chairman - State Bank of Hyderabad, (xii) Chairman - State Bank of Mysore, (xiii) Chairman - State Bank of Travancore, (xiv) Chairman - State Bank of India (California), (xv) Chairman - State Bank of India (Canada), (xvi) Vice President of the Governing Council - Indian Institute of Bankers, (xvii) Director- National Bank for Agriculture and Rural Development , (xviii) Export- Import Bank of India, (xix) Director- General Insurance Corporation, (xx) Member of the Governing Board & Chairman of Finance Committee- National Institute of Bank Management , (xxi) Member of the Governing Board, Chairman of the Finance Committee & Office Premises Committee & Committee of Administrators of IBPS Employees Pro.Fund), - Institute of Banking Personnel Selection Member- Institute for Developing & Research in Banking Technology, Director- Infrastructure Development Finance Corporation , Director- Infrastructure Leasing & Financial Services Ltd. , Director- Export Credit Guarantee Corporation,

8. Shri K C Chowdhary - (i) Chairman - Small Group on Bank Audit, Indian Banks' Association (ii) Chairman- Banking Operations, Indian Bank's Association, (iii) Chairman - Small Group on Credit related matters, Indian Banks' Association (iv) Chairman - IBA working group for interaction with Trade Bodies/Associations, (v) President - Indian Banks' Association - , (vi) Member - Managing

Committee, Indian Bank's Association, (vii) Chairman - Centbank Home Finance Ltd., (viii) Chairman - Centbank Financial & Custodial Services Ltd., (ix) Director - Agricultural Finance Corpn. Ltd., (x) Director - Mastercard Asia/Pacific Board, (xi) Director - The New India Assurance Co. Ltd., (xii) Member - Task Force, Indian Banks Association.

Management of the Fund :

Shri. Manish Bhatia, Assistant General

Manager, will be the Fund Manager.

Qualifications : B.E., PGDM

Experience and Background: Presently, working in the Department of Funds Management, looking after the fund management of some of the domestic income oriented schemes.

<i>Designation/Department/Period</i>	<i>Responsibilities</i>
Assistant General Manager/ Department of Funds Management September, 1997 - till date	Funds Management
Manager/Equity Research Cell March, 1996 - August, 1997	Equity Analysis
Manager/Department of International Finance August, 1994 - February, 1996	Provide Equity Research Support to offshore funds of the Trust.

XVIII. OTHER SERVICE PROVIDERS FOR THE SCHEME

1. Custodians

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nariman Point, Mumbai 400 021, have been functioning as custodian for all our schemes and plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to schemes/funds/plans of the Trust and hold them in custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions in connection with the sale, purchase, transfer and other dealings with the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by

the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of securities belonging to the schemes/funds/plans of the Trust.

The SEBI registration number of SHCIL is IN/CUS/011

Tariff structure of SHCIL is as under:

	Electronic	Physical
Dematerialisation	Rs. 5 per certificate	-
Purchase	8.5 basis points	Rs.100 per DIP
Sale	3.5 basis points	Rs.100 per DIS
Custody	2.5 basis points calculated on daily basis	8 basis points calculated on weekly basis
Off market purchases	13.5 basis points	-
Off market Sales	3.5 basis points	-
Rematerialisation	Rs. 15 per certificate	-

2. Auditors

M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 60, Bentik Street, Calcutta 700 069 and M/s Batliboi & Purohit, Chartered Accountants, National Insurance Building, 204, D N Road, Fort, Mumbai 400 001. The auditors of the scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

3. Registrars:

UTI Investors' Services Limited (UTI-ISL) - SEBI Registration number INR00000121 - have been appointed as the Registrars.

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge its responsibilities with regard to processing of applications, despatch of Statement of Account and Income Distribution Warrants within the prescribed time frame and also handle investor complaints.

Processing of applications and after sales services will be handled from the following branches of the Registrars :

Western Zone : Plot no. 369, Marol Maroshi Road,
Near Marol-Maroshi Bus depot, Vijay Nagar, Andheri
(E) - Mumbai - 400059.

Eastern Zone : Bombay Mutual building, 4th floor,
9 Brabourn Road, Calcutta 700001.

Southern Zone : 45 Justice Basheer Ahmed Syed
building, Second line Beach, Chennai 600001.

Northern Zone (excl. Uttar Pradesh) : Kanchanjanga
building, Upper Ground floor, 18 Bara Khamba
Road, New Delhi 110 002.

Lucknow (for the state of Uttar Pradesh) : Shop
No. 8&9, 2nd floor, Saran Chambers No. 5, Park
Road, Lucknow - 226001.

4. Collecting Bankers:

There will be no collecting bankers under the scheme
for residents. Selected Branches of Oman
International Bank in the Sultanate of Oman have
been appointed for collection of applications from
Non-Residents.

PRINCIPAL BUSINESS ADDRESS of Oman
International Bank S.A.O.G. :

1-A, Mittal Court,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

XIX. INVESTORS' GRIEVANCE REDRESSAL

1. All investors could refer their grievances giving
full particulars of investment to concerned Investors'
Relation Cell at the following addresses:

WESTERN ZONE:

Ms. Tanvi Upadhye
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
"Gn" Block, Bandra - Kurla Complex,
Bandra (East)
Mumbai 400 051
Tel: 652 0850

EASTERN ZONE:

Shri S L Chakrabarti
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
29, N S Road,
Calcutta 700 001
Tel: 221 0533

SOUTHERN ZONE

Ms. Shirin Ramprasad/Ms. Hari Priya S.
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
UTI-House, 29, Rajaji Salai,
Chennai 600 001
Tel: 5260146

NORTHERN ZONE

Shri B Chakraborty
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
Herald House,
11nd floor,
5 A, Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi 110 002.
Tel.: 332 1801/3315574

2. Investor Complaints redressal record :-

Complaints received, redressed and pending for
the last three years are:

Period	No of Complaints		Pending to	
	Received	Redressed	Pending	Total Received
01-04-96 to 31-03-97	470169	447495	22675	4.82%
01-04-97 to 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%
01-04-98 to 31-03-99	287260	274580	12680	4.41%
01-04-99 to 30-06-99	60301	54076	6225	10.32%

Schemewise details of complaints received, redressed
and pending for the period 01/07/98 to 30/06/
99 are given below :

Scheme	No of Complaints		Pending to	
	Received	Redressed	Pending	Total Received
CCCF	722	710	12	1.66%
CGGF	4715	4625	90	1.91%
CGS-83	23	23	0	0.00%
CGUS-91	1040	1040	0	0.00%

Scheme	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
CRTS	100	99	1	1.00%
DIP-91	1183	1168	15	1.27%
DIUP-93	4406	4336	70	1.59%
DIUP-95	575	570	5	0.87%
DIUS-90	156	156	0	0.00%
DIUS-91	218	216	2	0.92%
DIUS-92	369	367	2	0.54%
E.O.F	56	56	0	0.00%
GCCI	690	612	78	11.30%
GMIS-91	899	888	11	1.22%
GMIS-92(I)	536	529	7	1.31%
GMIS-92(II)	507	505	2	0.39%
GMIS-B-92	1361	1349	12	0.88%
GMIS-B-92(II)	666	660	6	0.90%
GRANDMASTER-93	867	846	21	2.42%
GRIHALAXMI UNIT PLAN	985	981	4	0.41%
HOUSING UNIT SCHEME	126	126	0	0.00%
IEP-97	101	98	3	5.94%
ISFUS-95,96,97	12	10	2	16.67%
MASTER INDEX FUND	166	165	1	0.60%
MASTER VALUE UNIT PLAN	3	3	0	0.00%
MASTERGAIN-92	29298	28988	310	1.06%
MASTERGROWTH-93	2613	2557	56	2.14%
MASTERPLUS-91	34700	33128	1572	4.53%
MASTERSHARE-86	22973	22135	838	3.65%
MEP-91	1594	1534	60	3.76%
MEP-92	9846	9635	211	2.14%
MEP-93	6479	6383	96	1.48%
MEP-94	4801	4713	88	1.83%
MEP-95	8889	8813	76	0.85%
MEP-96	1031	964	67	6.50%
MEP-97	116	106	10	8.62%
MEP-98	455	455	0	0.00%
MIP-93	3591	3525	66	1.84%
MIP-94(I)	928	918	10	1.08%
MIP-94(II)	2148	2133	15	0.70%
MIP-94(III)	1639	1578	61	3.72%
MIP-95	638	629	9	1.41%
MIP-95(II)	804	794	10	1.24%
MIP-95(III)	328	323	5	1.52%
MIP-96	441	433	8	1.81%
MIP-96(II)	455	452	3	0.66%
MIP-96(III)	977	958	19	1.94%
MIP-96(IV)	5175	4954	221	4.27%

Scheme	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
MIP-97	1249	1211	38	3.04%
MIP-97(II)	2305	2280	25	1.08%
MIP-97(III)	2328	2254	74	3.18%
MIP-97(IV)	1204	1178	26	2.16%
MIP-97(V)	533	524	9	1.69%
MIP-98	2606	2488	118	5.68%
MIP-98(II)	2710	2662	48	1.77%
MIP-98(III)	3310	3182	128	3.87%
MIP-98(IV)	1512	1474	38	2.51%
MIP-98(V)	1878	1476	402	21.41%
MIP-99	2	1	1	50.00%
MIS-B-93	2539	2528	11	0.43%
MISG-90(I)	1812	1809	3	0.17%
MISG-90(II)	3201	3150	51	1.59%
MISG-91	5894	5838	56	0.95%
N.R.I FUND	247	247	0	0.00%
OMNI-PLAN	51	49	2	3.92%
PRIMARY EQUITY FUND	635	626	9	1.42%
RAJLAKSHMI	2958	2940	18	0.61%
RETIREMENT BENEFIT PLAN	730	665	65	8.90%
SENIOR CITIZEN UNIT PLAN	768	768	0	0.00%
UGS-10000	822	788	34	4.14%
UGS-2000	3336	3256	80	2.40%
UGS-5000	2347	2275	72	3.07%
ULIP	11234	10767	467	4.16%
US-64	60156	59699	457	0.76%
US-92	2058	2052	6	0.29%
UTI BOND FUND	293	288	5	1.71%
TOTAL	279119	272688	6431	2.30%

Reasons for pending complaints are :

- i) Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- ii) Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- iii) Change of address of investor not informed/not updated.
- iv) Loss in transit.
- v) Postal delay.
- vi) Non compliance of required documents in case

of transfer/death claims/Repurchase.

- vii) Incomplete details while forwarding the complaints.
- viii) Non-receipt/ Delayed receipt of commission.
- ix) Letters/Documents sent to the wrong office/ Registrars.

XX. PENALTIES, PENDING LITIGATION OR PROCEEDINGS, MATERIAL FINDINGS OF INSPECTIONS OR INVESTIGATIONS FOR WHICH ACTION MAY HAVE BEEN TAKEN OR IS IN THE PROCESS OF BEING TAKEN BY ANY REGULATORY AUTHORITY

1. There are no cases relating to penalties awarded by SEBI under the SEBI Act or any of its regulations or by any Stock Exchanges (where the units of some of the schemes of UTI are listed) against the Unit Trust of India/Board of Trustees, or any of the Trustees or key personnel (specifically the fund managers).
2. There are no pending material litigation proceedings incidental to the business of the Unit Trust of India including the Board of Trustees or any of the trustees or key personnel. There are no pending criminal cases against the Unit Trust of India, Board of Trustees or any of the Trustees or key personnel.
3. Neither SEBI nor any other Regulatory Agency has specifically advised that any deficiency in the systems and operations of the Unit Trust of India be disclosed in the offer document.
4. There are no enquiry/adjudication proceedings under the SEBI Act and the Regulations made thereunder, against Unit Trust of India, Board of Trustees/Trustee or key personnel.

XXI. Y2K COMPLIANCE STATUS OF THE TRUST

- ☐ The Trust has achieved the Year 2000 compliance for all its' Internal operations. This will be

maintained through a process of purchasing/developing Y2K complaint products/services.

- ☐ The Trust is dependent upon its Business Associates, Bankers, Brokers, R&T Agents and Vendors. Y2K Compliance by these agencies is, therefore, critical to the Trust's business. The Trust is maintaining a continuous follow-up with these agencies as to the status of their Y2K Compliance.
- ☐ The Trust is expected to incur a directly identifiable cost of Rs.2.89 crore (which includes capital expenditure spends for remedial measures).
- ☐ The Trust is developing a contingency plan to minimise the risk of disruption to its operations due to Y2K bugs or non-compliance of external agencies. These plans include identifying alternate methods and sources for continuing critical business functions.

XXII. CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

The condensed financial information for the years 1996-97, 1997-98 and 1998-99 (provisional) for all schemes launched during the last three years is annexed.

For and on behalf of the Board of Trustees of the Unit Trust of India

Sd/-

(B.G. DAGA)

Executive Director

Business Development & Mktg.

Place: Mumbai

Date: 27-07-1999

XXII. CONDENSED FINANCIAL INFORMATION**(i) HISTORICAL PER UNIT STATISTICS**

Scheme (Date of Allotment)	GUP (06.08.94) @@			REUP (26.12.94) @@		
	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.70	10.05	9.67	11.63	13.90	14.32
2. Net Income Per Unit	0.47	1.33	1.84	1.42	1.86	1.68
3. Dividends (%) p.a.	10.00	12.00	12.00	-	-	-
4. Transfer to Reserves (if any)	-	0.20	0.51	-	3.80	1.68
5. NAV At The End Of The Year	10.05	9.67	11.14	13.90	14.32	17.81
6. Annualised Return (%)	8.44	8.37	11.21	15.52	12.31	13.65
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	132.38	115.73	96.46	122.43	152.55	217.62
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.005	0.005	0.27	0.007	0.010	0.78

Scheme (Date of Allotment)	US-95 (02.01.95) @@			PEF-95 (01.08.95) @@			MIP-95 (01.09.95)		
	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	102.75	98.70	98.52	12.28	12.45	*9.16	10.89	11.42	*14.42 ^9.71
2. Net Income Per Unit	9.36	15.15	18.97	0.35	0.15	0.26	1.30	1.45	0.88
3. Dividends (%) p.a.	12.50	13.50	13.50	-	-	-	#14.00	#12.50	#10.75
4. Transfer to Reserves (if any)	-	1.68	3.99	-	1.42	2.66	0.31	0.48	-0.01
5. NAV At The End Of The Year	98.70	96.11	113.91	12.45	9.40	13.45	11.42	*14.42 ^9.71	*16.46 ^9.64
6. Annualised Return (%)	12.31	10.19	13.81	12.79	2.06	46.83	21.53	*15.62 ^13.79	*13.89 ^13.36
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	119.70	96.11	106.34	227.61	117.49	135.04	366.14	346.75	355.68
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.002	0.0017	0.16	0.004	0.017	0.98	0.011	0.011	1.09

#13.50% upto 31.03.96; 14.00% 01.09.96 - 31.03.98; 14.00% upto 31.03.98; 12.50% upto 31.03.99

	ISFUS-95 (01.10.95)			DIP-95 (01.10.95)			MEP-96 (31.03.96)		
	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	11.00	10.59	10.77	12.06	13.70	13.45	12.00	12.59	10.66
2. Net Income Per Unit	1.58	1.20	1.14	1.43	1.25	1.07	0.14	0.02	-1.18
3. Dividends (%) p.a.	15.00	15.00	14.00	-	26.00	*24.00	-	-	-
4. Transfer to Reserves (if any)	-	0.07	-0.33	1.43	0.51	0.14	-	0.31	-20.32
5. NAV At The End Of The Year	10.59	10.77	11.25	13.70 *14.64	\$11.12 -	\$10.08 *16.14	12.59	10.94	13.68
6. Annualised Return (%)	18.38	17.81	18.98	21.16 *16.89	\$13.54 -	\$12.70 *13.61	20.70	4.20	28.33
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	182.60	188.93	200.50	134.87	130.07	131.08	247.35	214.70	235.74
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.006	0.005	0.49	0.008	0.010	1.21	0.007	0.009	0.08

@@ Date of launch #26% upto 30.09.98

+Provisional * Cumulative Option ^ Non Cumulative Option \$ Deferred Income Option

Scheme (Date of Allotment)	MIP-95 (10-01-95)			MIP-96 (01-05-96)			MIP-96 (10-07-96)			ECF (01-07-96)		
	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.98	11.80	*14.29 ^9.95	10.29	11.05	*13.43 ^9.65	9.96	11.23	*13.94 ^10.19	9.98	10.66	8.46
2. Net Income Per Unit	1.44	1.60	1.49	1.35	1.17	1.24	1.24	1.56	1.22	0.46	0.28	-3.93
3. Dividends (%) p.a.	14.00	*12.50	\$10.75	14.50	**13.00	\$10.75	15.00	***13.00	\$10.75	-	-	-
4. Transfer to Reserves (if any)	0.02	0.63	0.51	0.28	0.12	0.29	0.13	0.50	0.29	-	0.89	-7.84
5. NAV At The End Of The Year	11.80	*14.88	*17.43	11.05	*14.09	*15.33	11.23	*13.94	*15.91	10.66	8.64	10.47
		^10.04	^10.67		^9.77	^9.53		^10.19	^10.13			
6. Annualised Return (%)	20.09	*19.55	*17.21	23.49	*18.90	*14.44	27.34	*19.73	*16.74	6.62	-6.83	23.76
		^15.29	^15.99		^14.78	^13.36		^17.35	^15.46			
7. Net Assets End Of The Period (Rs.Crs.)	458.39	442.31	464.87	250.67	235.46	238.62	417.80	415.79	433.24	26.10	19.38	20.88
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.010	0.010	0.92	0.011	0.011	1.07	0.010	0.010	0.90	0.016	0.002	0.46

* Cumulative Option ^ Non Cumulative Option * 14% upto 31.03.98 ** 14.50% upto 31.03.98 *** 15% upto 31.03.98 \$ 12.50 upto 31.03.99 \$\$ 13.00 upto 31.03.99

	MIP-95 (23-04-97) **			MIP-96 (01-10-98)			DIP-91 (15-10-98)			ISFUS-96 (01-01-97)			MIP-96 (01-01-97)			MIP-99 (31-03-99)		
	1996-97	1997-98	31-12-98	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.00	10.17	11.23	10.00	11.04	*13.30 ^10.13	10.00	11.52	@10.60 \$11.42 &11.38	10.00	11.09	10.60	10.00	10.71	*12.08 ^9.45	10.00	12.89	950 -1.87
2. Net Income Per Unit	0.14	0.74	0.46	0.90	1.44	1.32	1.18	1.41	1.38	1.01	1.42	1.34	0.67	1.33	1.26	0.11	0.71	-
3. Dividends (%) p.a.	-	-	-	15.00	*13.00	\$10.75	15.00	15.00	@10.85 \$10.00	16.00	16.00	14.00	15.00	**13.00	\$10.75	-	-	-
4. Transfer to Reserves (if any)	-	0.79	0.49	0.08	0.37	0.38	0.75	1.17	0.67	0.05	0.16	0.14	0.02	0.27	0.40	-	0.02	-13.74
5. NAV At The End Of The Year	10.17	11.2316	11.85	11.04	*13.30 ^10.13	*15.05 ^9.97	11.52	@9.23 \$12.65 &13.17	@10.23 \$12.50 &15.57	11.09	10.60	10.99	10.71	*12.08 ^13.46	*13.95 ^9.53	12.09	970	11.67
6. Annualised Return (%)	9.17	10.41	10.55	29.05	*18.91 ^17.36	*16.04 ^14.86	36.57	@12.12 \$15.53 &18.57%	@15.54 \$17.10 &17.75	38.25	19.42	19.09	29.61	*9.45 ^13.23	*14.27 ^13.00	83.99	237	22.80
7. Net Assets End Of The Period (Rs.Crs.)	37.99	105.39	154.29	436.50	413.56	425.60	201.41	254.44	286.16	286.50	174.06	180.43	387.29	891.61	894.01	38.60	71.34	85.55
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.008	0.002	0.001	0.008	0.009	1.00	0.007	0.009	1.05	0.005	0.008	0.29	0.007	0.001	1.04	0.005	0.001	0.30

* Cumulative Option ^ Non Cumulative Option \$ Deferred Income Option @ Dividend Option & Capital Growth Option

* 15% upto 31.03.98 ** 15% upto 31.03.98 @ 13% upto 31.03.99 \$\$ 13% upto 31.03.99

+ Provisional

Scheme (Date of Allotment)	MIP-97 (01.05.97)			MIP-97(H) (01.07.97)			HSFUS-97 (01.07.97)			IEF (01.08.97)			MIP-97(HH) (01.09.97-01.01.98)		MIP-97(HV) (01.11.97-31.03.98)	
	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1996-97	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*
1. NAV At The Beginning Of The Year	10.00	10.32	*9.31 ^9.06	10.00	10.09	*9.58 ^9.25	10.00	10.14	9.48	10.00	10.00	9.21		*9.70 ^9.38		*9.98 ^9.53
2. Net Income Per Unit	0.25	1.02	0.53	0.11	1.08	0.67	0.12	1.07	1.13	0.00	0.08	0.87	0.84	1.01	0.81	0.87
3. Dividends (%) p.a.	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	-	-	-	13.00	13.00	12.50	12.50
4. Transfer to Reserves (if any)	-0.06	-0.29	-0.84	0.03	-0.08	-0.69	-	-0.49	-0.53	-	0.10	2.88	-0.26	-0.29	0.01	-0.36
5. NAV At The End Of The Year	10.32	*9.31 ^9.06	*8.97 ^8.47	10.09	*9.50 ^9.25	*9.30 ^8.83	10.14	9.48	9.43	10.00	9.33	14.73	*9.70 ^9.38	*9.89 ^9.42	*9.26 ^10.40	*10.21 ^9.58
6. Annualised Return (%)	33.44	*5.09 ^8.96	*7.40 ^7.73	-	*5.52 ^10.03	*9.02 ^8.97	-	9.83	12.33	-	-07.30	59.93	*5.54 ^9.52	*11.28 ^10.60	7.45	*12.70 ^10.69
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	1195.73	1118.25	1127.48	1462.16	1478.46	1542.12	685.15	640.43	645.69	31.28	30.91	48.78	829.79	823.59	924.40	988.25
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.006	0.012	1.12	0.001	0.011	1.05	0.000	0.005	0.49	0.001	0.017	0.06	0.011	1.06	0.007	0.78

* Cumulative Option; ^ Non Cumulative Option

	MIP-97 (V) (01.02.98)		MEP-98 (31.03.98)		HSFUS-97(H) (01.02.98)		MIP-98 (01.04.98)		MEP98(H) (01.06.98)		MIP98(H) (01.09.98)		NRI FUND (01.06.98)		HSFUS98 (01.06.98)		UGS 10800 (30.05.98)		UEF (18.06.98)		MILIP (31.06.98)		MEF (01.06.98)	
	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1997-98	1998-99*	1998-99*	1998-99*	1998-99*	1998-99*	
1. NAV At The Beginning Of The Year		*9.98 ^9.71 \$10.27		8.47		9.74		*9.81 ^9.48 \$9.74	0.03				9.94		9.64				9.93					
2. Net Income Per Unit	0.70	0.62	0.23	0.49	0.60	0.84	0.31	1.06	12.50	0.58	0.88	0.04	1.03	0.08	0.91	-0.41	1.39	-0.07	0.96	0.49	6.18			
3. Dividends (%) p.a.	11.75	11.75	-	-	12.75	12.75	12.50	12.50	-0.07	12.50	12.50	13.50	13.50	13.50	13.50	-	-	-	-	-	-	-		
4. Transfer to Reserves (if any)	0.27	-0.57	0.23	4.88	-0.07	0.58	-0.02	-0.20	9.75	-0.26	-0.04	-0.06	-0.31	-0.18	-0.59	-0.41	12.67	-0.07	0.95	4.88	1.63			
5. NAV At The End Of The Year	* 9.98 \$10.27 ^9.71	*9.99 ^9.62 \$10.21	8.35	10.91	9.74	9.81	*9.95 ^10.34 \$9.89 ^9.30	*10.34 ^9.86 \$10.22		*9.98 ^10.36 \$10.96 ^9.62	*10.36 ^9.87 \$10.21	9.97	*10.36 ^9.87 \$10.21	9.64	9.95	9.57	14.28	9.93	11.4730	14.08	12.87			
6. Annualised Return (%)	*5.56 \$5.47 ^11.96	*9.54 ^9.85 ^9.82	66.95	28.81	5.14	11.16	*2.83 ^13.46 \$4.46 ^3.04	*13.46 ^12.49 \$12.49 ^12.25	770.12	*9.57 ^13.85 \$9.60 ^9.22	*13.85 ^14.13 \$14.13 ^11.63		*14.93 ^13.86 \$13.99		13.86				12.62					
7. Net Assets End Of The Period (Rs. Crs.)	475.12	488.24	18.86	28.96	656.31	666.10	928.05	1005.49	0.00	893.21	1385.09	63.45	65.63	944.49	979.94	67.40	138.43	136.39	689.40	140.95	195.18			
8. Ratio Of Recurring Exp. To Net Assets (%)	0.008	1.05	0.012	0.85	0.004	0.45	0.01	1.04		1.05	1.08	0.61	1.34	0.08	0.45	0.05	1.30	0.04	1.86	1.42	0.69			

* Cumulative Option; ^ Non Cumulative Option; \$\$ Annual option; +Provisional

@@ For open ended schemes date of launch is given.

ii) There are no instances of borrowing by schemes of the Trust.

HISTORICAL PER UNIT STATISTICS (1998-99)

Scheme	NAV as on 30.6.99*	Annualised Return (%)
GUP	11.14	11.21%
RBUP	17.81	13.65%
US-95	113.91	13.81%
PEF-95	13.45	--
MEP-96	13.68	28.33%
MIP-96	--	--
-Non Cum Option	9.53	13.36%
-Cum. Option	15.33	14.44%
MIP-96(II)	--	--
-Non Cum Option	10.13	15.46%
-Cum. Option	15.91	16.74%
EOF	10.47	23.76%
MIP-96(III)	--	--
-Non Cum Option	9.97	14.86%
-Cum. Option	15.05	16.04%
DIP-91	--	--
-Qtr. Inc. Option	10.23	15.54%
-Defr. Inc. Option	12.5	17.10%
-Growth Option	15.57	17.75%
IISFUS-96	10.99	19.09%
MIP-96(IV)	--	--
-Non Cum Option	9.53	13.00%
-Cum. Option	13.95	14.27%
MEP-97	11.67	22.84%
MIP-97	--	--
-Non Cum Option	8.47	7.73%
-Cum. Option	8.97	7.60%
MIP-97(II)	--	--
-Non Cum Option	8.83	8.97%
-Cum. Option	9.3	9.02%
IISFUS-97	9.43	12.33%

Scheme	NAV as on 30.06.99	Annualised Return (%)
IEF	14.73	59.93%
MIP-97(III)	--	--
-Non Cum Option	9.42	10.60%
-Cum. Option	9.89	11.28%
MIP-97(IV)	--	--
-Non Cum Option	9.58	10.69%
-Cum. Option	10.21	12.70%
MIP-97(V)	--	--
-Monthly Option	9.62	9.82%
-Cum. Option	9.99	9.54%
-Annual Option	10.21	9.85%
IISFUS-97(II)	9.81	11.16%
MEP-98	10.91	28.81%
MIP-98	--	--
-Monthly Option	9.88	12.25%
-Cum. Option	10.34	13.46%
-Annual Option	10.22	12.49%
UGS-10000	14.28	--
MIF-98	12.87	--
MVUP	14.08	--
IISFUS-98	9.95	13.16%
NRI FUND	--	--
MIP-98(II)	--	--
-Monthly Option	9.62	9.22%
-Cum. Option	9.98	9.57%
-Annual Option	10.96	9.60%
MIP-98(III)	--	--
-Monthly Option	9.87	11.63%
-Cum. Option	10.36	13.85%
-Annual Option	11.16	14.13%
UTI Bond Fund	11.4731	12.62%
UTI SIF	11.71	17.51%

* Provisional



UNIT TRUST OF INDIA

CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai - 400 020. (208 8488)

ZONAL OFFICES

Western Zone: "Gn" Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400051. Tel : 6520850 • **Eastern Zone:** 29, N.S Road, Calcutta - 700 001. Tel : 2200571. • **Southern Zone:** UTI-House, 29, Rajaji Salai, Chennai - 600 001. Tel : 521 0347. • **Northern Zone:** Jeevan Bharati, 13th Flr., Tower II, Connaught Circus, New Delhi - 110 001. Tel : 332 9860.

BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE

Ahmedabad : B.J.House, 2nd, 3rd & 4th Flr., Ashram Marg, Ahmedabad - 380 009. Tel : 6583043. • **Baroda :** 'Meghdhanush', 4th & 5th Flr., Transpek Circle, Race Course Marg, Baroda - 390 015. Tel : 336962. • **Bhopal :** 1st Flr., Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No.202, Maharana Pratap Nagar, Zone - 1, Scheme - 13, Habeeb Ganj, Bhopal - 462 001. Tel : 558 308. • **Indore :** City Centre, 2nd Flr., 570, M.G.Marg, Indore - 452 001. Tel : 535607. • **Mumbai :** (1) Unit No.2, Block 'B', Gulmohor Cross Marg No.9, Andheri (W), Mumbai - 400 049. Tel : 6201995. • **Mumbai :** (2) Persepolis Bldg., 3rd Flr., Above Andhra Bank, Sector - 17, Vashi, Navi Mumbai - 400 703. Tel : 7-672607. • **Mumbai :** (3) Lotus Court Bldg., 196, Jamshedji Tata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai - 400 020. Tel : 285 0821. • **Mumbai :** (4) Shradha Shopping Arcade, 1st Flr., S.V.Marg, Borivili (W), Mumbai - 400 092. Tel : 898 0521. • **Mumbai :** (5) Sagar Bonanza, 1st Flr., Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 400 086. Tel : 516 2256. • **Kolhapur :** Ayodhya Towers, C.S.No.511, KH-1/2 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Marg, Kolhapur - 416 001. Tel : 657 315. • **Nagpur :** Shree Mohini Complex, 3rd Flr., 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg, Nagpur - 440 001. Tel : 536 893. • **Nasik :** Sarda Sankul, 2nd Flr., M.G.Marg, Nasik - 422 001. Tel : 572166. • **Panaji :** E.D.C.House, Ground Flr., Dr. A.B.Marg, Panaji, Goa, 403 001. Tel : 222 472. • **Pune :** Sadashiv Vilas, 3rd Flr., 1183, Fergusson College Marg, Shivaji Nagar, Pune - 411 005. Tel : 5535954. • **Rajkot :** Lallubhai Centre, 3rd Flr., Lakhaji Raj Marg, Rajkot - 360 001. Tel : 235112. • **Surat :** Saifee Bldg., Dutch Marg, Nanpura, Surat - 395 001. Tel : 474 550. • **Thane :** UTI House, Station Marg, Thane (W) - 400 601. Tel : 540 0905.

BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE

Bhubaneswar : OCHC Bldg., 1st & 2nd Flr., 24, Janpath, Kharvela Nagar, Nr. Ram Mandir, Bhubaneswar - 751 001. Tel : 410 995. • **Calcutta :** 29, Netaji Subhash chandra Road, Calcutta - 700 001. Tel : 2434581. • **Durgapur :** 3rd Administrative Bldg., 2nd Flr., Anusol Durgapur Dev. Authority, City Centre, Durgapur - 713 216. (546831). • **Guwahati :** Hindustan Bldg., 1st Flr., M.L.Nehru Marg, Panbazar, Guwahati - 781 001. Tel : 543131. • **Jamshedpur :** 1-A, Ram Mandir Area, Gr. & 2nd Flr., Bistupur, Jamshedpur - 831 001. Tel : 425 508. • **Patna :** Jeevan Deep Bldg., Gr. & 5th Flr., Exhibition Marg, Patna - 800 001. Tel : 235 001. • **Siliguri :** Jeevan Deep, Ground Flr., Gurunank Sarani, Siliguri - 734 401. Tel : 424671

BRANCH OFFICES UNDER SOUTHERN ZONE

Bangalore : Raheja Towers, 26-27, 12th Flr., West Wing, MG.Marg, Bangalore - 560 001. Tel : 5595691. • **Cochin :** Jeevan Prakash, 5th Flr., M.G.Marg, Ernakulam - 682 011. Tel : 362 354. • **Colombatore :** Cheran Towers, 3rd Flr., 6/25 Arts College Marg, Colombatore - 641 018. Tel : 214 973. • **Hubli :** Kalburgi Mansion, 4th Flr., Lamington Marg, Hubli - 580 020. Tel : 363 963. • **Hyderabad :** 1st Flr., Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Hyderabad - 500 195. Tel : 4611 095. • **Chennai :** UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai - 600 001. Tel : 517 101. • **Madurai :** Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thirupparakundram Marg, Madurai - 625 001. Tel : 738186. • **Mangalore :** Siddhartha Bldg., 1st Flr., Bal-Matta Marg, Mangalore - 575 001. Tel : 426 290. • **Thiruvananthapuram :** Swastik Centre, 3rd Flr., M.G.Marg, Thiruvananthapuram - 695 001. Tel : 331415. • **Trichy :** 104, Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirapalli - 620 003. Tel : 760060. • **Trichur :** 28/700 West Pallithamam Bldg., Karunakaran Nambiar Marg, Round North, Trichur - 680 020. Tel : 331259. • **Vijaywada :** 27-37-156, Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijaywada - 520 002. Tel : 571134. • **Vishakhapatnam :** Ratna Arcade, 3rd Flr., 47/15/6, Station Marg, Dwarkanagar, Vishakhapatnam - 530 016. Tel : 548121.

BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE

Agra : Ground Flr., Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra - 282 002. Tel : 54408. • **Allahabad :** United Towers, 3rd Flr., 53, Leader Marg, Allahabad - 211 003. Tel : 400521. • **Amritsar :** Shri Dwarkadish Complex, 2nd Flr., Queen's Marg, Amritsar - 143 001. Tel : 64368. • **Chandigarh :** Jeevan Prakash, LIC Bldg., Sector 17-B, Chandigarh - 160 017. Tel : 703683. • **Dehradun :** 2nd Flr., 59/3, Raipur Marg, Dehradun - 248 001. Tel : 748720. • **Faridabad :** B-814-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad - 121 001. Tel : 219156. • **Ghaziabad :** 41, Navyug Market, Near Singhani Gate, Ghaziabad - 201 001. Tel : 790366. • **Jaipur :** Anand Bhavan, 3rd Flr., Sansar Chandra Marg, Jaipur - 302 001. Tel : 365 212. • **Jodhpur :** Minerva centre, 1st Floor, Station Road, Jodhpur, 342 001. Tel : 645229. • **Kanpur :** 16/79-E, Civil Lines, Kanpur - 208 001. Tel : 317 278. • **Lucknow :** Regency Plaza Building, 5, Park Marg, Lucknow - 226 001. Tel : 238502. • **Ludhiana :** Surya Kiran Phase II, 92, The Mall, Ludhiana - 141 001. Tel : 441264. • **New Delhi :** Gulab Bhavan, 2nd Flr., 6, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi - 110 002. Tel : 331 8638. • **Shimla :** Flat No 401,402,403,405 Mukesh Apts,Fingask Estate,Near Hotel Sheel,Shimla - 171 002. Tel : 257803. • **Varanasi :** 1st Flr., D-58/ 2A-1, Bhawanl Market Rathyatra, Varanasi - 221 001. Tel : 358306.

UTI NRI Branch :

28th Floor, Commerce Centre-1, World Trade Centre, Cuffe Parade, Mumbai-400 005. • Tel.: 218 4184 • Fax : 218 2322 • Email : utlnri@glasbm01.vsnl.net.in

Dubai Representative Office :

Post Box No. 29288, 17, Al Maskan, Karama, Dubai, U.A.E. • Tel.: 00971 4 356656 • Fax : 356636.

UTI London Branch :

UTI (Guernsey Ltd.), Shri Pradeep Kumar, State Bank House, 1, Milk Street, London EC2P 2 JP. • Tel.: 0044171 454 0415 • Fax : 0044171 454 0416.

DESIGNATED BRANCHES OF OMAN INTERNATIONAL BANK

NRI Centre : P. O. Box 1216, Postal Code 112, Ruw! Branch. **Sultanate of Oman :** Al Khuwri, P. O. Box 1216, Ruw!-112. **Buraimi :** P.O. Box 358, Buraimi-512. **Fahud :** P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. **Marmul :** P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. **Mina Al Fahal :** P.O. Box 54, Mina Al Fahal-116. **Muskar Al Murtafa :** P.O. Box 559, CPO Seeb 111. **Muttrah :** P.O. Box 117, Muttrah-114. **Nizwa :** P.O. Box 71, Nizwa-611. **Qurum :** P.O. Box 43, Mina Al Fahal-116. **Salalah :** P.O. Box 1453, Salalah-2011. **Sur :** P.O. Box 11, Ibrl 511. **Sur :** P.O. Box 651, Sur-411.

UNIT TRUST OF INDIA

MUMBAI

UT/DBDM/SPD-3 /99-2000

22 OCTOBER 1999

The amendments to the provisions /offer documents of the following schemes;

1. Primary Equity Fund 95
2. Master Gain 92
3. Grandmaster 93
4. Master Plus-91
5. UGS 10000
6. Equity Opportunity Fund
7. UTI-Index Equity Fund
8. IISFUS 95
9. IISFUS 96
10. IISFUS 97
11. IISFUS 97(II)
12. IISFUS 98
13. UTI NRI Fund

formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and the following plans:

1. Monthly Income Plan 95(II)
2. Monthly Income Plan 95(III)
3. Master Equity Plan 96
4. Master Equity Plan 97
5. Master Equity Plan 98
6. Monthly Income Plan 96
7. Monthly Income Plan 96(II)
8. Monthly Income Plan 96(III)
9. Monthly Income Plan 96(IV)
10. Monthly Income Plan 97
11. Monthly Income Plan 97(II)
12. Monthly Income Plan 97(III)
13. Monthly Income Plan 97(IV)
14. Monthly Income Plan 97(V)
15. Monthly Income Plan 98
16. Monthly Income Plan 98(II)
17. Monthly Income Plan 98(III)
18. Monthly Income Plan 98(IV)
19. Deffered Income Plan 91
20. Deffered Income Plan 95

- 21. Master Value Unit Plan 98
- 22. UTI Small Investor's Fund
- 23. UTI-Bond Fund
- 24. Master Index Fund

formulated under Section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit schemes made under section 21 of the said Act approved by the Executive Committee in the meeting held on 10th August, 1999 are published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

ANNEXURE

SR.NO	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
	OPEN ENDED SCHEMES		
1	Primary Equity Fund 95	XXXIV	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of NAV on the first day of the accounting year shall be kept aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund.
2	Master Gain 92	29B	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value (NAV) shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund of the Trust every year.
3	Grand Master 93	XXXI	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value (NAV) shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund of the Trust every year.
4	UTI-Bond Fund	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
5	Master Index Fund	V(a)	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
6	Master Plus-91	V(f)	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
7	UGS 10000 (Interval Fund)	XXVII	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
8	MEP 96	X [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has

ANNEXURE

SR.NO	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
			instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
9	MEP 97	X [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
10	MEP 98	X [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
11	Equity Opportunity Fund	XXXI	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
12	UTI-Index Equity Fund	XXVIII	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
13	IISFUS 95	XXVII A	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund every year. The Staff Welfare Fund was instituted by the Trust for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes etc.
14	IISFUS 96	XXVIII	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund every year. The Staff Welfare Fund was instituted by the Trust for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health

ANNEXURE

SR.NO	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
			relief or for similar other purposes.
15	IISFUS 97	XXIX	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund every year. The Staff Welfare Fund was instituted by the Trust for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
16	IISFUS 97 (II)	XXIX	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund every year. The Staff Welfare Welfare Fund was instituted by the Trust for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
17	IISFUS 98	XXIX	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund every year. The Staff Welfare Fund was instituted by the Trust for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
18	MIP 95 (II)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
19	MIP 95 (III)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
20	MIP 96	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
21	MIP 96 (II)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value

ANNEXURE

SR.NO	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
22	MIP 96 (III)	IX [*]	shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes. Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
23	MIP 96 (IV)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

24	MIP 97	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
25	MIP 97 (II)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
26	MIP 97 (III)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
27	MIP 97 (IV)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has

ANNEXURE

SR.NO	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
28	MIP 97 (V)	IX [*]	<p>instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p> <p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p>
29	MIP 98	IX [*]	<p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p>

30	MIP 98 (II)	V(e)	<p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p>
31	MIP 98 (III)	V(e)	<p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p>
32	MIP98(IV)	V(e)	<p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.</p>
33	DIP 91	IX [*]	<p>Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Trust for the</p>

ANNEXURE

SR.NO.	NAME OF THE SCHEME	CLAUSE NO.	AMENDMENT
34	DIP 95	IX [*]	welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes. Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of monthly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in any distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
35	UTI NRI Fund	XXVIII	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
36	UTI Small Investor's Fund (Interval Fund)	IX [*]	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.
37	Master Value Unit Plan 98	V(e)	Staff Welfare Fund Contribution 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Fund. The Trust has instituted the Staff Welfare Fund for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

[*] in the scheme provisions

UNIT TRUST OF INDIA

MUMBAI

UT/DBDM/R- 210 /SPD-55/99-2000

31ST OCTOBER 99

The amendments to the provisions of the Children's Gift Growth Fund Unit Scheme 1986 (CGGF-86) formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and approved in the Executive Committee Meeting held on 22nd February 1999 to come into force with immediate effect and amendments approved in the Executive Committee Meeting held on 21st April, 1999 to come into effect from 3rd May 1999 are published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

ANNEXURE

Amendments to the provisions of Children's Gift Growth Fund Unit Scheme 1986 (CGGF-86)

1) The second paragraph of sub-clause (b) of clause 1. titled 'Short Title and Commencement' is amended as:

The sales under the scheme was suspended with effect from 1st November 1997 and subsequently re-launched on 01.02.1999. 'Special Plan for the handicapped' formulated under CGGF-86 was re-launched on 03.05.1999.

2) The following is added as clause 1 (d) :

The amendment to the scheme provisions providing for issue of Membership Advice will not affect the existing Unit Certificates and they will continue to be governed by the pre-amended scheme provisions.

3) The word 'Board' in definition (k) of clause 2 is amended as 'Central Board of Direct Taxes.'

4) The following paragraph is added as definition (n) of clause 2.

"Member" used as an expression under the scheme shall mean and include the child who has been allotted units under the scheme on or after 01.02.1999 and the applicant investing for the benefit of the handicapped dependant who has been allotted units under the scheme on or after 03.05.1999.

5) Sub clause iii of clause 5 is amended as:

A Membership Advice will be issued in respect of all investments made in the scheme on or after 01.02.1999. A Membership Advice bearing the child's name will be sent by post to the address given by the applicant; the Trust will not incur any liability for loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the Membership Advice so sent. A membership advice is a valid evidence of admission of the child into the scheme.

6) Sub clause iv of clause 5 is amended as:

In case of applicants investing for the benefit of a handicapped dependant the Membership Advice will be issued in the name of the applicant. The Membership Advice will be sent by post

to the address given by the applicant; the Trust will not incur any liability for loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the Membership Advice so sent.

7) The title of clause 8 is amended as 'Form of Membership Advice' and the text is amended as:

Membership Advice shall be in such form as may be decided by the Executive Director of the Trust.

The rights to the unit issued under the scheme will vest only with the child who has been admitted as a member in the scheme. The applicant, at whose instance the units have been issued in favour of child, will not have any right whatsoever to these units.

The rights to the units issued to an applicant investing for the benefit of a handicapped dependant, will vest with the applicant.

8) The third line of clause (9) titled 'Sale of Units' is amended as:

As soon as possible thereafter the Trust shall issue a Membership Advice.

9) The third sentence of the second paragraph of sub clause (i) of clause 10 titled 'Repurchase of units' is amended as:

The Trust shall on receipt of the Membership Advice alongwith a request letter on plain paper duly signed by the child (then a major) and attested by the donor or any other authorised person and duly witnessed by another person giving his name, occupation and address, repurchase all or any part of the units indicated in the Membership Advice being always a multiple of 100 units; the Membership Advice so received shall be retained by the Trust for cancellation. In the event of a partial repurchase the Trust shall issue a fresh Membership Advice indicating the balance units. No member shall be entitled to sell to the Trust part only of the units indicated in the Membership Advice if such sale would result in his holding less than 200 units.

10) Clause 10 (iii) (a) (ii) titled 'Repurchase of units' is amended as:

During the period when the Register of members is closed in connection with (as notified by the Trust) the Annual Closing of the Books of Accounts.

11) The word 'unitholders' appearing in the second, third and fourth paragraphs of sub clause (a) and sub clause (e) of clause 11 titled 'Sale and Repurchase price to be as on the acceptance date is replaced with the word 'members'.

12) Clause 14 titled 'Manner of preparation of Unit Certificate' is deleted.

13) The title of Clause 15 is amended as 'Trusts not to be recognised for the purpose of the scheme' and the text is amended as:

The person who is registered as the member and in whose name a membership advice has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the member and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such member as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.

14) The title of clause 16 is amended as 'Exchange of Membership Advice and procedure when membership advice is mutilated, defaced, lost etc.' and the text amended as:

For the purpose aforesaid the member under the scheme shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

15) The title of clause 17 is amended as 'Register of members', the first line of the clause is amended as - The following provisions shall have effect with regard to the registration of members and item (b) of sub-clause (1) of the clause is amended as:

the number of the Membership Advice and the number of units held by every such member; and

16) The title of clause 18 is amended as 'Receipt by member to discharge Trust' the text is amended as :

The receipt of either parent/legal guardian/the child attaining majority, for any moneys paid to him/her in respect of the units indicated in the membership advice shall be a good discharge to the Trust.

17) Sub-clause (g) of clause 19 titled 'Death of the child in whose favour units have been issued' is amended as:

In case the unitholding is for the benefit of a handicapped dependant who predeceases the investor, the repurchase value of the units outstanding in the unitholding account, will be paid to the investor on his surrendering the membership advice alongwith a request letter on plain paper

duly signed by him and duly witnessed by another person giving his name occupation and address.

18) Sub clauses (e) and (f) of clause 22 titled 'Income Distribution' is amended as:

(e) Till the completion of the age of 21 Income Distribution due on the units indicated in the membership advice and on the units deemed to have been allotted under the paragraph hereinabove shall be deemed to have been automatically reinvested in further units by the Trust in accordance with the provisions of the Scheme.

(f) On completion of 21 years of age, the membership advice shall have to be surrendered for repurchase and income distribution declared thereafter shall not accrue to the units outstanding to the credit of the child and re-invested every year in further units. This will come into force from 01.02.99.

19) The last sentence of clause 24 is amended as:

In case of members investing for the benefit of a handicapped dependant the annual statement will be sent to the member.

20) Sub clause (b) of clause 25 titled 'Maturity under the Scheme' is amended as:

When the child reaches 21 years on surrendering to the Trust, the Membership Advice issued to the child under the Scheme, the Trust shall repurchase

(i) all the units indicated in the Membership Advice; and

(ii) On completion of 21 years of age, the Membership Advice shall have to be surrendered for repurchase and income distribution declared thereafter shall not accrue to the units outstanding to the credit of the child and re-invested every year in further units. This will come into force from 01.02.99.

21) The second sentence of clause 26 titled 'Publication of Accounts' is amended as:

The Trust shall, on a request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts so published.

22) Clause 28 titled 'Scheme to be binding on applicant' is amended as:

The terms of the Scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

(23) The title of clause 30 is amended as 'Benefits to the members'.

(24) Clause 32 titled 'Relaxation/Variation/Modification of Provisions' is amended as :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme relax, vary or modify any of the provisions of the Scheme in case of any member, or class of members upon such conditions as may be deemed expedient. Such variations or modifications will however be in conformity with section 80 DD of the Income Tax Act.

(25) Clause 33 titled 'Termination of the Scheme' is amended as :

The Trust reserves the right to terminate the Scheme at any time by giving a notice of not less than two weeks in one of the leading English dailies, without assigning any reason whatsoever if it feels in the interest of the members and the Trust it is expedient so to do.

(26) The following is inserted at the end of Clause 34 titled 'Review Clause' :

The option for premature repurchase consequent to lowering of the yield under the scheme as provided in the paragraph above will however not be available to an applicant applying for the benefit of a handicapped dependent.

(27) The following is inserted as a second paragraph of Clause 35 titled 'Development Reserve Fund'.

The capital investment as well as returns assured will be protected in case of investment by an applicant for the benefit of a handicapped dependent. The Development Reserve Fund will guarantee this protection. Any shortfall in assured commitments towards capital and returns will be met from DRF.

(28) The reference to "Trust" in various places of the scheme provisions in the sense of "Applicant" is corrected as "Trust (the Applicant)".

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st November 1999

No. U-16/53/98—Med-II(A. P.) :—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. K.V.L. Narsimha Rao to function as Medical authority for Hyderabad Centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with norms w.e.f. 4/8/99 to 3/8/2000 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical commissioner (SEZ) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH
Medical Commissioner

No. U-16/53/97-Med. II (A.P.)—In pursuance of the Resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. C. Madhav Rao to function as Medical authority for Hyderabad Centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. 1-1-99 to 31-12-99 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (SEZ) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS) S. SINGH
Medical Commissioner

No. U-16/53/99-Med. II(A. P.)—In pursuance of the Resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. A.L.B. Poornachandra Rao to function as Medical authority for Hyderabad Centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. date the joining or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (SEZ) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH
Medical Commissioner

The 8th November 1999

No. U-16/53/1/97-Med. II (T. N.)—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 25-5-1983, I hereby authorise the following doctor to function as Medical authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date given

below for one year, or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centres as stated below for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (South Zone) Bangalore for the purpose medical examination of the insured persons and grant of certificates is in doubt.

Sl. Name of Doctor	Period	Name of Centre
1. Dr. M. Kumaravelu	23-9-999 to 22-9-2000	Salem

DR. (MRS.) S. SINGH
Medical Commissioner

MINISTRY OF LABOUR
EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION
(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110066, the 17th November 1999

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4833.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I

(hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period of Exemption	C. P. F. C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Sangeeth Textiles Ltd. 2/167 Ellappalayam P. O. Pogalur-641697 Distt. Coimbatore.	TN/21443	2/1959/DLI/Exemp/ Pt. I dated 16-5-99	31-01-1999	01-02-1999 to 31-01-2002	14/414/DLI/TN/98
2.	M/s. The Nilgiri Distt. Co-op. Milk Producers Union Ltd. Coonoor Road, Udhagamandalam-643001, the Nilgiri.	TN/3102	—do— dated 15-5-99	25-02-1999	01-03-1999 to 29-02-2002	14/474/DLI/TN/98
3.	M/s. Bus Shipping Pvt. Ltd. 52 Rajaji Salai Chennai-600001. alongwith its branch.	TN/30198	—do— dated 13-1-99	23-02-1999	01-03-1999 to 29-02-2002	14/99/DLI/TN/95
4.	M/s. Ragnini Ram Baghav Spinners Pvt. Ltd. 'Chandralok' 33—40 Ponniah parajapuram, Coimbatore.	TN/21322	—do— dated 10-01-1999	23-02-1999	01-03-1999 to 29-02-2002	2/3319/DLI/TN/90
5.	M/s. Sri Venkatesa Mills Ltd. Palani Road Udumalpet.	TN/51	S.35014/480/82/ Pt. II (SS. II) dated 8-1986	07-01-1999	08-01-1989 to 07-01-1992 08-01-1992 to 07-01-1995 08-01-1995 to 07-01-1998 08-01-1998 to 07-01-2001	2/785/DLI/TN/82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
6.	M/s. High Energy Batteries (I) Ltd. Pakkudi Road Mathur Pudukkottai Dist. 622515.	TN/16284 S.35J14/480/82/P. II (SS.II)	dated 4-1-99	09-03-1998	10-03-1998 to 09-03-2001	2/1403/DLI/TN/86
7.	M/s. Changalarayan Co-op. Sugar Mills Ltd., Periasevalli-607209, Villupuram Distt. Tamil Nadu.	TN/17211	—do— dated 30-9-97	15-12-1998	16-12-1998 to 15-12-2001	2/1491/DLI/TN/86
8.	M/s. Aravind Laboratories No. 7 Chakrapani Street Chennai-600033.	TN/5977	—do— dated 17-7-97	29-2-1996	01-03-1996 to 28-02-1999 01-03-1999 to 28-02-2002	2/2549/DLI/TN/90
9.	M/s. Kaliswarar Mills 'A' Unit 10/8 Annuparpalayam, Coimbatore-9.	TN/52	—do— dated 15-5-99	30-11-1998	01-12-1998 to 30-11-2001	2/2638/DLI/TN/90
10.	M/s. Universal Cooling Systems 368 Chettipalayam Road, Malunichampatti, Coimbatore- 641021.	TN/21473	—do— dated 12-5-94	28-02-1994	01-03-1994 to 28-02-1997 01-03-1997 to 29-02-2000	2/2683/DLI/TN/90
11.	M/s. Krishnaswamy Nagar Ganga Nagar Matriculation School Ramanathpuram, Coimbatore-641045	TN/21570	—do— dated 10-1-1999	28-02-1999	01-03-1999 to 28-02-2002	2/3094/DLI/TN/90
12.	M/s. Santhagiri Spinning Mills (P) Ltd., Kannam Palayam, Coimbatore-641402.	TN/21312	—do— dated 12-3-99	28-02-1999	01-03-1999 to 28-02-2002	2/3431/DLI/TN/91
13.	M/s. E. I. D. Parry (India) Ltd., Nellikuppam Cudalore Distt., Tamil Nadu-607105	TN/345	—do— dated	31-3-1999	01-04-1999 to 31-03-2002	2/3939/DLI/TN/91
14.	M/s. Venkata Lakshmi Textiles, 194 Mangalam Road, Trichur-641604.	TN/21347	—do— dated 25-2-92	30-11-1993	01-12-1993 to 31-11-1996 01-12-1996 to 31-11-1999	2/3995/DLI/TN/92
15.	M/s. Navabharat Envirotech. Pvt. Ltd., No. 49 Grems Road, Chennai-600006.	TN/17121	—do— dated 17-2-96	31-03-1996	01-04-1996 to 31-03-1999 01-04-1999 to 31-03-2002	2/4368/DLI/TN/92
16.	M/s. Snap Natural & Alginate Products Ltd., Plot No. 1 Sipcot Industrial Complex, Ranipet-632403	TN/17716	—do— dated 7-4-99	31-03-1999	01-04-1999 to 31-03-2002	2/4370/DLI/TN/90
17.	M/s. Super Springs (P) Ltd., Lakshmi Feeds Industrial Complex M. G. Pudur (P. O.) Coimbatore-641406.	TN/21523	—do— dated 6-4-93	31-10-1994	01-11-1994 to 31-10-1999 01-11-1997 to 31-10-2000	2/4617/DLI/TN/92
18.	M/s. Jai Bala ji & Company, 89, S'ider Industrial Estate, Ambattur, Chennai-600098	TN/17267	—do— dated 2-7-93	28-02-1995	01-03-1995 to 28-02-1998 01-03-1998 to 28-02-2001	2/4707/DLI/TN/92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
19	M/s. Sri Kumaravelu Industrial 127, Nava India Road, Krishnarayapuram (P. O.) Coimbatore-641006	TN/21825	S.350/4/480/82/Pt. II (SS. II) dated 12-3-1999	28-02-1999	1-03-1999 to 28-02-2002	2/4904/DLI/TN/93
20.	M/S K D vya By—Father and Guardian T. R. Kannan, 249/3, Aruppukottai Main Road, Madurai-12.	TN/955-L	—do— dated 20-1-1994	30-11-1994	01-12-1994 to 30-11-1997 01-12-1997 to 30-11-2000	2/2459/DLI/TN/90
21	M/s. M. K V. K Tiles Main Road, Pavoorchatram-627808, Tirunelveli, Distt.	TN/10457	—do— dated 19-3-1999	29-02-1996	01-03-1996 to 28-02-1999	2/3098/DLI/TN/90

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. There for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee (s)/legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4860.—WHEREAS the the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by The Regional Provident Fund Commissioner, Guwahati (Assam) from the operation of the said Scheme for a period of three years

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Janambhumi Press (P) Ltd., Post Box No. 1, P. O. Distt. Jorhat-755001 (Assam)	AS/45	1-3-98 to 28-2-2001	2/2/98/EDLI/AS
2.	M/s. Sadana Ware Housing & Agencies Pvt. Ltd., Raj Singh Place, S. S. Road, P. O. Guwahati-781001 (Assam).	AS/1120	1-11-89 to 31-10-92 & 1-11-92 to 31-10-95 & 1-11-95 to 31-10-98	2/9/99/EDLI/AS
3.	M/s. Janambhumi, Janambhumi Building, Nehru Park, P. O. Distt. Jorhat (Assm).	AS/1486	1-3-98 to 28-2-2001	2/3/98/EDLI/AS
4.	M/s. Raju Moton Works, Paschim Boragaon, N. H. 37, Guwahati-781033 (Assam).	AS/2209	1-11-97 to 31-10-2000	2/10/99/EDLI/AS

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (n) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1952/DIU/Exemp./89/Pl. I/2993.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Providents Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable

to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Mumbai/Poona from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Indian Organic Chemicals Ltd., 3rd Floor, Bhupati Chambers, 13, Mathew Road, Mumbai-700004.	MH/5882	1-2-98 to 31-1-2001	9/67/99/DLI
2.	M/s. Brit Co. Foods Co. Ltd., 1107-1110 Village, Pirangut Tal, Mulshi Distt. Pune.	MH/32318	1-3-99 to 28-2-2002	9/68/99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066. the 18th November 1999

No. 2/1959/DLI/Excmp. 89/Pt. I/4877.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such

employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Orissa from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code.	Effective Date of Exemption	C.P.F.'S File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Konark Papers & Industries Ltd., Jharia-757016 Mayurbhanj (Orissa)	OR/3070	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	11/6/99/EDLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

A. K. JAIN

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4882.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2 (B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(B) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide exemption was granted/extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F. C's File No.
1.	M/s. Maifura Coats Ltd., Papanasam Mills, Post, V. K. Puram	TN/186	2/1959/DLI/Exem/Pt I/31-10-1992 dated 28-2-92		01-11-1992 to 31-10-1995 1-11-95 31-10-1998 01-11-1998 to 31-10-2001	2/12920/DLI/90
	M/s. Coats Viyella (India) Ltd., Tuticorin	TN/187	—do— dated 28-2-92	31-10-1992	01-11-1992 to 31-10-1995 01-11-1995 to 31-10-1998 01-11-1998 to 31-10-2001	do

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduce in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN
Regional Provident Fund Commissioner

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

New Delhi, the 01st December 1999

No. 17 1/99-PCI/14538-563—The following resolutions passed by the Pharmacy Council of India at its 64th & 65th meeting of the Council held in Sept, 99 & June 99 respectively are published hereunder as required under section 15 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948) namely :—

Resolution No. 65/PCI/1225—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institutions in Karnataka	For adms. limited to	Approved upto academic session
Shri Veerbhadreshwar Education Trust's College of Pharmacy, Humnabad 533 Distt. Pinar, Karnataka.	60	2000 to 2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Chairman Board of Examining Authority C/o. Office of Drugs Controller to the State of Karnataka, Palace Road, P.B. No. 5377, Bangalore-560 011 (Krn.), during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

ARCHNA MUDGAL
Officiating Secretary

Resolution No. 65/PCI/1226—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in M.S.	For adms. limited to	Approved upto academic session
Bharati Vidyapeeth's Institute of Pharmacy, Sector No. 8 C.B.D. New Bombay-400 614 (M.S.)	60	2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Secretary, Board of Tech. Examinations, Govt. Poly. Bldg. 3rd Floor 49 Kherwad, Ali Yawar Jung Marg, Bandra (E), Mumbai 400 051 (M.S.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as Pharmacist under the said Act.”

ARCHNA MUDGAL
Officiating Secretary

Resolution No. 64/PCI/1227—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in Punjab	For adms. limited to	Approved upto academic session
Govt. Polytechnic Hoshiarpur-146 001 (Punjab).	30	1999-2000

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the Director, Technical Education & Industrial

Training (Technical Education Wing) Punjab, Sector 35-A, Chandigarh during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

ARCHNA MUDGAL
Officiating Secretary

Resolution No. 65/PCI/1228—“(1) In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institution mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified hereunder:—

Name of institution in T.N.	For adms. limited to	Approved upto academic session
R.V.S College of Pharm Sciences, Trichy Road, Sular Colimbatore-641 402.	50	From 1993-94 to 2000-2001
Sri Ramachandra Medical College & Research Institute (Deemed University) I, Ramachandra, Nagar, Porur Chennai-600 110.	50	From 1993-94 to 2000-2001

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the Registrar, The Tamil Nadu Dr. MGR Medical University, P. B. No. 1200, No. 40, Anna Salai Guindy, Chennai-600032(T.N.) during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act."

ARCHNA MUDGAL
Officiating Secretary

ANNEXURE—1

RECRUITMENT RULES FOR THE POST OF JOINT DIRECTOR, SALAR JUNG MUSEUM

Name of post	Number of post	Classification	Scale of Pay (Rupees)	Whether Selection by merit or selection-cum-seniority or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Education and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
Joint Director	1* (1999) subject to variation Dependent on work load	Group 'A' (Class-I Senior)	12000-375-16500	Not applicable	Not applicable	Yes	Not applicable	Not applicable
Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/absorption & percentage of the posts to be filled in by various methods		In case of recruitment by promotion/deputation/absorption, grades from which promotion/deputation/absorption to be made		If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition		Circumstances in which Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment	
(10)	(11)		(12)		(13)		(14)	
Not applicable	Deputation/Absorption		Deputation/Absorption 1. Officers belonging to Indian Administrative Service or Central Civil Services Group 'A' (a) (i) Holding analogous posts on regular basis; (or) (ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 10000-15200 or equivalent and (b) with adequate administrative experience of 10 years		For Permanent absorption, the Selection Committee for Class-I (Senior and Junior) posts of Salar Jung Museum (SJM) Board consists of :— 1. Chairman, SJM Board or his nominee—Chairman 2. Secretary, Department of Culture, Government of India (Government of India's nominee) 3. A Member of the SJM Board nominated by the SJM Board 4. An Expert on the subject nominated by the SJM Board 5. Director, Salar Jung Museum (except for the post of Director)		Not applicable —Member —Member —Member	

SJ/- ILLEGIBLE
CHAIRMAN
SALAR JUNG MUSEUM BOARD

PUNJAB WAKF BOARD AMBALA CANTT.

Wakf /45/(1)/99 Gen./Publication.—In exercise of the powers conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1995 which are accessible by me under the delegated power by the Administrator, Punjab Wakf Board under Section 40 of the Wakf Act, 1995. Properties are hereby declared as Sunni Wakf.

Sr. No.	Name of Wakf	Distt./ Tehsil	Village	Kh. No.	Area	Value in Rs.	Nature & Object of Wakf	How the Wakf is Administered	Remarks
1.	Graveyard	Kapurthala	Bhiwanipur	92	K = M 1 = 6	50,000	Religious	Direct Mgt. of PWB, A/Cantt.	
2.	Takia Rusey Shah	Kapurthala Sultanpur Lodhi	Talwandi Chaudhrian	In Abadi	869 Sqrd	10. lac.	Do.	Do.	
3.	Takia	Amritsar	Amritsar	1574	K = M 0 = 14	4,00,000/-	Do.	Do.	
4.	Masjid	Amritsar	Amritsar	586/4	212' Sqrd E. 39' 14" House W. 33' " N. 53' Gali S. 53'	— — — — —	Do.	Do.	
5.	Mosque	Karnal Indri	Sayd Chapra	154	Vacant plot K = M 0 = 5	20000/-	Religious	Direct Management of the PWB A/Cantt.	
6.	Do.	Jalandhar	Drolikalan	113 14/3	0 = 7	3500/-	Do.	Do.	

1. Sr. No. 1 Graveyard according to Jamabandi, 1960-61, 1999-2000.
2. Sr. No. 2 Takia Rusey Shah according to Affidavits i.e. Sh. Ashok Kumar, Madan Singh, Karnail, Singh, Tajinder Singh, Gurmet Singh, Teerith Singh, Kulwinder Singh, Balbeer Singh, Balant Singh.
3. Sr. No. 3 Takia according to Jamabandi, 1995-96.
4. Sr. No. 4 Mosque according to sit. plan, report of E.O dated 22-9-99.
5. Sr. No. 5 Mosque according to Affidavit Sh. Noor Mohd. Jamabandi, 1995-96.
6. Sr. No. 6 Mosque according to Affidavit Sh. Mohd. Alamgir.

SYED SHAHID ALI
Chief Executive Officer